{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 06 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 343
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

महिला कांग्रेस विधायक के साथ हाथपाई

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के चिरयिनकीझु में शुक्रवार रात कांग्रेस विधायक राम्या हरिदास और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। झड़प का वीडियो भी सामने आया है। इसमें राम्या के साथ कुछ लोग हाथापाई करते दिख रहे हैं। लोगों ने विधायक का हाथ पीछे की ओर मरोड़ दिया। वीडियो में विधायक अपना हाथ छोड़ने के लिए कहती हैं और सामने मौजूद व्यक्ति से पूछती हैं कि वह कौन है। घटना के बाद विधायक को चिरयिनकीझु तालुक अस्पताल में इलाज कराया। पुलिस ने उनकी शिकायत पर जिला पंचायत सदस्य सजित मुथंबलम और पार्टी नेता साजद समेत 7 कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

लद्दाख में मांगों को लेकर फिर आंदोलन की चेतावनी

लेह। लद्दाख में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे लेह एपेक्स बॉडी ने 9 सितंबर को गृह मंत्रालय के साथ होने वाली बातचीत से पहले आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। लेह एपेक्स बॉडी ने कहा कि अगर बैठक में ठोस और सकारात्मक प्रगति नहीं हुई तो बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस लद्दाख को विधानसभा का अधिकार देने, अनुच्छेद 371 के तहत सुरक्षा, पिछले साल 24 सितंबर की हिंसा के मामलों को वापस लेने, पीड़ितों को मुआवजा देने और जांच आयोग की रिपोर्ट जारी करने की मांग कर रहे हैं। लेह एपेक्स बॉडी चेयरमैन त्सेरिंग दोरजे लाक्रुक ने कहा कि 80 मामलों में से अब तक सिर्फ 25 मामले वापस लिए गए हैं। उन्होंने केंद्र पर लद्दाख के साथ भेदभाव का आरोप लगाया।

पटना यूनिवर्सिटी गेट के पास बम धमाके से मची अफरातफरी

पटना। पटना यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के पास शनिवार दोपहर अचानक हुए तेज धमाके से इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक डबल डेकर पुल की ओर से अज्ञात लोगों ने यूनिवर्सिटी गेट की तरफ बम फेंका। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। धमाके की सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। टाउन डीएसपी-1 ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं और घटना से जुड़े तमाम पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा पर एफआईआर

फर्जी नेटवर्थ दिखाकर 1,322 करोड़ लोन लेने का आरोप, एलआईसी ने सीबीआई से शिकायत की

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामले में सुभाष चंद्र और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि मामले में कंपनी को करीब 1,322 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई के मुताबिक, यह मामला एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के साथ कथित वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में केस दर्ज होने की तारीख, स्थान और कथित धोखाधड़ी का तरीका स्पष्ट नहीं किया गया है।

सीबीआई ने सुभाष चंद्र के साथ अन्य आरोपियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में इन आरोपियों के नाम और उनकी कथित भूमिका का विवरण नहीं दिया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, सभी आरोपियों पर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को लगभग 1,322 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। मामले में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कथित धोखाधड़ी किस तरह की गई, रकम का इस्तेमाल कहां हुआ या कंपनी को नुकसान किस प्रक्रिया के जरिए पहुंचा। इन सवालों के जवाब जांच आगे बढ़ने के बाद सामने आ सकते हैं। सीबीआई की एफआईआर में लगाए गए आरोपों की जांच होना बाकी है। केस दर्ज होना आरोपों की पुष्टि नहीं माना जाता। मामले में आरोपियों का पक्ष और जांच एजेंसी की आगे की कार्रवाई भी महत्वपूर्ण होगी।

लोन लेने के लिए 59,113 करोड़ की नेटवर्थ दिखाई थी

एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने साल 2018 में मेसर्स वसंत सागर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड और अपनी अन्य कंपनियों के लिए लोन लिया था। लोन मंजूर कराने के लिए उन्होंने एक नेटवर्थ सर्टिफिकेट जमा किया था, जिसमें उनकी व्यक्तिगत कुल संपत्ति 59,113 करोड़ रूपए दर्शाई गई थी। इस भारी-भरकम नेटवर्थ को आधार बनाकर एलआईसी एचएफएल ने उनकी कंपनियों को 1,322 करोड़ से ज्यादा का लोन दिया था। जब एस्सेल ग्रुप की कंपनियां कर्ज नहीं चुका सकीं, तो सुभाष चंद्रा के खिलाफ दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान चंद्रा ने कहा कि उनकी संपत्ति कभी उतनी थी ही नहीं, जितनी उन्होंने लोन लेते समय एलआईसी एचएफएल को बताए गए सर्टिफिकेट्स में दिखाई थी। 2024 में उनकी असली कुल नेटवर्थ सिर्फ 31.79 करोड़ है। उन्होंने यह भी कहा कि 2017-18 में भी उनकी संपत्ति 40,000 करोड़ से अधिक नहीं थी।

ऑपरेशन अशदार सफल, लश्कर का पाकिस्तानी कमांडर यासिर ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस के ऑपरेशन अशदार के तहत लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी आतंकी यासिर को ढेर किया है। सुरक्षाबलों की संयुक्त कार्रवाई में यह आतंकी शुक्रवार को यूसमर्ग, बडगाम जिले में हुई मुठभेड़ में मारा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कार्रवाई की जानकारी देकर बताया कि मारे गए आतंकी की पहचान लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी नागरिक यासिर के तौर पर हुई है। पुलिस ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, आप भाग सकते हैं, लेकिन सेना और पुलिस से छिप नहीं सकते! यह संयुक्त ऑपरेशन भारतीय सेना (चिनार कोर), जम्मू-कश्मीर पुलिस (एसओजी) और सीआरपीएफ ने बडगाम जिले के अशदार गली के दुर्गम पहाड़ी और जंगली इलाकों में शुरू किया था। सतर्क सुरक्षा बलों ने पीर पंजाल रेंज के ऊंचे पहाड़ी रास्तों से पखेरपोरा (पुलवामा) से यूसमर्ग (बडगाम) की ओर बढ़ रहे आतंकवादियों के संदिग्ध समूह का पता लगाया था। चुनौती देने पर आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी, इसके बाद जबरदस्त मुठभेड़ हुई और अंततः पाकिस्तानी आंतकी यासिर मारा गया। मुठभेड़ स्थल से एके-सीरीज की असॉल्ट राइफल, मैगजीन, गोला-बारूद और युद्ध में इस्तेमाल होने वाली अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, आतंकी यासिर लश्कर-ए-तैयबा के सुलेमान मूसा ग्रुप का हिस्सा था, हालांकि वह पिछले एक साल से ग्रुप से अलग होकर काम कर रहा था और यूसमर्ग इलाके में लश्कर के प्रमुख कमांडर के तौर पर उभरा था। कश्मीर में सुरक्षा बल लंबे समय से यासिर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। मुठभेड़ के बाद आस-पास के घने जंगलों में छिपे हुए किसी भी अन्य संदिग्ध की तलाश में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी है। साथ ही, सुरक्षा कारणों से यूसमर्ग और दूधपथरी रिसॉर्ट्स में पर्यटकों के लिए सुरक्षा प्रतिबंध लागू किए गए हैं। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में सक्रिय विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के तेज हुए अभियानों का हिस्सा है।

यासिर ऊर्फ अबु तल्हा

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र 8 सितंबर से, जयशंकर करेंगे प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। दुनिया में बढ़ते संघर्षों और गहरे भू-राजनीतिक तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की शुरुआत 8 सितंबर से होने जा रही है। दुनिया के सबसे बड़े बहुपक्षीय मंच पर विभिन्न देशों के नेता और प्रतिनिधि वैश्विक शांति, सुरक्षा और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस महत्वपूर्ण मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयशंकर 26 सितंबर को दोपहर के सत्र में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। उनके संबोधन पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर रहेगी, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत की कूटनीतिक भूमिका लगातार महत्वपूर्ण हुई है। इस बार महासभा का सत्र ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चों पर तनाव और अस्थिरता का सामना कर रही है। विशेष रूप से अमेरिका और इजराइल के नेतृत्व में ईरान के खिलाफ चल रहे संघर्ष ने पश्चिम एशिया की स्थिति को बेहद संवेदनशील बना दिया है। इसके प्रभाव क्षेत्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी पड़ रहे हैं।

होर्मुज संकट से बढ़ी आर्थिक चिंता

ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार व्यवधान पैदा होने से वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ी है। यह मार्ग ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके चलते ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी का दबाव बना हुआ है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र वैश्विक समुदाय के लिए संवाद और कूटनीतिक समाधान तलाशने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। भारत अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग की आवश्यकता को प्रमुखता दे सकता है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉम्र्स की रिपोर्ट में खुलासा...

682 करोड़ के चंदे में 99 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ दो पार्टियों का आम जनमत पार्टी ने अकेले घोषित किए 640 करोड़

नई दिल्ली। देश में राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की पारदर्शिता को लेकर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट ने बड़ा सवाल खड़ा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में 14 रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों ने 20 हजार रुपये से अधिक के कुल 682.28 करोड़ रुपये के चंदे की जानकारी दी। हैरानी की बात यह है कि इस पूरी रकम में से 99 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सिर्फ दो राजनीतिक दलों के खाते में गया। इन दो दलों में बिहार में रजिस्टर्ड आम जनमत पार्टी और प्रबल भारत पार्टी शामिल हैं। दोनों ने मिलकर 680.655 करोड़ रुपये का चंदा घोषित किया है। यानी 14 दलों द्वारा घोषित कुल चंदे का लगभग पूरा हिस्सा इन्हीं दो पार्टियों के पास रहा। एडीआर के आंकड़ों में सबसे ज्यादा चंदा आम जनमत पार्टी के नाम दर्ज है। पार्टी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 640 करोड़ रुपये के चंदे की जानकारी दी है। यह आंकड़ा इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में पार्टी ने 12 हजार से अधिक चंदों के जरिए करीब 216 करोड़ रुपये मिलने की जानकारी दी थी। एक साल में घोषित चंदे में यह बड़ा अंतर राजनीतिक दलों की फंडिंग के स्रोत और उसकी पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। हालांकि एडीआर के मुताबिक 2023-24 की आम जनमत पार्टी की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध योगदान रिपोर्ट खराब तरीके से स्कैन की गई है। इससे रिपोर्ट में दर्ज दानदाताओं और योगदान से जुड़ी जानकारी की जांच और विश्लेषण चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

प्रबल भारत पार्टी दूसरे नंबर पर

20 हजार रुपये से अधिक के चंदे के मामले में प्रबल भारत पार्टी दूसरे स्थान पर है। यह पार्टी भी बिहार में रजिस्टर्ड है और इसका कार्यालय सीतामढ़ी में बताया गया है। आम जनमत पार्टी और प्रबल भारत पार्टी को मिले चंदे को जोड़ने पर राशि 680.655 करोड़ रुपये पहुंचती है। इसके मुकाबले बाकी 12 रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों द्वारा घोषित चंदे का हिस्सा बेहद छोटा रह जाता है।

9 पार्टियों ने एक भी बड़ा चंदा नहीं बताया

एडीआर की रिपोर्ट का एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि 14 रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों में से 9 पार्टियों ने 20 हजार रुपये से ज्यादा का कोई चंदा नहीं बताया। इसका मतलब यह नहीं है कि इन दलों को पूरे साल कोई आर्थिक योगदान नहीं मिला। रिपोर्ट में मुख्य रूप से 20 हजार रुपये से अधिक के योगदान की जानकारी का विश्लेषण किया गया है। छोटे योगदान इस आंकड़े में शामिल नहीं हो सकते। एडीआर के मुताबिक इन 14 दलों में 7 पार्टियां बिहार में रजिस्टर्ड हैं, जबकि अन्य पार्टियों के पंजीकृत पते दिल्ली, मध्य प्रदेश, झारखंड और हरियाणा में हैं।

मप्र की पार्टी भी सूची में

रिपोर्ट में मध्य प्रदेश से जुड़ी भारतीय जन क्रांति दल (डेमोक्रेटिक) का भी उल्लेख है। इसका रजिस्टर्ड पता जबलपुर बताया गया है। इसके अलावा एडीआर के डेटा में स्वराज इंडिया पार्टी, राष्ट्रीय जनरल पार्टी और प्राउटिस्ट ब्लॉक, इंडिया जैसी पार्टियां भी शामिल हैं। इनके पंजीकृत पते क्रमशः नई दिल्ली, बक्सर और नई दिल्ली बताए गए हैं।

चुनावी फंडिंग की पारदर्शिता फिर सवालों में

राजनीतिक दलों की आय और चंदे की जानकारी सार्वजनिक करने का उद्देश्य चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता बनाए रखना है। लेकिन जब एक ही रिपोर्ट में घोषित कुल चंदे का लगभग पूरा हिस्सा दो दलों के खाते में दिखाई देता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी रकम किन स्रोतों से आई और उसका इस्तेमाल किस तरह किया गया। एडीआर ने यह भी बताया है कि संबंधित 14 रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों के योगदान से जुड़ी रिपोर्ट उपलब्ध है, जबकि उनकी ऑडिट रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। ऐसे में घोषित आय और उसके वित्तीय इस्तेमाल की पूरी तस्वीर सामने नहीं आती।

राष्ट्रीय जनरल पार्टी को ईसीआई का नोटिस

चुनावी फंडिंग से जुड़े मामले में निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को राष्ट्रीय जनरल पार्टी को लेकर नोटिस भेजा है। इससे राजनीतिक दलों की वित्तीय रिपोर्टिंग और चुनावी नियमों के पालन का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। एडीआर के आंकड़े फिलहाल उन रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों द्वारा घोषित योगदान पर केंद्रित हैं, जिन्होंने 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे की जानकारी दी है। ऐसे में इन आंकड़ों को सभी राजनीतिक दलों की कुल फंडिंग का प्रतिनिधि आंकड़ा नहीं माना जा सकता। फिर भी 682.28 करोड़ रुपये में से 680.655 करोड़ रुपये का सिर्फ दो पार्टियों के पास होना राजनीतिक फंडिंग के पैटर्न पर बड़ा सवाल जरूर खड़ा करता है।

कांग्रेस ने जातिगत जनगणना में पारदर्शी ड्रॉपडाउन सूची की मांग की

इंदौर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक ने जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप पर सवाल उठाते हुए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और सामान्य वर्ग के लिए राज्यवार सत्यापित एवं प्रमाणित ड्रॉपडाउन सूची लागू करने की मांग की है।

इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में नायक ने केंद्र सरकार पर जातिगत जनगणना को लेकर कथनी और करनी में अंतर होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा सामाजिक न्याय और संख्या बल की चेतना को लेकर देशभर में अभियान चलाए जाने के बाद ही सरकार इस दिशा में कदम उठाने के लिए तैयार हुई।

नायक ने 2019 से अब तक के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जातिगत जनगणना को टालने और कमजोर करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि 2027 की प्रस्तावित जनगणना में ओबीसी और सामान्य वर्ग के लिए ओपन-एंडेड एंट्री का प्रावधान है, जिससे एक ही जाति के नाम अलग-अलग वर्तनी या रूप में दर्ज होने की आशंका है।

उन्होंने दावा किया कि सामाजिक-आर्थिक एवं जातिगत जनगणना (एसईसीसी) 2011 में भी ऐसी व्यवस्था के कारण 46 लाख से अधिक प्रविष्टियां सामने आई थीं, जिससे आंकड़ों की स्पष्टता प्रभावित हुई।

नायक ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि जातिगत जनगणना में राज्यवार प्रमाणित सूची का इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने तेलंगाना और बिहार की प्रक्रियाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से विचार-विमर्श के बाद प्रश्नावली तैयार की जानी चाहिए, ताकि जातिगत और सामाजिक-आर्थिक आंकड़े अधिक सटीक एवं उपयोगी हों।

उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़ों के अभाव में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व, आरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़े अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। कांग्रेस पिछड़े, दलित, आदिवासी और अन्य वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

कुछ ना कहना

सहारनपुर मस्जिद विध्वंस पर गहराया सियासी बवाल, विपक्ष ने उठाए गंभीर सवाल

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले गर्माया मामला

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में करीब 115 साल पुरानी एक मस्जिद को ढहाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में भारी बवाल मचा हुआ है। जिला प्रशासन ने शनिवार सुबह कार्रवाई को अंजाम देकर दावा किया कि मस्जिद सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी थी और यह कदम अदालत के आदेश के बाद उठाया गया। वहीं, विपक्षी दलों ने कार्रवाई के तरीके, मस्जिद की ऐतिहासिकता और जमीन के मालिकाना हक को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, इस योगी सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की साजिश करार दिया है।

जिला प्रशासन के मुताबिक, यह कार्रवाई जिला जज की अदालत द्वारा 4 सितंबर को मस्जिद कमेटी की अपील खारिज कर सिटी मजिस्ट्रेट के पहले के आदेश को बरकरार रखने के बाद हुई। मस्जिद के खिलाफ पिछले साल बजरंग दल के पूर्व प्रांतीय संयोजक विकास त्यागी ने शिकायत की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय जैसे संवेदनशील सरकारी परिसर में इसका निर्माण अवैध तरीके से हुआ था और इसके कुछ हिस्सों का कारोबारी उपयोग हो रहा था। सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद हटाने का आदेश देने के साथ-साथ कथित अतिक्रमण और सरकारी जमीन के इस्तेमाल को लेकर करीब 6.41 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। कार्रवाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा।

इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और इमरान प्रतापगढ़ी, समाजवादी पार्टी सांसद इकरा हसन, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, बसपा प्रमुख मायावती और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सहित कई विपक्षी नेताओं ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस सांसद प्रतापगढ़ी ने सवाल उठाया कि 100 साल से अधिक पुरानी मस्जिद को भी अवैध बताया जाना क्या दिखाता है? उन्होंने इस धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की सरकारी साजिश करार दिया और आरोप लगाया कि यह कदम चुनाव से पहले ध्यान भटकाने के लिए उठाया गया है। वहीं आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मस्जिद की जमीन के रिकॉर्ड पर सवाल उठाकर दावा किया कि खसरा नंबर 539 याकूब खान और वहीद खान के नाम दर्ज है और मस्जिद 1947 से पहले की है, जो वक्फ बोर्ड में भी पंजीकृत है। उन्होंने वक्फ बोर्ड को पक्ष बनाए बिना एकतरफा फैसले पर आपत्ति जताकर चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में नफरत फैलाने का प्रयास बताया।

स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की रिमांड, दिल्ली पुलिस की प्रक्रिया पर उठे सवाल

नई दिल्ली। स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजने पर निशु आज़ाद के वकील ऋषभ रंजन ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वकील रंजन ने अजीब बताकर कहा कि वे सभी कोर्ट में मौजूद थे, लेकिन उन्हें बाद में पता चला कि लीगल एड काउंसिल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए शामिल हुए और आरोपी को सीधे जज के आवास पर पेश किया। वकील रंजन ने आश्चर्य व्यक्त किया कि इतने गंभीर अपराध में केवल एक दिन की पुलिस कस्टडी क्यों मांगी गई। उन्होंने आपत्ति जाहिर कि उन्हें यह जानकारी नहीं दी गई कि एफ़आईआर में कौन सी नई धाराएं जोड़ी गईं या क्या बदलाव किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने धाराओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, और जानकारी मीडिया के माध्यम से मिल रही है। वहीं, भारद्वाज के वकील उमेश शर्मा ने हिरासत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर एक दिन की कस्टडी में भेजा है। शर्मा ने कहा कि उनकी बचाव पक्ष की टीम पूरी तरह तैयार थी, लेकिन चूंकि यह गिरफ्तारी अचानक हुई है, इसलिए कुछ भ्रम की स्थिति है। उन्होंने बताया कि भारद्वाज को रात में उठाया गया था और वे अभी तक उनसे बात नहीं कर सके हैं। भारद्वाज को बुलंदशहर से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी निशु के पिता पर की गई उनकी टिप्पणियों के चलते हुई थी। भारद्वाज ने दावा किया था कि उन्होंने जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान निशु के पिता का सिर फोड़ दिया था। मामले में सीजेपी और कांग्रेस ने आक्रामक रुख दिखाकर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबाव बनाया था।

स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलवाया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए बनाए गए खाने में गोबर का पाउडर मिलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान अरुमुगम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसने अपनी पत्नी की नौकरी जाने का बदला लेने के लिए यह साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, अरुमुगम की पत्नी स्कूल में खाना बनाने का काम करती थी, लेकिन नौकरी से निकाल दिया गया था। इसके बाद उसने एक छात्र पर दबाव बनाकर सरकारी स्कूल की मुफ्त नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर में गोबर का पाउडर मिलवाया। पुलिस ने अरुमुगम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 123 के तहत केस दर्ज किया है। यह धारा जहर आदि के जरिए नुकसान पहुंचाने और अपराध करने की नीयत से जुड़ी है।

लॉरी से टकराई कार, 8 की मौत

त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात एक कार हाईवे पर खड़ी लॉरी से टकरा गई। हादसे में कार सवार 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 11:40 बजे कैपामंगलम के पनंबिकुन्नू में हुआ। पुलिस ने बताया कि कार तमिलनाडु नंबर की थी और उसमें सवार ज्यादातर लोग डिंडीगुल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शवों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। बताया जा रहा है कि कार गुरुवायुर की तरफ से कोडुंगल्लूर जा रही थी। इसी दौरान पनंबिकुन्नू सेंटर के पास वह सड? किनारे खड़ी मालवाहक लॉरी के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। पिछला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ। उसमें फंसे लोगों को स्थानीय लोगों, पुलिस और दमकल-बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बाहर निकाला।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन, विधिविधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। भादों मास की अष्टमी पर हिन्दू धर्मलंबियों द्वारा भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ
भक्तिमय माहौल में मनाया गया। जहाँ श्रद्धालुओं ने घर-घर ना सिर्फ लड्डू गोपाल भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। बल्कि श्री कृष्ण के जयघोष व भजन कीर्तन कर रतजगा किया गया।हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जन्माष्टी का पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। वही जगह जगह संस्कृति, धार्मिक और मटकी फोड़ कार्यक्रमो के आयोजन कर भगवान श्री कृष्ण की विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमाओ का जलाशयों में विसर्जन किया गया।।जहाँ जिले भर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का यह उत्स्व शनिवार देर शाम तक देखा गया।

कृष्ण मंदिर में निभाई गई 1921 से चली आ रही परम्परा

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के वार्ड नंबर 16 स्थित जिले के एकमात्र कृष्ण मंदिर में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां वर्ष 1921 से चली आ रही परंपरा के अनुसार भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन संपन्न कराए गए। जहाँ शुक्रवार को सुबह 7 बजे भगवान श्री कृष्ण की आरती, पंचामृत से अभिषेक, बड़े भगवान,छोटे भगवान और लड्डू गोपाल का श्रृंगार, शाम 4 बजे तक वैदिक मंत्रोच्चारण, गोपाल सहस्त्रनाम, भगवान गणेश जी का अर्थ अभिषेक,वही शाम 4 बजे से रात्रि 8बजे तक भक्तों के लिए भगवान के दर्शन, जिसके तुरंत बाद पुन: भगवान का श्रृंगार, वही रात्रि से भजन मंडली द्वारा सुंदर पाठ का आयोजन किया गया।जिसके तुरंत बाद रात्रि 10 बजे से 12 बजे तक भजन कीर्तन कर भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहाँ रात भर भजन कीर्तन जगराता कर प्रसाद वितरण किया गया।

गोविंदाओं की टोली ने पिरामिड बनाकर फोड़ी मटकी

कृष्ण जन्मष्टमीं के अवसर पर शनिवार को नगर में गोविंदाओं की टोली ने विभिन्न स्थानों पर बांधी गई मटकी को फोड़कर जन्मोत्सव के इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया। नगर में जय जवान जय किसान सेवा समिति के तत्वावधान में गोंविंदाओं ने फ्रशोर मच गया शोर देखो आया माखन चोरफ्र और फ्रगोंविदा आला रे आला जरा मटकी संभाल ब्रजबालाफ्र सहित अन्य भगवान कृष्ण के मनमोहक गानों की धुन पर पिरामिड बनाकर मटकी को फोड़ा है।जय जवान जय किसान सेवा समिति ने नगर में मटकी फोड़ आयोजन की शुरुआत नगर के जय हिंद टॉकीज परिसर में बांधी मटकी से की।जहाँ लोग भी गोविंदाओं को मटकी फोड़ने से रोकने के लिए तैयार थे जिन्होंने रंग,पानी सहित अन्य माध्यमों से गोविंदाओं पर बोछार कर गोविंदाओं को रोकने का प्रयास किया लेकिन भगवान कृष्ण की भक्ति में मस्त गोविंदाओं ने पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ दी उधर मटकी फोड़ते ही सभी पुन- जश्न में डूब गए।

जगह जगह निभाई गई मटकी फोड़ परंपरा

जय जवान जय किसान सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि जिले में समिति के गोविंदाओं द्वारा करीब 35-40 वर्षो से भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर मटकी फोड़ने की परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है और इसी परंपरा को निभाते हुए आज नगर के नावेल्टी हाउस रोड, असाटी रोड, सराफा बाजार चौक, हनुमान चौक, हनुमान चौक से लेकर आंबेडकर चौक, आंबेडकर चौक से लेकर काली पुतली, नगर पालिका परिसर, काली पुतली चौक से लेकर महावीर चौक के अलावा अन्य स्थानों पर बांधी गई मटकी को फोड़ा है।इस दौरान पुलिस सुरक्षा बल भी तैनात रहा है।

घर घर विधि-विधान से की पूजा-अर्चना

उधर भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव पर लोगों ने घरों में विराजित की भगवान कृष्ण प्रतिमाओं की पूर्ण विधिविधान के साथ पूजा अर्चना की,वही घर घर धार्मिक अनुष्ठान कर भजन कीर्तन के साथ जगराता किया गया।जिसके अगले दिन शनिवार को स्थानीय देवी तालाब, मोती तालाब, बुढ़ी तालाब, वैनगंगा नदी सहित अन्य जलाशय स्थानों में प्रतिमा को लेकर गए जहाँ पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की है और अगले वर्ष भगवान कृष्ण के जल्द ही आने के साथ ही घर-परिवार के साथ ही पूरे जिले में सुख-शांति व समृद्धी की कामनाओ के साथ प्रतिमाओ का विसर्जन किया गया।

सुरक्षा व्यवस्था के दिखे पुख्ता इन्तेजाम

नगर में आयोजित इन कार्यक्रमो को लेकर नगर में पुलिस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था नजर आई।कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर नगर में जय जवान जय किसान सेवा समिति के द्वारा बांधी गई मटकियों को फोड़ा गया है, वहीं स्थानीय नदी व जलाशयों में भगवान कृष्ण की प्रतिमाओं को विसर्जत किया गया है। नगर में करीब 64-70 स्थानों पर मटकी फोड़ का भव्य आयोजन किया गया. इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मुस्तैद रही।

रास्ता रोककर मारपीट व गाली-गलौज का आरोप उपसरपंच सहित दो पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बीजाटोला में रास्ता रोककर गाली-गलौज, मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने ग्राम पंचायत परसवाड़ा के उपसरपंच भजन लाल उइके सहित दो लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम 3 सितम्बर की शाम करीब 5 बजे बीजाटोला निवासी फरियादी हरीश श्रीवास अपने पिकअप वाहन से चंदना रोड स्थित शिव मंदिर के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान ग्राम पंचायत परसवाड़ा के उपसरपंच भजन लाल उइके ने कथित रूप से अपने वाहन को पिकअप के सामने खड़ा कर रास्ता रोक दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रास्ता रोकने के बाद उसके साथ गाली-गलौज की गई और विवाद करते हुए मारपीट शुरू कर दी गई। शिकायत में बताया गया है कि इसी दौरान भजन लाल उइके का भांजा भाऊ भैया भी मौके पर पहुंच गया। फरियादी। हरीश श्रीवास के अनुसार दोनों ने उसके साथ कथित रूप से मारपीट और गाली-गलौज की। मारपीट में उसके हाथ में चोट आने की बात भी शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताई है। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों द्वारा बीच-बचाव कर मामला शांत कराने का उल्लेख भी शिकायत में किया गया है।

पुराने विवाद को घटना से जोड़ा

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि ग्राम पंचायत से संबंधित प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्य को लेकर पूर्व में उसके द्वारा संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत की गई थी। फरियादी ने आरोप लगाया कि इसी पुराने विवाद के चलते उसके साथ यह घटना हुई। उसने मामले में पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

घटना की सूचना 3 सितंबर की रात करीब 10-28 बजे पुलिस को मिली। शिकायत के आधार पर परसवाड़ा पुलिस ने उपसरपंच भजन लाल उइके सहित दो आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

केशव स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ज्ञान विकास समिति के सह-सचिव शौर्य रूसिया,अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे, प्राचार्य मयंक मिश्रा एवं सभी शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात अभिभावकों के द्वारा राधा-कृष्ण का पूजन किया गया।

विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य एवं भजनों की प्रस्तुतियाँ देकर कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कृष्ण-सुदामा मिलन नाटक रहा, जिसमें सच्ची मित्रता और प्रेम का सुंदर संदेश दिया गया। वहीं किंडरगार्डन के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी राधा-कृष्ण की वेशभूषा में अत्यंत मनमोहक दिखाई दिए और सभी का मन मोह लिया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय परिसर में दही-हांडी/मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया और पूरे विद्यालय परिसर में उमंग एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को प्रसादी का वितरण किया गया।

जहां से शुरू की पढ़ाई, वहीं लौटकर बच्चों को दिखाई मंजिल की राह

शिक्षक दिवस पर बिरसा के सुदूर गांवों में पहुंचे केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत पूर्व विद्यार्थी, बच्चों को बांटी पॉकेट डायरी और दिया सफलता का मंत्र

पद्मेश न्यूज। बिरसा। शिक्षक दिवस का अवसर बिरसा विकासखंड के सुदूर अंचल के बच्चों के लिए इस बार कुछ खास रहा। जिन गांवों की कठिन परिस्थितियों के बीच पढ़कर दो विद्यार्थी आज केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं, वे शिक्षक दिवस पर अपने ही क्षेत्र के बच्चों के बीच पहुंचे और उन्हें पढ़ाई, स्वच्छता, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के प्राचार्य सौरभ शर्मा के नेतृत्व में पूर्व विद्यार्थी

विनोद धुर्वे, निवासी अडोरी, जो वर्तमान में अमरकंटक स्थित जनजातीय केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं, तथा छात्रा सीमा परते, निवासी जल्दा, जो वर्तमान में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रही हैं, बीमारी से प्रभावित सुदूर क्षेत्रों के बच्चों के बीच पहुंचे। अडोरी, घुम्मुर, कुंडेकसा सहित अन्य ग्रामों के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों से मुलाकात कर इन पूर्व विद्यार्थियों ने उनके साथ संवाद किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि सीमित संसाधन मंजिल की राह में बाधा नहीं बनते, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संकल्प हो। अपने ही गांव और क्षेत्र से निकलकर केंद्रीय विश्वविद्यालय तक पहुंचे इन युवाओं की कहानी बच्चों के लिए किसी प्रेरणादायक पाठ से कम नहीं थी।

पॉकेट डायरी बनी बच्चों के लिए ज्ञान की नई साथी

इस अवसर पर बच्चों को पॉकेट डायरी भी वितरित की गई। लेखक करणपाल आर्य द्वारा तैयार इस डायरी में आठ अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के लिए खेल-खेल में सीखने, मनोरंजन और स्वच्छता संबंधी जानकारी दी गई है। जब बच्चों को ये पॉकेट डायरी मिली तो उनके चेहरों पर खुशी की चमक साफ दिखाई दी। बच्चों ने उत्सुकता के साथ डायरी को देखा और उसमें दी गई ज्ञानवर्धक सामग्री के बारे में जानकारी ली।

पूर्व विद्यार्थियों ने लिया संकल्प-अब दूसरों की राह करेंगे आसान

इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि विनोद धुर्वे और सीमा परते स्वयं इन्हीं क्षेत्रों के निवासी हैं और आज उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा किए और उन्हें शिक्षा को जीवन में आगे बढ़ने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बताया। शिक्षक दिवस के अवसर पर दोनों पूर्व विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में अपने आसपास के बच्चों को भी शिक्षा, करियर और आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र ने उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया, वहां के बच्चों को भी सपनों की उड़ान भरने के लिए प्रेरित करना उनकी जिम्मेदारी है। इस दौरान शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के प्राचार्य सौरभ शर्मा एवं बीआरसी नंद कुमार टेकाम सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। बिरसा के सुदूर गांवों में शिक्षक दिवस पर हुआ यह आयोजन केवल डायरी वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नई पीढ़ी और आगे बढ़ चुके विद्यार्थियों के बीच प्रेरणा का सेतु बन गया। गांव के बच्चों ने अपने ही बीच से निकले युवाओं को ऊंचाइयों पर पहुंचते देखा तो उनके मन में भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का विश्वास मजबूत हुआ।

आदिवासी अंचल में बच्चों की मौतों पर बवाल-जिम्मेदार कौन ?

31 बच्चों की मौत के दावे से मचा हड़कंप, सड़कों पर उतरा आदिवासी समाज

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। आदिवासी अंचल में बीमारी से बच्चों की लगातार हो रही मौतों का मामला अब जिले की सीमाओं से बाहर पहुंच गया है।जिसको लेकर बालाघाट नगर में आए दिनों आदिवासी समाज संगठन द्वारा धरना प्रदर्शन ज्ञापन का आयोजन कर प्रदर्शन हो रहा है तो वही मामले में इंसाफ ना मिलने का आरोप लगाते हुए स्थानीय जनों द्वारा घटना पर जमकर आक्रोश जताया जा रहा है किसी कड़ी में राष्टीय आदिवासी समन्वय समिति के बैनर तले देश के अलग-अलग आदिवासी क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने बालाघाट में प्रदर्शन कर शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया। शनिवार को संगठनों ने आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं की बदहाली को बच्चों की मौतों से जोड़ते हुए सरकार की व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने उमड़े समाजजन

जिले के बैगा एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय से जुड़े परिवारों में लगातार हो रही मौतों को लेकर अब मामला राष्टपति तक पहुंच गया है। ग्राम अडोरी, बैदारी, केड़ेकसा, कोरका एवं सोनवानी (मोहगांव) सहित बिरसा क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों से हुई। बच्चों की मौत और कान्हा-किसली राष्टीय उद्यान के समीप परसवाड़ा क्षेत्र के ग्राम परसपुर, शैला एवं मालखेड़ी में वन्यजीवों के हमले में तीन महिलाओं की मौत को गंभीर बताते हुए राष्टपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है।ज्ञापन में कहा गया है कि दोनों घटनाओं में प्रभावित परिवार विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय से संबंधित हैं। इन घटनाओं से न केवल मृतकों के परिवारों को अपूरणीय क्षति हुई है, बल्कि क्षेत्र के लोगों में स्वास्थ्य व्यवस्था, सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न हुई है।

खनिज से करोड़ों की कमाई, फिर भी गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

आदिवासी प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर खनिज संपदा निकाली जा रही है, लेकिन इसका लाभ स्थानीय लोगों तक नहीं पहुंच रहा। उनका कहना था कि खनिज से मिलने वाले सीएसआर मद का प्रभावी उपयोग आदिवासी क्षेत्रों के विकास में किया जाता तो आज इन क्षेत्रों की तस्वीर अलग होती।आदिवासी विकास के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

गजेंद्र की मौत के बाद 31 बच्चों का दावा

शुक्रवार को बैगा आदिवासी ग्राम अतरिया आरामटोला निवासी साढ़े 10 वर्षीय गजेंद्र मरकाम की मौत हो गई। आदिवासी संगठनों का दावा है कि गजेंद्र की मौत को मिलाकर बीमारी के कारण अब तक 31 आदिवासी बच्चों की असमय मौत हो चुकी है। हालांकि, मौतों के इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि और कारणों को लेकर जांच का विषय बना हुआ है।

हर मृत बच्चे के परिवार को 50 लाख देने की मांग

ज्ञापन में मांग की गई है कि संक्रामक बीमारियों से मृत 29 बच्चों के प्रत्येक परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता/मुआवजा प्रदान किया जाए। इसी तरह वन्यजीवों के हमले में मृत तीन महिलाओं के आश्रित परिवारों को भी 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग रखी गई है।

सीबीआई जांच की मांग

ज्ञापन में दोनों घटनाओं की परिस्थितियों, प्रशासनिक लापरवाही, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की केंद्रीय जांच ब्यूरो से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। जांच में यदि किसी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की लापरवाही अथवा दोष सिद्ध होता है तो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की गई है।

प्रभावित गांवों में तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

ज्ञापन में संक्रामक बीमारियों से बच्चों की मौत के कारणों की विशेषज्ञ चिकित्सकीय जांच कराने तथा प्रभावित गांवों में तत्काल स्वास्थ्य शिविर, पर्याप्त दवाएं, चिकित्सकीय दल, स्वच्छ पेयजल एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है।वहीं कान्हा-किसली राष्टीय उद्यान से लगे बैगा बाहुल्य गांवों में मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था, वन विभाग की नियमित गश्त, चेतावनी प्रणाली और ग्रामीणों की सुरक्षा के स्थायी उपाय किए जाने की मांग भी उठाई गई है।

पुनर्वास और बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष पैकेज

ज्ञापन में दोनों घटनाओं से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, आजीविका और बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष पैकेज देने की मांग की गई है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने और उसके क्रियान्वयन की उच्चस्तरीय निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की गई है।ज्ञापन में राष्टपति से आग्रह किया गया है कि बैगा समुदाय के साथ हुई इन घटनाओं को मानवीय एवं संवेदनशील दृष्टिकोण से लेते हुए पीडति परिवारों को न्याय, पर्याप्त आर्थिक सहायता और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएं।

अब न्यायिक स्तर पर भी पहुंचा मामला

बच्चों की मौत का मामला अब आंदोलन तक सीमित नहीं रहा। यह मामला हाईकोर्ट जबलपुर तक पहुंचने की बात सामने आई है। वहीं सीजेपी के अभिजीत दीपके ने बालाघाट में आंदोलन के दौरान दूरभाष पर ललित से चर्चा कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। मामले के न्यायिक स्तर पर पहुंचने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर निगाहें टिक गई हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मै आशीष बड़ीपात्रे पिता स्व. उदयराज बड़ीपात्रे वार्ड न. 16, ग्राम नांदी तहसील तिरोड़ी जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हूॅ।

मै आर्मी से सेवानिवृत्त सिपाही,लांस नायक नं. 15158833w है। यह कि मेरी पुत्री का नाम मेरे सर्विस रिकार्ड में पूर्वा(PURVA) दर्ज है जो कि गलत है जबकि उसका पूरा व सही नाम पूर्वा बड़ीपात्रे पिता श्री आशीष बड़ीपात्रे है जो कि उसके आधार कार्ड,जन्म प्रमाण पत्र, परिवार समग्र आईडी एवं कक्षा तीसरी के अंकसूची में पूर्वा बड़ीपात्रे (PURVA BADIPATRE) दर्ज है।

अत: सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्री को उसके सही नाम पूर्वा बड़ीपात्रे (PURVA BADIPATRE) के नाम से ही जाना व पहचाना जावें एवं उसके समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों एवं मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में भी उसका नाम पूर्वा बड़ीपात्रे (PURVA BADIPA-TRE) एवं जन्मतिथि 15/02/2017 दर्ज किया जावें।

आशीष बड़ीपात्रे
सेवानिवृत्त लांस नायक आर्मी
न. 15158833w
ग्राम नांदी तहसील तिरोड़ी
जिला बालाघाट(म.प्र)

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आजादी के 80 बरस बाद भी अंधेरे में कट रही जिंदगी

12 साल से बिजली का इंतजार, ग्राम पंचायत बिठली के ग्राम दुगलई का मामला, पोल खड़े, तार गायब, टॉर्च की रोशनी बनी ग्रामीणों का सहारा

पदमेश न्यूज़ । बालाघाट। आजादी के 80 बरस बाद भी बालाघाट जिले के आदिवासी अंचलों में रहने वाले ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विकास के तमाम दावों के बीच बैहर क्षेत्र का एक गांव ऐसा भी है, जहां पिछले 12 वर्षों से बिजली नहीं पहुंची है। गांव में बिजली के पोल तो खड़े हैं, लेकिन घरों तक करंट नहीं पहुंच रहा। शाम ढलते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है और ग्रामीणों के लिए टॉर्च ही रोशनी का एकमात्र सहारा बन जाती है।यह मामला ग्राम पंचायत बिठली के अंतर्गत आने वाले दुगलई गांव का है। पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच बसे इस गांव के ग्रामीण लंबे समय से बिजली व्यवस्था बहाल होने की राह देख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को शिकायत और आवेदन दिए गए, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। अब हालात यह हैं कि बिजली के पोल कहीं झुके हुए हैं तो कहीं तार टूटे पड़े हैं।

एक नजर में दुगलई की समस्या

12 साल से गांव में बिजली गुल
34 मकान, करीब 450 की आबादी
17 किलोमीटर दूर है ग्राम पंचायत बिठली
पोल लगे, लेकिन घरों तक करंट नहीं
बिजली के तार दो बार चोरी होने का विभाग का दावा
टॉर्च की रोशनी में गुजरती है रात
मोबाइल-टॉर्च चार्ज कराने दूसरे गांव जाना पड़ता है
बारिश में बढ़ जाती है ग्रामीणों की परेशानी
जंगल में वन्यजीव और जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा
कई परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित
वनोपज संग्रहण पर निर्भर है ग्रामीणों की आजीविका
कई शिकायतों के बाद भी नहीं हुआ स्थायी समाधान

सवाल जो व्यवस्था से है

आजादी के 80 साल बाद भी क्या किसी गांव के ग्रामीणों को रोशनी के लिए टॉर्च पर निर्भर रहना पड़ेगा?

पंचायत से 17 किलोमीटर दूर, जंगल के बीच बसा गांव

दुगलई गांव ग्राम पंचायत बिठली से करीब 17 किलोमीटर दूर घने जंगल और पहाड़ियों के बीच बसा है। पंचायत तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। जंगल और रास्ते की कठिन परिस्थितियों के कारण देर शाम से पहले ही वापस लौटना ग्रामीणों की मजबूरी बन जाता है।उधर दुगलई के ग्रामीणों को अब आश्वासन नहीं, बिजली की स्थायी व्यवस्था का इंतजार है। विभाग ने तार चोरी होने की बात कही है और दोबारा तार लगाने के लिए स्टीमेट तैयार होने का दावा किया है। अब देखना यह है कि 12 साल का अंधेरा आखिर कब खत्म होता है।

12 साल से अंधेरे में गांव

दुगलई में करीब 34 मकान और लगभग 450 की आबादी बताई जा रही है। गांव में बिजली के खंभे लगाए गए थे, लेकिन लंबे समय से विद्युत आपूर्ति बंद है। ग्रामीणों के मुताबिक पिछले 12 वर्षों में कई बार जिम्मेदारों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया गया, मगर व्यवस्था जस की तस बनी हुई है।

टॉर्च की रोशनी बनी जिंदगी का सहारा

बिजली नहीं होने के कारण शाम होते ही ग्रामीण अपने घरों में सिमटने को मजबूर हो जाते हैं। घरेलू कामकाज से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक टॉर्च की रोशनी में करनी पड़ती है। जंगल क्षेत्र होने के कारण रात में जहरीले जीव-जंतुओं और वन्यजीवों का खतरा भी बना रहता है।

अंधेरा ही नहीं, आवास का भी संकट

दूरस्थ वनांचल में बसे इस गांव के कई परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिल पाया है। ग्रामीण आज भी झोपड़ियों में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। रोजगार और आजीविका के लिए अधिकांश ग्रामीण जंगल से मिलने वाली वनोपज पर निर्भर हैं।

मोबाइल-टॉर्च चार्ज कराने दूसरे गांव जाना मजबूरी- ज्ञानसिंह

ग्रामीण ज्ञानसिंह ने बताया कि बिजली नहीं होने के कारण मोबाइल और टॉर्च चार्ज कराने के लिए रोजाना दूसरे गांव जाना पड़ता है। दिन में किसी तरह चार्जिंग कराने के बाद रात में उसी टॉर्च की रोशनी से घर का काम चलता है। सबसे ज्यादा परेशानी बारिश के दिनों में होती है, जब दूसरे गांव तक जाना भी मुश्किल हो जाता है।हम 12 साल से बिजली का इंतजार कर रहे हैं।

शिकायतों पर भी नहीं होती कार्यवाही- रूपलाल

पूर्व सरपंच रूपलाल मेरावी ने बताया कि दुगलई गांव में बिजली की समस्या को लेकर कई बार अधिकारी-कर्मचारियों से शिकायत की गई। इसके बावजूद विभाग ने ध्यान नहीं दिया। करीब 12 साल से गांव में बिजली गुल है और ग्रामीण टॉर्च की रोशनी में अपना काम चलाने को मजबूर हैं।

बिजली के खंभे लगे, तार दो बार चोरी-उइके

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जेई विद्युत विभाग वीरेन्द्र सिंह उईके ने बताया कि दुगलई जंगल के अंदर बसा गांव है। यहां लगे खंभों के विद्युत तार दो बार चोरी हो चुके हैं। दोबारा तार लगाने के लिए स्टीमेट तैयार किया गया है। अधिकारियों के निर्देशन में जल्द ही तार लगाने का काम किया जाएगा।

शीघ्र बहाल कराएंगे बिजली- एसडीएम

मामले को लेकर नवागत एसडीएम अनीकेत शांडिल्य ने दूरभाष पर बताया कि उन्हें इस समस्या की जानकारी दी गई है। वे तत्काल संबंधित विभाग से संपर्क कर शीघ्र बिजली व्यवस्था बहाल कराने की कार्रवाई करेंगे।

नगर पालिका के फिल्टर प्लांट के दो ट्रांसफार्मर हुये बंद, जलप्रदाय व्यवस्था हुई बेपटरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में पिछले कुछ दिनों से पेयजल व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। नगरपालिका के फिल्टर प्लांट में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी तकनीकी समस्या के कारण दो ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। इसके चलते फिल्टर प्लांट को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है और इसका सीधा असर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पर पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि बीते दिनों तेज बारिश के दौरान शॉर्ट सर्किट के कारण फिल्टर प्लांट में लगे दो सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर और एक मोटर खराब हो गई थी। तकनीकी खराबी के बाद से नगरपालिका को जलप्रदाय व्यवस्था सामान्य रखने में परेशानी आ रही है। करीब एक पखवाड़े से अधिक समय बीत जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर की समस्या पूरी तरह दूर नहीं होने से नागरिकों की परेशानी बढ़ गई है।

शहर के कुछ वार्डों में इसका असर भी दिखाई दे रहा है, जहां लोगों को नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति नहीं मिल पा रही है। दो वक्त मिलने वाली पानी की व्यवस्था प्रभावित होने के कारण कई परिवारों को घरेलू जरूरतों के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने पड़ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए इतने लंबे समय तक इंतजार करना नगरपालिका की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जलप्रदाय व्यवस्था में लगातार आ रही परेशानी को लेकर अब नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर विपक्ष भी सवाल उठा रहा है। विपक्ष का कहना है कि जब अधिकारियों को कई दिनों से फिल्टर प्लांट के ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी थी तो इसे नगरपालिका परिषद की बैठक में प्रमुखता से रखा जाना चाहिए था। साथ ही शहरवासियों को मुनादी अथवा अन्य माध्यम से जलापूर्ति प्रभावित होने की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए थी। विपक्ष का कहना है कि नागरिकों को यह पता होना चाहिए कि पानी की सप्लाई क्यों प्रभावित है और उसे सामान्य होने में कितना समय लगेगा। यदि तकनीकी खराबी के कारण जलप्रदाय में कटौती हो रही थी तो नगरपालिका को समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। लंबे समय तक समस्या बने रहने के बावजूद पर्याप्त सार्वजनिक सूचना नहीं दिए जाने से नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है। नगरपालिका में जलप्रदाय प्रभारी भूमेश्वर शिव ने बताया कि करीब एक पखवाड़े पहले तेज बारिश के कारण फिल्टर प्लांट में लगे दो सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर और एक मोटर जल गई थी। इसके चलते फिल्टर प्लांट की विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई और जलप्रदाय में भी परेशानी आई। उन्होंने बताया कि मोटर की मरम्मत कराकर उसे वापस लाया जा चुका है। भूमेश्वर शिव के अनुसार ट्रांसफार्मर भी सुधार के लिए भेजे गए हैं और एक-दो दिन में उनके वापस आने की उम्मीद है। ट्रांसफार्मर उपलब्ध होते ही फिल्टर प्लांट को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति मिलने लगेगी और जलप्रदाय व्यवस्था को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा सकेगा। नगरपालिका का दावा है कि इसके बाद शहर में पेयजल आपूर्ति पहले की तरह सुचारू हो जाएगी। हालांकि नगरपालिका की ओर से जल्द व्यवस्था सामान्य होने की बात कही जा रही है, लेकिन नागरिकों के सामने सवाल यह है कि आखिर एक तकनीकी खराबी को दूर करने में 20-22 दिन क्यों लग गए। पेयजल किसी भी शहर की सबसे बुनियादी आवश्यकता है और ऐसी स्थिति में वैकल्पिक विद्युत एवं जलप्रदाय व्यवस्था पहले से तैयार रहना जरूरी है। लंबे समय से जारी समस्या ने नगरपालिका की आपात व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं नगरपालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि ट्रांसफार्मर को टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुधार के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर के वापस आते ही पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बहाल कर दिया जाएगा। नगरपालिका स्तर पर तकनीकी समस्या के समाधान की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही शहरवासियों को पर्याप्त जलापूर्ति मिलने की उम्मीद है। फिलहाल शहरवासियों की नजर नगरपालिका के इस दावे पर टिकी है कि ट्रांसफार्मर एक-दो दिन में वापस आ जाएंगे। यदि ट्रांसफार्मर समय पर उपलब्ध हो जाते हैं तो जलप्रदाय व्यवस्था को तत्काल पटरी पर लाना नगरपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। दूसरी ओर यदि मरम्मत में और देरी हुई तो शहर में पेयजल संकट और गहरा सकता है। एक तरफ नगरपालिका तकनीकी खराबी और मरम्मत प्रक्रिया का हवाला दे रही है, तो दूसरी तरफ विपक्ष इस पूरी व्यवस्था को लेकर जवाब मांग रहा है। नागरिकों का भी यही सवाल है कि यदि खराबी अचानक आई थी तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई और यदि समस्या पिछले कई दिनों से बनी हुई थी तो इसकी सार्वजनिक जानकारी समय पर क्यों नहीं दी गई।

तकनीकी समस्या के समाधान की प्रक्रिया चल रही है - सूर्यप्रकाश

नगरपालिका के प्रभारी सीएमओ सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि फिल्टर प्लांट में खराब हुए ट्रांसफार्मर को टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुधार के लिए भेजा गया है। ट्रांसफार्मर के वापस आते ही पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगरपालिका तकनीकी समस्या के समाधान की प्रक्रिया में जुटी है और जल्द ही शहरवासियों को पर्याप्त जलापूर्ति मिलने लगेगी।

वर्षों की सेवा के बाद फिर क्यों साबित करें योग्यता

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने टीईटी की अनिवार्यता पर जताई नाराजगी, 2009 से पहले नियुक्त शिक्षकों को परीक्षा से मुक्त करने विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 5 सितंबर को पूरे देश में पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाई गई। जिले सहित ग्रामीण अंचलों के स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी गुरुजनों के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान, शिक्षा एवं संस्कारों को याद किया। शिक्षक दिवस के अवसर पर जहां शिक्षकों के सम्मान में स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित होते रहे, वहीं दूसरी ओर कुछ शिक्षक संगठनों और शिक्षकों ने हाथों तथा माथे पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। सम्मान के इस दिन काली पट्टी का विरोध शिक्षकों के भीतर चल रही नाराजगी का प्रतीक बनकर सामने आया। शिक्षकों का कहना है कि वे शिक्षक दिवस मनाने के साथ-साथ अपनी वर्षों पुरानी सेवा और अधिकारों के सम्मान की मांग भी उठा रहे हैं।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के पदाधिकारी आशीष बिसेन ने कहा कि 5 सितंबर शिक्षकों के लिए सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव का दिन है, लेकिन आज इसी दिन उन्हें विरोध दर्ज कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों ने अपने सेवाकाल में विभाग को वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं, आज उन्हीं की योग्यता और दक्षता पर दोबारा परीक्षा के माध्यम से सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इसी के विरोध में शिक्षक दिवस पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया गया। शिक्षकों का विरोध शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी की अनिवार्यता को लेकर है। उनका कहना है कि जिस शिक्षक ने वर्षों तक कक्षाओं में पढ़ाकर विद्यार्थियों का भविष्य संवारा, उसकी योग्यता को केवल एक परीक्षा के आधार पर दोबारा परखना उचित नहीं है। शिक्षकों के मुताबिक यह मामला सिर्फ परीक्षा देने या नहीं देने का नहीं, बल्कि उनके वर्षों के अनुभव, सेवा और आत्मसम्मान की मान्यता का सवाल है। आशीष बिसेन ने कहा कि एक तरफ शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा जाता है और दूसरी तरफ उसी शिक्षक को अपनी योग्यता साबित करने के लिए पात्रता परीक्षा की कसौटी पर खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन शिक्षकों ने लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा देकर उनके भविष्य की नींव मजबूत की, आज उन्हीं शिक्षकों को अपनी नौकरी और अस्तित्व की सुरक्षा के लिए फिर परीक्षा देने की स्थिति में क्यों लाया जा रहा है। शिक्षकों ने कहा कि उन्हें परीक्षा से विरोध नहीं है, बल्कि वर्षों की सेवा और अनुभव की अनदेखी से आपत्ति है। उनका कहना है कि शिक्षक ने अपने पूरे सेवाकाल में लगातार अपनी कार्यक्षमता साबित की है और उसके पढ़ाए विद्यार्थियों की उपलब्धियां ही उसकी योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। ऐसे में वर्षों की सेवा के बाद फिर से पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर सरकार को संवेदनशीलता से विचार करना चाहिए। शिक्षक दिवस पर हाथों और माथे पर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने अपने-अपने स्कूलों में विरोध दर्ज कराया। कुछ शिक्षकों ने इसे शांतिपूर्ण विरोध का माध्यम बताते हुए सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि शिक्षक दिवस केवल सम्मान का दिन नहीं होना चाहिए, बल्कि इस दिन शिक्षकों की वास्तविक समस्याओं और मांगों पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने मध्यप्रदेश सरकार से मांग की है कि इस मामले में तत्काल प्रभावी कदम उठाया जाए। संघ के अनुसार सरकार विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर 2009 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की पहल करे। इसके बाद प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजकर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जाए। शिक्षकों ने तमिलनाडु सरकार की तर्ज पर विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए जाने की मांग रखी है। उनका कहना है कि 2009 से पहले नियुक्त शिक्षकों की नियुक्ति उस समय लागू नियमों के तहत हुई थी और उन्होंने वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं। ऐसे शिक्षकों को बाद में लागू प्रावधानों के आधार पर फिर पात्रता परीक्षा देने के लिए बाध्य करना उनके अनुभव और सेवाकाल की अनदेखी है। संघ ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम और न्यायालय से जुड़े वर्तमान प्रावधानों में आवश्यक संशोधन की मांग भी उठाई है। शिक्षकों का कहना है कि सरकार को इस संबंध में विधेयक लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर अध्यादेश जारी कर 2009 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने का रास्ता निकाला जाना चाहिए। आशीष बिसेन ने कहा कि बार-बार शिक्षकों की योग्यता और क्षमता को परीक्षा के माध्यम से परखना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षक वर्षों से अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विद्यार्थियों को योग्य और सक्षम बनाने का काम कर रहे हैं। यदि सरकार वास्तव में शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता मानती है तो उनके अनुभव और सेवाकाल को भी उसी सम्मान के साथ मान्यता दी जानी चाहिए। शिक्षकों का कहना है कि शिक्षक का सम्मान केवल शिक्षक दिवस पर फूल-माला, शाल-श्रीफल और सम्मान समारोह आयोजित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। वास्तविक सम्मान तब होगा जब उनके अधिकारों, अनुभव और आत्मसम्मान की रक्षा की जाएगी। उनका कहना है कि जिस शिक्षक ने पीढ़ियां तैयार की हैं, उसकी योग्यता पर बार-बार सवाल खड़े करना शिक्षकों के मनोबल को प्रभावित करता है। इस पूरे विरोध के बीच शिक्षक दिवस पर एक अलग तस्वीर भी सामने आई। एक ओर स्कूलों में विद्यार्थी अपने गुरुजनों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेते रहे, वहीं दूसरी ओर उन्हीं गुरुजनों के हाथों और माथे पर काली पट्टी बंधी रही। यह काली पट्टी शिक्षकों की उस नाराजगी का प्रतीक बनी, जिसमें वे अपनी वर्षों की सेवा को मान्यता देने की मांग कर रहे हैं। शिक्षकों ने सरकार को संदेश देते हुए कहा कि वे परीक्षा व्यवस्था के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव को नजरअंदाज कर उन्हें बार-बार योग्यता साबित करने के लिए बाध्य करना उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस विषय को गंभीरता से लेते हुए ऐसा समाधान निकाले, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ शिक्षकों के सम्मान और सेवाकाल की गरिमा भी सुरक्षित रहे।

मजदूरी करने हैदराबाद गया पति, रहस्यमय ढंग से लापता हुई पत्नी

घर में ताला लगाकर बिना बताए चली गई, तलाश के बाद भी नहीं मिला सुराग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बगड़मारा से एक महिला के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। महिला का पति मजदूरी करने के लिए करीमनगर हैदराबाद गया था। इसी दौरान महिला घर में ताला लगाकर कहीं चली गई और वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा आसपास के गांवों, रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर तलाश करने के बाद भी लापता महिला सागन बाई पति होसलाल पांचे 43 वर्षका कोई सुराग नहीं मिला। पति की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ महिला का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर कहीं छिपाकर रखने की आशंका में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बगड़मारा निवासी होसलाल पांचे राजमिस्त्री का काम करता है। वह अपने माता पिता और बड़े भाई से अलग अपनी पत्नी सागन पांचे के साथ रहता है। दंपती की कोई संतान नहीं है।बताया गया कि 15 अगस्त को होसलाल गांव के अन्य लोगों के साथ राजमिस्त्री का काम करने के लिए करीमनगर हैदराबाद चला गया था। उसके बाहर जाने के बाद उसकी पत्नी सागन बाई घर में अकेली थी। होसलाल के जाने के करीब एक सप्ताह बाद सागन बाई घर में ताला लगाकर बिना अपने सास-ससुर को बताए कहीं चली गई। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी।31 अगस्त को होसलाल के पिता जंगलू पांचे ने फोन कर उसे बताया कि करीब एक सप्ताह से घर में ताला लगा हुआ है और बहु सागन बाई दिखाई नहीं दे रही है। सूचना मिलने के बाद होसलाल 1 सितंबर को करीमनगर हैदराबाद से अपने गांव बगड़मारा पहुंचा। घर पहुंचने पर उसने देखा कि मकान में ताला लगा हुआ था और उसकी पत्नी वहां मौजूद नहीं थी।इसके बाद होसलाल और उसके परिजनों ने आसपास के गांवों, रिश्तेदारों तथा संभावित स्थानों पर सागन बाई की तलाश की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। काफी तलाश के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सागन बाई का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर कहीं छिपाकर रखा गया है।होसलाल पांचे की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा महिला के संबंध में संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने थाना क्षेत्र सहित जिलेवासियों से भी महिला की तलाश में सहयोग की अपेक्षा की है।

भक्तिभाव के साथ भगवान श्रीकृष्ण प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

हाथी घोड़ा पालकी...जय कन्हैया लाल की... जयकारों से गूंजा क्षेत्र

क्षेत्रभर में आस्थापूर्वक एवं धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

'हाथी घोड़ा पालकी......जय कन्हैया लाल की'- भगवान श्री कृष्ण के जयकारों के साथ नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 5 सितंबर को हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धार्मिक आस्था एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों के द्वारा नगर मुख्यालय से मूर्ति ले जाकर 4 सितंबर को अपने-अपने घरों में विधि-विधान से प्रतिमा विराजित कर नंदलाला को हल्दी, घी, कपूर, दही, बेलपत्ती, केसर, जल सहित अन्य सामग्री का चढ़ावा चढ़ाकर पूजन अर्चन किया गया। जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को आनंदमयी वातावरण में मनाने हेतु विविध आयोजन किये गये और मध्यरात्रि को 12 बजे मुरली मनोहर को दूध का अर्ध्य देकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर्व धार्मिक आस्थापूर्वक मनाया गया तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। वहीं 5 सितंबर को नंदलाला की पूजा अर्चना कर पूरे क्षेत्र में आस्थापूर्वक स्थानीय नदी, नहरों व तालाबों में प्रतिमा विसर्जित कर पर्व का समापन किया गया। इसी तरह नगर मुख्यालय स्थित पांढरवानी गार्डन के

विसर्जन घाट, वैनगंगा बड़ी नहर, सर्राटी नदी में बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन हाथी घोड़ा पालकी....जय कन्हैया लाल की सहित अन्य जयकारे लगाते हुए भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा को लेकर पहुंचे जहां पूजा अर्चन एवं आरती कर प्रतिमा विसर्जित कर प्रसादी का वितरण किया गया। आपकों बता दें कि इस पर्व को मनाने हेतु गत एक सप्ताह से हिन्दु धर्मालंबियों ने तैयारी प्रारंभ कर दी थी क्योंकि यह पर्व एक रात-दिन का होता है जिसमें गृहणी महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर गोकुल के नंदलाल को चढ़ाकर प्रसादी के रूप में ग्रहण किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के प्रतिमा विसर्जन के दौरान पांढरवानी विसर्जन घाट, सर्राटी नदी, वैनगंगा बड़ी नहर अमोली, पनबिहरी में भक्तजनों की भीड़ रही। इस दौरान उपस्थितजनों ने एक-दुसरे को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी और प्रतिमा विसर्जन का दौर देरशाम तक जारी रहा। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा गार्डन स्थित विसर्जन घाट साफ-सफाई एवं प्रकाश की व्यवस्था की गई और भक्तिभाव के साथ श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति विसर्जित की गई। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

पनबिहरी एवं अमोली में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी एवं अमोली में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 4 सितंबर को देरशाम भक्तजनों ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा की स्थापना कर पूजा अर्चना की एवं 5 सितंबर को शाम 5.30 बजे शोभायात्रा निकालकर विसर्जन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पनबिहरी से बैडबाजे के साथ भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा पुरे नगर मुख्यालय के चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए ग्राम के समीप से गुजरी तहसील मार्ग के आगे सर्राटी नही पहुंचे जहां प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इसी तरह ग्राम अमोली में शाम 6 बजे ग्राम स्थित बजरंग मंदिर चौक में ग्रामीणजन अपने-अपने घरों की प्रतिमा को लेकर एकत्रित हुए जिसके बाद बैडबाजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। जो ग्राम स्थित सर्राटी नदी पहुंची जहां भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना के पश्चात आरती कर प्रतिमा को विसर्जित किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

सेवानिवृत्त शिक्षक एवं स्कूल के गुरूजनों का किया गया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में देश के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सेवानिवृत्त शिक्षक केशवप्रसाद बिसेन, कोमलप्रसाद पंचेश्वर के मुख्य आतिथ्य एवं उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के द्वारा मॉ सरस्वती एवं डॉ. राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर शाला परिवार की ओर से सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल व श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। जिसके

बाद विद्यार्थियों के द्वारा क्रम से समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का तिलकवंदन कर रूमाल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। साथ ही शिक्षक दिवस के अवसर पर गीत, भाषण, नृत्य व नाटक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को अपने गुरूजनों के मार्गदर्शन में चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि एक लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत व लगन के साथ पढ़ाई कर भविष्य संवारने की बात कही। चर्चा में शास. उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सनत दुबे ने बताया ने 5 सितंबर को देश के प्रथम उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन कर जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान करने के बाद विद्यार्थियों के द्वारा स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी सम्मान किया गया एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन देकर अच्छी पढ़ाई करने प्रेरित किया है। श्री दुबे ने बताया कि गुरूओं का सर्वोच्च स्थान है और गुरू के बिना किसी भी प्रकार की शिक्षा ग्रहण नही की जा सकती है इसलिए विद्यार्थी गुरूओं का सम्मान कर अनुशासन में रहकर शिक्षा अध्ययन कर अपने विद्यालय व माता-पिता का नाम रौशन करें। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दो दिनों से लापता वृध्द का कुएं में मिला शव

ग्राम बबरियाटोला की घटना, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बबरिया के बबरियाटोला में शनिवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया। जब दो दिनों से लापता 60 वर्षीय मूलचंद पटले का शव गांव के ही एक कुएं से बरामद हुआ। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं सूचना पर पहुंची लालबर्रा पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू

कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बबरियाटोला निवासी 60 वर्षीय मूलचंद पटले खेती-किसानी के साथ मजदूरी का कार्य करता था। वे गुरूवार शाम बिना बताये घर से कहीं चले गये थे। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद शुक्रवार शाम परिजनों ने लालबर्रा थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

पानी में उतराता मिला शव

शनिवार सुबह गांव के तेजराम झलपे के मकान के पीछे स्थित कुएं में एक ग्रामीण को एक व्यक्ति का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। वहीं थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाले जिसके बाद ग्रामीणजन व परिजनों ने मृतक की शिनाख्त मूलचंद पटले के रूप में की। जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आये जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। बताया जा रहा है कि मृतक कुछ दिनों से मानसिक तनाव में रहता था और पहले भी कई बार तीन-चार दिनों तक बिना बताये घर से बाहर रहता था। गुरूवार की शाम में वह घर से निकला था। आशंका जताई जा रही है कि मार्ग से गुजरते समय वह तेजलाल के मकान के पीछे स्थित कुएं की ओर अंधेरे में चले गया होगा और पैर फिसलने या अनियंत्रित होने से वह कुएं के अंदर गिर गया होगा और पानी में डुबे रहने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मौत के सही कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

योजना का दिलवाया जायेगा लाभ - मोहन

दूरभाष पर बबरिया सरपंच मोहनलाल गौतम ने बताया कि बबरियाटोला निवासी मूलचंद पटले दो दिनों से लापता था, जिसका शव शनिवार की सुबह तेजराम झलपे के मकान के पीछे स्थित कुएं से बरामद किया गया है, वह कुएं की ओर कैसे पहुंचा कोई जानकारी नही है, पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। श्री गौतम ने बताया कि मृतक परिवार का मुखिया था, मृतक के परिजनों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।

शिक्षक दिवस पर दिखा शिक्षकों का आक्रोश

हाथों में काली पट्टी बांधकर जताया विरोध, टीईटी परीक्षा रद्द करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों स्थित शासकीय/अशासकीय विद्यालयों में 5 सितंबर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस 'शिक्षक दिवस' के रूप में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों ने अपने गुरूजनों का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हालांकि इस उत्सव के बीच शासकीय स्कूलों के शिक्षकों का आक्रोश भी खुलकर सामने आया। एक तरफ जहां छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर शासकीय विद्यालयों के शिक्षकों ने राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर ड्यूटी की और शिक्षक दिवस मनाया। शिक्षकों का यह विरोध राज्य सरकार द्वारा उनके लिए अनिवार्य की गई शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के निर्णय को लेकर था। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा सहित अन्य स्कूलों के शिक्षकों ने शिक्षक दिवस का विरोध करते हुए हाथ में काली पट्टी बांधकर सरकार से पात्रता परीक्षा को रद्द करने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि वे वर्षों से अपनी सेवाएं पूरी निष्ठा के साथ दे रहे हैं। ऐसे में अब उन पर टीईटी परीक्षा थोपना उनके अनुभवों और सेवाओं का अनादर है। विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने सरकार से मांग की कि शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाये। ताकि वे बिना किसी मानसिक दबाव में शिक्षा अध्यापन कार्य सुचारू रूप से कर सकें। वहीं विद्यार्थियों ने विरोध के बावजूद स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मान समारोह के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं और अपने प्रिय शिक्षकों को उपहार व सम्मान पत्र सौंपकर उनका आभार व्यक्त किया। शिक्षकों ने भी बचचों को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। चर्चा में म.प्र. शिक्षक संघ लालबर्रा अध्यक्ष ललित ब्रम्हे ने बताया कि प्रदेश सरकार के द्वारा वर्ष 1998 से 2009 के बीच जिन शिक्षकों की नियुक्ति शासकीय स्कूलों में हुई है उनकी पात्रता परीक्षा ले रही है जो गलत। जबकि पूर्व के शासन के नियमानुसार हमारी नियुक्ति हुई है और हम लोग विगत 25 से 30 वर्ष से बच्चों को पढाने के साथ ही शासन के अन्य कार्य कर रहे है। श्री ब्रम्हे ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर हाथ में काली पट्टी बांधकर टीईटी परीक्षा का विरोध करते हुए सरकार से पात्रता परीक्षा रद्द करने की मांग की है।

शिक्षक दिवस पर गढ़वाल समाज लालबर्रा की अनूठी पहल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर गढ़वाल समाज लालबर्रा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल की गई। गढ़वाल समाज लालबर्रा के प्रतिनिधियों ने 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज एवं अन्य समाज के वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के निज निवास (घर) पहुंचकर उनका तिलकवंदन करने के बाद उनका शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया और आशीर्वाद प्राप्त किये। इस दौरान गढ़वाल समाज लालबर्रा के पदाधिकारियों ने शिक्षिका श्रीमती पुष्पलता महोबिया, केसरी परिमल, इंद्रकुमार बहिरे एवं अन्य समाज के वरिष्ठ, सेवानिवृत्त शिक्षक वाई. आर. चौधरी, श्रीमती सुलभा चौधरी का शिक्षक दिवस पर सम्मान किया है। इस तरह से गढ़वाल समाज ने न केवल अपने स्वजातीय शिक्षकों का आदर-सत्कार किया, बल्कि अन्य समाज के उत्कृष्ट गुरूजनों के घर पहुंचकर भी उन्हें सम्मानित किया। समाज की इस पहल ने क्षेत्र में सामाजिक समरसता और गुरूजनों के प्रति सम्मान, श्रध्दा की एक अनूठी मिसाल पेश की है। गढ़वाल समाज के पदाधिकारियों ने सभी सम्मानित शिक्षकों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सु:खद जीवन की कामना की। वहीं शिक्षकों ने भी गढ़वाल समाज के इस आत्मीय सम्मान हेतु आभार व्यक्त किया। गढ़वाल समाज लालबर्रा अध्यक्ष लिखीराम हरिन्द्रवार ने बताया कि 5 सितंबर को देश के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गढवाल समाज लालबर्रा के द्वारा समाज सहित अन्य समाज के सेवानिवृत्त एवं वरिष्ठ शिक्षकों के निवास स्थान पहुंचकर उनका शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया है और उनके दीर्घायु की कामना कीहै। इसी तरह अन्य कार्य भी आगामी समय में किये जायेगें। इस अवसर पर गढ़वाल समाज लालबर्रा अध्यक्ष लिखिराम हरिंद्रवार, कपिल हरिद्वाज, शीतलप्रसाद हरिद्वाज, ईश्वरी गोयल, ओंकार सिलेकर, डी.पी. सिलेकर, पप्पू नागेश्वर एवं आकाश नागेश्वर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भावांतर योजना के भंवर को तोड़ने किसानों ने कसी कमर

किसान गर्जना संगठन ने प्रेसवार्ता में उठाई किसानों की समस्याएं, नई नियुक्तियों की घोषणा की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर स्थित विश्रामगृह में ५ सितंबर की दोपहर लगभग १२.३० बजे किसान गर्जना संगठन द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। यह वार्ता संगठन के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद चौधरी और जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे की विशेष उपस्थिति में शुरुआत की गयी। प्रेसवार्ता के प्रारंभ में संगठन का विस्तार करते हुए हरीश मराठे को वारासिवनी का ब्लॉक प्रभारी तथा रेशमा कुमरे को महिला जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। दोनों पदाधिकारियों को विधिवत नियुक्ति पत्र सौंपकर संगठन को धरातल पर मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई। तत्पश्चात मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा धान की फसल को भावांतर योजना में शामिल किए जाने के निर्णय पर तीखा आक्रोश व्यक्त कर इस नीति से प्रदेश के ३६ धान उत्पादक जिलों के किसानों को भारी वित्तीय नुकसान और समस्याओं को बताकर आरोप लगाया कि शासन की अव्यवस्थाओं और वादाखिलाफी के कारण अन्नदाता संकट में है। वहीं किसानों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करते हुए सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री ज्ञानप्रकाश उर्फ पप्पू पटेल, नंदकिशोर पंचेश्वर, अशोक लिल्हारे, हरीश मराठे, अजब सिंह कृपगये, रेशमा कुमरे और जयराम मानेश्वर सहित संगठन के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सरकार हमेशा की तरह किसानों को छलने का काम कर रही है-रामकुमार नगपुरे

जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने प्रेस वार्ता में बताया कि हमारे द्वारा यह प्रेस वार्ता भावांतर योजना को लेकर आयोजित करवाई गई है। सरकार हमेशा की तरह किसानों को छलने का काम कर रही है इस बार वह किसान को भावांतर योजना के भवर में फंसाने का काम करने जा रही है। हमारे जिले में १८६ सेवा सहकारी समितियां हैं जहां पर धान खरीदी की जाती है एक केंद्र में दो महीने तक खरीदी चलती है फिर भी समय पर किसान चूक जाता है। यदि वारासिवनी कृषि उपज मंडी को देखे तो उसमें ३२ सोसायटी आती है क्या उतना धान वारासिवनी की मंडी में आ पाएगा समय पर खरीदी हो पाएगी संभव ही नहीं है। किसान इतना मोटा धान उगता है ६ महीने तक भी उसे

बेचेंगे तो खरीदी खत्म नहीं होगी। आज के समय में किसान का उत्पादन बढ़ गया है यह किसान को बहुत बड़ी समस्या होने वाली है। हम चाहते हैं कि किसान की उपज पूर्व की तरह खरीदी की जाए और उन्हें समर्थन मूल्य ३१०० रुपए प्रति क्विंटल दो सरकार बनाने सरकार के प्रतिनिधियों और शीर्ष नेताओं के द्वारा मोदी की गारंटी के नाम से प्रचारित किया गया था जो आज तक नहीं दिया गया है। समर्थन मूल्य में उनके द्वारा ५०० रुपये नहीं बढ़ाया गया खाद का दाम एकदम दुगना कर दिया गया। जो पहले ११०० रूपये में हम खरीदते थे आज वह २४०० रूपये में मिल रही है। एक तरफ सरकार बोलती है कि १० घंटा बिजली देंगे यदि शहरी क्षेत्र को छोड़ दे तो ग्रामीण क्षेत्र में चार घंटे बिजली रहती है किसान आज कर्जदार होते जा रहा है। सरकार अपना फैसला नही बदलती है तो आगे और उग्र आंदोलन होगा इसमें सभी किसानों को सामने आना होगा।

भावांतर योजना से किसानों को होगा आर्थिक संकट -अरविंद चौधरी

अरविंद चौधरी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने भावांतर योजना निकाली है हमारा संगठन इसका विरोध करता है। यह किसानों को फंसने वाली योजना है क्योंकि इससे सीधा नुकसान है सरकार यह योजना वापस ले वादा अनुसार ३१०० रुपए प्रति क्विंटल में सोसायटी स्तर पर खरीदी करें। इस संबंध में हमने शासन को ज्ञापन भी दिया है किंतु कृषि विपणन में भावांतर का प्रचार करने के लिए एक पत्र मंडी को जारी कर दिया है इसका अभी किसान को कोई पता नहीं है। सरकार ने मंडी में खरीदी करने का मन बना लिया है बालाघाट जिले में १८५ सोसायटी आती है तो वही सात कृषि उपज मंडी और अन्य स्थान है जहां पर व्यवस्था जगह कर्मचारी नहीं है। ऐसे में किसान परेशान होगा इन्हें यथावत पूर्व की तरह खरीदी करना चाहिए परंतु यह किसान को व्यापारियों से लुटवा रहे हैं। आगे व्यापारियों का सिंडिकेट चलेगा किसान को भाव का अंतर मिलने के लिए अस्वस्थ कर औने पौने दामों में उपज खरीदी जाएगी। किसान को शासन क्या राशि देगी यह भी नहीं पता है अभी हमें जानकारी है कि एक मॉडल रेट निश्चित होगा एमएसपी २४४१ रुपए प्रति क्विंटल है, ऐसे में एक दिन में ६० प्रतिशत धान ३००० रूपये में बीका तो १८०० या २२०० रुपए में अपनी धान बेचने वाले अन्य किसानों को कोई भावांतर नहीं मिलेगा। यदि यह धान अधिकांश लोगों ने २२०० रुपए में बेचा और बाकी १८ सौ रुपए में बेचा गया है तो सरकार २४१ रुपए भाव का अंतर सभी किसान को देगी। इस प्रकार किसान का नुकसान ही होना है पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष २०१८ में मक्का सोयाबीन के लिए इसे लागू किया था जो पूरी तरह फेल रही।

हर्षोल्लास के साथ महाविद्यालय में मनाया गया भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय में रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम संयोजक रक्षा निकोसे के नेतृत्व में किया गया। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को बनाये रखते हुए एक राखी एक संकल्प,रक्षा सूत्र-एक राखी, एक रिश्ता तथा पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा जैसी गतिविधियॉं, छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय परिवार के सहयोग से वृक्षारोपण, व्याख्यान तथा अन्य गतिविधियों के माध्यम से आयोजित की गयी। साथ ही बलराम जयंती के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव से संबंधित गतिविधियों में व्याख्यान, चित्र प्रदर्शन, कृषि से संबंधित पारंपरिक कलाओं की विशेष प्रस्तुति के साथ आधुनिक कृषि उपकरण, बीज एवं प्राकृतिक खेती पर प्रदर्शनी तथा संवांद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर महाविद्यालय मे हर्षोल्लास के साथ महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्रों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक आरती के साथ गीत एवं सामूहिक नृत्य, बांसुरी वादन, भजन एवं गायन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी मनाने का उद्देष्य अधर्म पर धर्म की विजय साथ ही भगवतगीता के कर्म और धर्म की सीख के साथ यह त्योहार कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान कृष्ण के भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टम तिथि को श्री कृष्ण के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। रक्षा निकोसे ने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी का आध्यात्मीक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से बहुत बड़ा महत्व है ,यह त्योहार हमें आध्यात्मीक जागृति, भक्ति और समर्पण की निःस्वार्थ भावना तथा धर्म और कर्म के संदेशो पर चलने की प्रेरणा देता है। एनएसएस अधिकारी कृष्णा पराते ने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार पूरे भारत वर्ष में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है, जिसका उद्देष्य आपसी भाईचारा, मानसिक शांति और समाज में एकजुटता को बढ़ावा देना है। भक्ति और समर्पण का प्रतीक यह त्यौहार निःस्वार्थ प्रेम, श्रृद्धा भाव तथा कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस दौरान हेमन्त कुमार मण्डाले, तृप्ती सोनवे, विकास साहू, श्रीमती सरिता नागवंशी, श्रीमती रोहिणी देवी पटले, डी एल एड़े, संतोष त्रिवेदी, महेन्द्र कुमार डोंगरे, राजेश कुमार तुमरामे, लकेश रामपुरे, श्रीमती विभुति पुरोहित एवं महाविद्यालय परिवार तथा छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

मंदिरों और घरों में विराजे भगवान श्रीकृष्ण

हर्षउल्लास के साथ मनाया गया जन्माष्टमी पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित क्षेत्र में ४ सितम्बर को भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भक्तजनों के द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन कर विभिन्न प्रकार के पकवान व लाई.चने माखन मिश्री का भोग लगाया गया एवं रात में जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया। जहाँ भजन कीर्तन कर रात जागरण भी किया गया। इस पर्व पर मंदिरों को लाइटिंग सहित अन्य साज सज्जा से सजाया गया। मंदिरों में स्थापित मूर्ति सभी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। इसी कड़ी में नगर व क्षेत्र के सभी मंदिरों में रात १२ बजे भगवान श्री कृष्ण की आरती कर भजन कीर्तन के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। वहीं भक्तजनों ने अपने घरों मे भगवान श्रीकृष्ण को विराजित कर सारी रात श्रीकृष्ण धुन में मगन रहे साथ ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

श्रीराम मंदिर में की गई महाआरती

नगर में स्थित श्रीराम मंदिर में धार्मिक आस्थाओं के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। जिसमें रात्रि ९ बजे से भजन कीर्तन प्रारंभ किया गया जहाँ मनमोहक भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जो देर रात तक चला। वहीं रात्रि १२ बजे पूजा अर्चना प्रारंभ कर मध्यरात्री में आतिशबाजी कर भगवान श्री कृष्ण के मंदिर व पालने के पर्दे हटाकर दर्शन करवाया गया और पालना झुलाया गया। तत्पश्चात महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। जिसके बाद देर रात तक संगीतमय भजन कीर्तन हुए जिससे सभी भक्तजन भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे नजर आये। इस दौरान जनप्रतिनिधि सहित श्रीराम मंदिर सदस्य व नगरवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सोसायटी शिव मंदिर में विराजे नंदलाल

नगर में सेवा सहकारी समिति वारासिवनी परिसर में स्थित सोसायटी शिव मंदिर में ४ सितम्बर को भगवान श्रीकृष्ण की विशाल प्रतिमा की स्थापना के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। जिसमें मंदिर समिति के सदस्य ढोल बाजे की थाप पर मूर्तिकार के निवास पर पहुंचे जहाँ से प्रतिमा को नाचते गाते शिव मंदिर लाया गया। जहाँ पर पंडित के द्वारा विधि विधान से प्रतिमा की स्थापना कर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात देर रात्रि तक भजन कीर्तन किया गया। जहां ५ सितम्बर को विधि विधान से हवन पूजन कर भंडारे का आयोजन किया गया ,वहीं ६ सितम्बर की दोपहर में प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

खिल्या मुठिया में राधा कृष्ण की आराधना जारी

नगर के वार्ड नंबर १२ स्थित खिल्या मुठिया देव परिसर में गोवारी समाज के द्वारा भगवान राधा कृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर आराधना की जा रही है। जिसमें प्रतिमा को ढोल नगाड़े की थाप पर धूमधाम के साथ खिल्या मुठिया परिसर में लाया गया। जहां पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमा की स्थापना कर कृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। इस दौरान भगवान कृष्ण और राधा कृष्ण की मनमोहक प्रतिमा विराजित की गई है जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। जहाँ ५ सितम्बर को महिलाओं का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम कर ६ सितम्बर को हवन पूजन कर विशाल शोभायात्रा के साथ विसर्जन होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

कांग्रेस के जनसंपर्क कार्यालय में सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया सम्मान

गुरु वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को प्रकाश से भर देते है-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विधायक जनसंपर्क कार्यालय में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के पावन अवसर पर विधायक विवेक पटेल ने लगभग एक सैकड़ा से अधिक सेवानिवृत्ति हुए शिक्षकों का तिलक वंदन एवं शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचते ही विधायक विवेक पटेल ने सभी शिक्षकों के पैर छू कर उनका आशिर्वाद लिया। जिसके पश्चात मां सरस्वती,भगवान श्रीकृष्ण और डॉक्टर सर्व पल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त हुए शिक्षक वाय एस पवार ने कहा कि डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के दूसरे राष्ट्रपति थे। उनका जन्मदिन पांच सितंबर को आता है और उन्होंने अपना जन्मदिन शिक्षकों के लिए शिक्षक दिवस के रूप में समर्पित किया। सभी लोग उनके महत्व को समझे हमारे देश में विभिन्न प्रकार की भाषाएं बोली जाती है,मगर सभी का पहनावा एक ही है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इतना किया है कि आज कोई भी उनकी बराबरी नहीं कर सकता है जो उनके बारे में कुछ नहीं जानते,वे आज कल कुछ भी बोलते है। जब मैं छोटा था पढ़ाई करता था उस समय मैने नेहरू जी को रायगढ़ और इंदिरा गांधी जी को बालाघाट में देखा था। जैसराज पारधी ने कहा कि शिक्षक समाज का आईना होते है। शिक्षक ही हमें अपने मुकाम तक पहुंचाते है उनके बिना ज्ञान हमें कुछ नहीं मिल सकता है,शिक्षक ही हमारे भविष्य को तय करते है। बिना शिक्षा ग्रहण किए कोई भी सफलता हासिल नहीं किया जा सकता है। शिक्षक ही हमारे देश के धरोहर है।

बगीचे की तरह बच्चों के जीवन को संवारते है शिक्षक-स्वप्निल डोंगरे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वप्निल डोंगरे ने कहा कि शिक्षक बच्चों को पढ़ाकर वकील बना सकते है। मगर एक वकील शिक्षक कभी नहीं बना सकता जिंदगी में हम थोड़ा भी अगर सफल होते है तो इसका श्रेय हमारे माता.पिता के बाद शिक्षक ही होते है,हम तो महज एक मिट्टी है जबकि हमे किसी भी रूप में ढालने का काम कुम्हार रूपी शिक्षक करते है। गुरु शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है,जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण इतिहास में दर्ज है। शिक्षक उस माली के समान है जो एक बगीचे को अलग अलग रूप रंग के फूलों से सजाया है,जो छात्रों को काटो पर भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। एक गुरु ही शिष्य में अच्छे चरित्र का निर्माण करता है। शिक्षा और विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्व भूमिका निभाते है।

शिक्षक ही हमारे भविष्य के कल को जन्म देते है-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि शिक्षक ना केवल ज्ञान का संचार करता है बल्कि छात्रों में नैतिक मूल्यों की स्थापना सही गलत का भेद समझने और उन्हें जीवन की सही दिशा देने में भी अहम भूमिका निभाता है। शिक्षक ही समाज की नींव है जिनके प्रयासों से राष्ट्र का भविष्य आकार लेता है। हमें अपने गुरुजनों के संपर्क में रहना चाहिए और जीवन के विशेष पलो में शामिल कर उनका आशिर्वाद लेना चाहिए। एक शिक्षक के द्वारा ही एक सही पीढ़ी और सही समाज की रचना होती है। शिक्षक ही कल के भविष्य को जन्म देता है शिक्षक से ज्ञान लिए बिना हमारा जीवन अधूरा है। शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं उचित दृष्टि वाले अनुभवी व्यक्ति होते है। इस दौरान जीतू राजपूत, तेजराम नगपुरे, सुनील राणा,सुदेश गुड्डू सोनी,अनिल पिपरेवार, राकेश वर्मा,राजा अली, रामकिशोर बिसेन, संदेश बिसेन, राजकुमार चौधरी,विजय बिसेन,पप्पू गोनाडे, चंदू बुरडे,गगन बिसेन,हरि क्षीरसागर मौजूद रहे।

शिक्षक ही समाज की नींव है जिनके प्रयासों से राष्ट्र का भविष्य आकार लेता है-प्रदीप जायसवाल

भाजपा कार्यालय में सेवानिवृत शिक्षकों का हुआ सम्मान समारोह आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के भाजपा कार्यालय वारासिवनी में राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रदीप शरणागत, मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे,श्रीमती पूनम झा के आतिथ्य में लगभग १५० सेवानिवृत शिक्षको का भव्य सम्मान शाल श्रीफल से किया गया। सम्मान समारोह का विशेषता यह भी रही कि वक्ताओं के विचारो के बाद यह कार्यक्रम एक सेमीनार में परिवर्तित होते देखा गया। जिसमे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल सहित शिक्षाविदो ने जंतर मंतर में हुये आंदोलन सहित जेन जी पर कटाक्ष करते हुये नयी पीढ़ी में संस्कारो की जरूरत को एक चुनौती के रूप में देखा। सेवानिवृत हुयी सुश्री रश्मि झॉ ने कहा कि आज उनकी सफलता में सबसे ज्यादा योगदान वाय एस पवार सर का रहा है। आज समाज में सामाजिक चेतना और राजनीतिक चेतना अवश्य दिख रही है। जिसके कारण शिक्षकों का भव्य सम्मान हो रहा है किंतू दूसरी ओर हम शिक्षको के समक्ष यह चुनौती भी है की हम नयी पीढ़ी में संस्कारो को अवश्य समाहित करे। हम जेन जी को ही देख रहे है उनके संस्कारो को शामिल करना हमारे लिये भी अब एक चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र लटारे ने शिक्षक की तुलना ईश्वर से करते हुये डॉ राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के विस्तृत जीवन से परिचय कराया। जब उन्होने बताया की डॉ सर्वपल्ली सेवानिवृत हुये तब विद्यार्थियों ने उस समय उन्हे रेल्वे स्टेशन तक छोडने के लिये बग्गी में घोडे की बजाय स्वयं को रखकर अपने स्नेह का परिचय दिया, इस जानकारी को सुनकर पुरा सदन भावविभोर भी होते देखा गया। इसी तरह पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि एक शिक्षक देश में किसी भी पद पर पहुंच सकता है यह संदेश हमे पूर्व राष्ट्रपति के जीवन परिचय से मिलता है। हम लोग राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करते है जिस प्रकार से प्रत्येक मोहल्ले में लोग हाईमास्क की हम से जैसे मांग करते है। वैसे ही समाज और देश के कोने कोने में शिक्षा रूपी प्रकाश के लिये सभी शिक्षको को हाईमास्क की भूमिका निभानी पडेगी। विशेषकर जंतर मंतर दिल्ली की द्रश्यो ने नयी पीढ़ी में संस्कार और उनको अब दिशा देने की नितात आवश्यकता महसूस हो रही है। सम्मान समारोह में राजेश खोसला ने कहा कि जिस तरह स्व. अमृतलाल जायसवाल गरीबो की सेवा में तत्पर रहते थे। उन्ही के संस्कारो पर चलकर अब प्रदीप जायसवाल भी सेवामयी कार्यो से अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे है। हम सभी को चाहिये कि ऐसी शख्सियत को हम किसी भी रूप में अपने से दूर नही करे। सम्मान समारोह में वाय एस पवार, भेजेन्द्र चौधरी, डीसी चौरागढे,श्यामलाल पंचेश्वर,शानू सिंघई,सुदंरलाल ,टी एस कटरे ने उदबोधन के माध्यम से शिक्षक के महत्व को रेखांकिंत किया। इस अवसर पर यूरेन्द्र हनवत, जगदीश प्रसाद चैतगुरू, एस के दहीकर, अशोक कुमार शिवणे, श्रीमती सविता पारधी, अरूण भोंडले,सुरेश कुमार डोहरे, एम आर अली, विजय सोनवाने,रमेश कुमार हनवत, श्रीमती उषा बावने,श्रीमती चंद्रकांता मेश्राम, श्रीमती किरण ज्योतिषी,महेन्द्र कावडे,नीरज वर्मा, अशोक शुक्ला, सुरेश दुबे,राजेन्द्र मिश्रा, एल सी नेवारे,भवानी प्रसाद चौबे, नजीर हुसैन, श्रीमती भुवंता डहाटे,श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव आदि का भाजपा परिवार ने शाल श्रीफल से सम्मान किया।

आठ दशक बाद भी अधूरा है गांधी का भारत

देश आजादी के अस्सीवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। अंतरिक्ष में पहुंचते भारत की तस्वीरें आत्मविश्वास जगाती हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तेज रफ्तार सड़कें, चमकते शहर और बदलती जीवनशैली विकास की कहानी कहते हैं। लेकिन इस चमक के पीछे एक ऐसा अंधेरा भी है, जिसे हम जितना छिपाते हैं, वह उतना ही गहरा दिखाई देता है। देश के कुछ हिस्सों में आज भी लोग, विशेषकर महिलाएं, दूसरों का मैला अपने हाथों से साफ करने को विवश हैं। कहीं-कहीं सूखे शौचालय मौजूद हैं और उनके साथ वह सामाजिक मानसिकता भी, जिसने जन्म के आधार पर कुछ लोगों के हिस्से में अपमान और कुछ के हिस्से में सुविधा लिख दी है। यह केवल सफाई का सवाल नहीं है। यह मनुष्य की गरिमा का सवाल है। यह संविधान की उस प्रतिज्ञा का सवाल है जिसमें समानता, स्वतंत्रता और सम्मान का वादा किया गया है। और सबसे बढ़कर यह गांधी के उस भारत का सवाल है, जिसकी कल्पना में अस्पृश्यता के लिए कोई जगह नहीं थी। गांधी को याद करने का सबसे सार्थक अवसर शायद यही है। गांधी केवल चरखा, सत्याग्रह और स्वतंत्रता आंदोलन का नाम नहीं हैं। उनके विचार की असली परीक्षा उस मनुष्य के जीवन में होती है, जो समाज की सीढ़ी के सबसे नीचे खड़ा है। गांधी ने अस्पृश्यता को सामाजिक पाप माना था। उन्होंने स्वयं शौचालय साफ किए और समाज के सामने एक असुविधाजनक प्रश्न रखा—जिस काम को हम गंदा कहते हैं, उसे करने वाला मनुष्य गंदा क्यों हो जाता है? आठ दशक की राजनीतिक आजादी के बाद भी यह प्रश्न हमारा पीछा कर रहा है। हाल में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और जम्मू-कश्मीर से आई महिलाओं और युवाओं ने दिल्ली में इसी विरोधाभास को सामने रखा। सफाई कर्मचारी आंदोलन ने 'इंडिया ञ्च 80' अभियान शुरू करते हुए दावा किया कि सरकारी घोषणाओं के बावजूद हाथ से मैला साफ करने की प्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आंदोलन के अनुसार, इन राज्यों के कम से कम 46 जिलों में ऐसी स्थितियों के प्रमाण और प्रत्यक्ष अनुभव सामने आए हैं। सरकारी सर्वेक्षणों के दावों और जमीन पर मौजूद अनुभवों के बीच का यह अंतर केवल आंकड़ों का विवाद नहीं है। यह उस भारत की दो तस्वीरें हैं, जिसे कागज और जमीन अलग-अलग ढंग से देखते हैं। उत्तर प्रदेश के सीतापुर से आई सत्तर वर्षीय मुसी देवी ने बताया कि उन्होंने जीवन का बड़ा हिस्सा दूसरों का मैला साफ करते हुए बिताया। उनकी इच्छा है कि उनके मरने से पहले यह काम खत्म हो जाए। मध्य प्रदेश की अंगूरी बाई ने बताया कि कम उम्र में विवाह के बाद ससुराल में उन्हें सूखे शौचालय साफ करने के काम में लगा दिया गया। बिहार की चांजोतिया देवी पंद्रह वर्ष की उम्र से यह काम करती रही हैं। उनकी सबसे बड़ी चिंता है कि अगली पीढ़ी को यह काम न करना पड़े। जम्मू-कश्मीर से आए मुजफ्फर अहमद शेख का कहना है कि वहां भी ऐसी प्रथा मौजूद है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण लोग खुलकर बोल नहीं पाते। इन आवाजों को सुनते हुए पहला सवाल यही उठता है कि किसी बुराई के खत्म होने की घोषणा और उसके वास्तव में खत्म हो जाने के बीच कितना अंतर होता है? अगर सरकारी सूची में कोई व्यक्ति दिखाई नहीं देता तो क्या उसकी पीड़ा भी समाप्त हो जाती है? अगर किसी सर्वेक्षण में संख्या शून्य हो जाए तो क्या सूखे शौचालय अपने आप खत्म हो जाते हैं?

कानून मौजूद, कार्रवाई भी संभव, तो फिर बालश्रम खत्म क्यों नहीं?

3,800 बच्चों की मुक्ति ने खोला बड़ा सवाल-बचपन बिक रहा है,कानून देख रहा है?

वैश्विक स्तरपर भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने और 2047 तक एक समृद्ध एवं न्यायपूर्ण समाज बनाने का संकल्प ले रहा है,तब उसके सामने एक ऐसा प्रश्न भी खड़ा है जिसे केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं टाला जा सकता,क्या देश का बचपन वास्तव में सुरक्षित है? भारत की स?कों,चौराहों और चमचमाते महानगरों के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छिपा है, जो देश के आर्थिक महाशक्ति बनने के दावों को सीधे तौर पर चुनौती देता है।सड़क किनारे चाय की दुकान पर गिलास धोता बच्चा, ढाबे पर ग्राहकों को खाना परोसता छोटू, ट्रैफिक सिग्नल पर सामान बेचता मासूम,निर्माण स्थल पर ईंट ढोता बच्चा या किसी कारखाने में मशीनों के बीच काम करता नाबालिग केवल गरीबी की तस्वीर नहीं है; वह उस व्यवस्था के सामने खड़ा एक गंभीर सवाल है, जिसमें कानून होने के बावजूद उसका प्रभावी क्रियान्वयन हर जगह दिखाई नहीं देता। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि 3,800 बच्चों की मुक्ति ने खोला बड़ा सवाल्बचपन बिक रहा है,कानून देख रहा है? ्ढाबों से कारखानों तक मासूम हाथों का शोषण ;कानून मौजूद, कार्रवाई भी संभव,तो फिर बालश्रम खत्म क्यों नहीं? बच्चे मजदूर नहीं,भारत का भविष्य हैंन्नक्सल मुक्त,नशामुक्त भारत की तरह बालश्रम मुक्त भारत का संकल्प की डेट लाइन क्यों नहीं? बता दूँ कि शासकीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार, इस सवाल को और गंभीर बना दिया है,दिनांक 4 सितंबर 2026 को रिपोर्ट आई कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के हालिया अभियान ने।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत वैधानिक संस्था एनसीपीसीआर ने 12 जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक विशेष अखिल भारतीय बचाव और पुनर्वास अभियान चलाया। राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों, जिलाधिकारियों श्रम विभागों, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय से चलाए गए इस अभियान में 3,800 से अधिक बच्चों को बालश्रम से मुक्त कराया गया और 575 से अधिक एफआईआर दर्ज हुईं। यह आंकड़ा केवल सफलता की कहानी नहीं है; यह उस समस्या की गहराई का भी संकेत है, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में कानून की मौजूदगी के बावजूद बनी हुई है। साथियों, सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यहीं से जन्म लेता है,यदि लगभग ढाई महीने के लक्षित और सक्रिय अभियान में 3,800 से अधिक बच्चे मुक्त कराए जा सकते हैं, तो क्या ऐसी कार्रवाई पूरे वर्ष नियमित रूप से नहीं हो सकती? यदि प्रत्येक जिले में संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करके लगातार औचक निरीक्षण, गोपनीय सूचना तंत्र और बहु-विभागीय कार्रवाई की जाए, तो निश्चित रूप से बालश्रम के विरुद्ध कार्रवाई का दायरा बहुत बड़ा हो सकता है। एनसीपीसीआर के अभियान में भी जिलाधिकारियों,श्रम विभाग और पुलिस के साथ समन्वय तथा नियमित निगरानी को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई थी।इसलिए यह अभियान एक अस्थायी कार्रवाई भर न रहकर स्थायी जिला-स्तरीय प्रवर्तन मॉडल का आधार बन सकता है।बालश्रम की समस्या केवल ढाबों, चाय की दुकानों या छोटे कारखानों तक सीमित नहीं है। ईंट-भट्टों,निर्माण स्थलों,कृषि क्षेत्र,घरेलू काम,कचरा बीनने, कार्यशालाओं बाजारों, होटल- ढाबों, कारखानों और कुछ खतरनाक औद्योगिक गतिविधियों में भी बच्चों के शोषण का जोखिम मौजूद रहता है।विशेष रूप से प्रवासी परिवारों के बच्चों के मामले में समस्या और जटिल हो जाती है, क्योंकि उनका विद्यालय से जुड़ाव टूट सकता है और परिवार की आर्थिक मजबूरी उन्हें काम की ओर धकेल सकती है। बालश्रम इसलिए केवल श्रम कानून का विषय नहीं है; यह गरीबी, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, प्रवासन, मानव तस्करी और प्रशासनिक जवाबदेही इन सभी को सटीकता से जोड़ने वाला प्रश्न है। साथियों, यहीं रोजगार बाजार का एक चिंताजनक पहलू सामने आता है।बालश्रम सस्ता असंगठित और अधिकार -विहीन श्रम उपलब्ध कराता है।बच्चों को सामान्यत: संगठित श्रमिकों की तरह अपने अधिकारों, मजदूरी, कार्य -समय या श्रम-सुरक्षा की जानकारी नहीं होती और वे ट्रेड यूनियन जैसी सामूहिक संरचनाओं से भी जुड़े नहीं होते। इस कारण कुछ नियोक्ताओं के लिए उनका शोषण आर्थिक रूप से आकर्षक दिखाई दे सकता है। लेकिन किसी बच्चे की मजबूरी को सस्ता श्रम मान लेना केवल आर्थिक अन्याय नहीं, बल्कि उसके शिक्षा, स्वास्थ्य, गरिमा और भविष्य पर हमला है।इस समस्या का दूसरा और अधिक गंभीर पहलू प्रवर्तन की विश्वसनीयता है। किसी क्षेत्र में यदि कानून का उल्लंघन लंबे समय तक चलता रहे, तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि निरीक्षण व्यवस्था कितनी प्रभावी है। हालांकि किसी विशेष अधिकारी या विभाग पर मिलीभगत अथवा भ्रष्टाचार का आरोप प्रमाण के बिना नहीं लगाया जाना चाहिए, लेकिन यदि शिकायतों के बावजूद बालश्रम लगातार दिखाई देता है, तो संबंधित प्रशासनिक व्यवस्था की जवाबदेही तय करना आवश्यक है। नियमित निरीक्षण,शिकायतों की स्वतंत्र जांच, कार्रवाई की डिजिटल निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण इस विश्वास को मजबूत कर सकते हैं कि कानून केवल कागज पर नहीं, जमीन पर भी सटीकता से लागू होता है। साथियों, इस संदर्भ में जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।प्रत्येक जिले में बालश्रम और बाल तस्करी के संभावित हॉटस्पॉट का मानचित्र तैयार किया जाए। पुलिस, श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और विश्वसनीय नागरिक-संगठनों के बीच एक समन्वित तंत्र बनाया जाए। कार्रवाई से पहले सूचना लीक न हो, इसके लिए जोखिम-आधारित और गोपनीय निरीक्षण व्यवस्था विकसित की जा सकती है। प्रत्येक बचाव के बाद केवल एफआईआर दर्ज करके मामला समाप्त न हो; बच्चे की पहचान, परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास और दोबारा बालश्रम में लौटने के जोखिम की भी सटीकता से निगरानी हो। साथियों, भारत के पास इस दिशा में महत्वपूर्ण कानूनी आधार पहले से मौजूद है। बाल और किशोर श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को रोजगार या काम में लगाने पर व्यापक प्रतिबंध है, जबकि 14 से 18 वर्ष के किशोरों को निर्धारित खतरनाक व्यवसायों और प्रक्रियाओं में नियोजित करना प्रतिबंधित है। कानून में सीमित पारिवारिक सहायता से जुड़ा अपवाद है, लेकिन वह भी निर्धारित शर्तों के अधीन है और बच्चे की शिक्षा तथा गैर-खतरनाक गतिविधियों की सीमाओं से बंधा है। दंड के मामले में भी कानून कमजोर नहीं है। बच्चे को अवैध रूप से नियोजित करने पर नियोक्ता को छह महीने से दो वर्ष तक की जेल या 20,000 से 50,000 रूपए तक का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। किशोर को प्रतिबंधित खतरनाक काम में लगाने पर भी समान दंडात्मक प्रावधान लागू होते हैं। दोबारा अपराध करने पर कानून अधिक कठोर सजा का प्रावधान करता है। इसलिए वास्तविक चुनौती कानून की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि पकड़े जाने की निश्चितता,निष्पक्ष जांच अभियोजन और न्यायिक परिणाम की सटीकता से प्रभावशीलता है। साथियों संवैधानिक और शैक्षिक ढांचा भी स्पष्ट दिशा देता है। संविधान का अनुच्छेद 24 बच्चों को कुछ खतरनाक रोजगारों से सुरक्षा प्रदान करता है और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करता है। इसका मूल दर्शन सीधा है,बच्चे के हाथ में औजार नहीं, किताब होनी चाहिए। इसलिए बालश्रम के खिलाफ कार्रवाई तभी स्थायी होगी, जब बचाए गए बच्चे को केवल कार्यस्थल से हटाकर उसके भविष्य से जोड़ा जाए।यही कारण है कि पुनर्वास को बचाव जितना ही महत्वपूर्ण मानना होगा। बचाए गए बच्चे को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करना, परिवार की स्थिति का आकलन करना, शिक्षा से जोड़ना, आवश्यकतानुसार आवास, भोजन, स्वास्थ्य और मनोसामाजिक सहायता देना तथा आर्थिक पुनर्वास की निगरानी करना आवश्यक है। यदि बच्चे को आज दुकान से निकालकर कल उसी गरीबी में छोड़ दिया गया, तो वह किसी दूसरे नियोक्ता के पास फिर काम करने लग सकता है। अत: 'रेस्क्यू' को अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि पुनर्वास की पहली सीढ़ी माना जाना चाहिए। साथियों, डिजिटल व्यवस्था भी इस लड़ाई को अधिक पारदर्शी बना सकती है।श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार पेंसिल (प्लेटफार्म फॉर इफेक्टिव इनफोर्समेंट फॉर नों चाइल्ड लेबर)पोर्टल पर बालश्रम संबंधी शिकायत दर्ज की जा सकती है और शिकायत संबंधित जिला नोडल अधिकारी तक कार्रवाई के लिए भेजी जाती है। मंत्रालय ने यह भी बताया है कि बालश्रम संबंधी शिकायत व्यवस्था को व्यापक बाल-सुरक्षा तंत्र के साथ जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है।

अर्थात नागरिकों की शिकायत, प्रशासनिक कार्रवाई और पुनर्वास की जानकारी को एक डिजिटल निगरानी प्रणाली में जोड़ना भविष्य की प्रभावी व्यवस्था बन सकता है। साथियों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बालश्रम को केवल स्थानीय सामाजिक समस्या नहीं माना जाता। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओं) ने 12 जून 2026 के विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर शिक्षा,सामाजिक सुरक्षा, गरिमापूर्ण वयस्क रोजगार, मजबूत कानून और प्रभावी प्रवर्तन को बालश्रम समाप्त करने के प्रमुख उपायों के रूप में रेखांकित किया।इसका अर्थ स्पष्ट है बालश्रम समाप्त करने के लिए केवल बच्चों को काम से हटाना पर्याप्त नहीं; वयस्कों को सम्मानजनक रोजगार, परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी होगी।अब भारत के सामने एक बड़ा अवसर है। जिस तरह देश ने नशामुक्ति, मानव तस्करी, उग्रवाद और अन्य सामाजिक चुनौतियों के विरुद्ध लक्षित अभियानों और समयबद्ध कार्रवाई की दिशा में प्रयास किए हैं, उसी तरह बालश्रम मुक्त भारत को भी एक स्पष्ट राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया जा सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती

-कांतिलाल मांडोत

प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो इंसान की सारी तैयारियां पड़ जाती हैं छोटी

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निर्माणों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है। बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं। नावों की तैनाती, सामुदायिक रसोई, राशन और पॉलीथीन शीट की व्यवस्था तथा आपदा राहत दलों की मौजूदगी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत का आधार बनती है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों की तैनाती ने आपदा प्रबंधन की क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत किया है। लेकिन किसी भी आपदा में सरकारी मशीनरी की सफलता केवल बचाव दलों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। स्थानीय लोगों की जागरूकता, प्रशासन के साथ उनका सहयोग और समय पर चेतावनी का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाढ़ के दौरान नदी और तेज बहाव वाले पानी से दूरी बनाए रखना, अफवाहों पर विश्वास न करना और प्रशासन द्वारा बताए गए सुरक्षित स्थानों पर जाना जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश आफत बन रही है, वहीं कई इलाकों में किसान बारिश की कमी से परेशान हैं। खेतों में नमी नहीं होने पर फसलों की वृद्धि रुक जाती है। बारिश पर निर्भर किसान के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। एक तरफ अत्यधिक बारिश खेतों को डुबो देती है और दूसरी तरफ कम बारिश फसलों को सुखा देती है। यही विरोधाभास बताता है कि आज आवश्यकता केवल अधिक बारिश की नहीं, बल्कि बारिश के संतुलित वितरण और जल प्रबंधन की है। प्रकृति के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी भूल शायद यही रही है कि उसने प्राकृतिक संसाधनों को अपने नियंत्रण में मान लिया। नदियों के किनारों पर अतिक्रमण, जलाशयों का सिकुड़ना, वर्षाजल के प्राकृतिक रास्तों का बंद होना और बिना पर्याप्त योजना के शहरी विस्तार ने बारिश के पानी को संकट में बदलने की स्थितियां पैदा की हैं। यदि शहरों में पानी के निकास के रास्ते बाधित होंगे तो सामान्य से अधिक बारिश भी जलभराव पैदा करेगी। इसी तरह यदि नदी के प्राकृतिक क्षेत्र में निर्माण बढ़ेगा तो बाढ़ का असर आबादी तक पहुंचने की आशंका बढ़ती जाएगी। इसलिए आज जरूरत आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा, वर्षाजल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र का वैज्ञानिक निर्धारण और संवेदनशील बस्तियों की बेहतर योजना समय की मांग है। खेती के क्षेत्र में भी ऐसी फसलों और सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जो बदलते मौसम के जोखिम को कम कर सकें। बारिश और बाढ़ को पूरी तरह रोकना मनुष्य के हाथ में नहीं है, लेकिन उसके नुकसान को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सरकार, प्रशासन, स्थानीय निकाय और समाज को मिलकर काम करना होगा। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए आपदा प्रबंधन को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भी उचित नहीं होगा। नागरिकों को भी प्रकृति के संकेत समझने और सावधानी बरतने की आदत विकसित करनी होगी। आज प्रयागराज के डूबते कछारी मकान हों, चित्रकूट की उफनती मंदाकिनी हो, बिहार की बढ़ती नदियां हों या बारिश की कमी से सूखते खेत, ये सभी घटनाएं एक ही संदेश देती हैं कि प्रकृति का संतुलन हमारे जीवन का आधार है। कुदरत के सामने मनुष्य की कोई बराबरी नहीं। वह कभी जीवन के लिए पानी देती है तो कभी अपनी शक्ति का अहसास कराती है। इसलिए प्रकृति को चुनौती देने के बजाय उसके साथ संतुलन बनाकर चलना ही बुद्धिमानी है। बाढ़ के पानी को संकट मानकर उससे लड़ने के साथ-साथ उस व्यवस्था पर भी विचार करना होगा जिसने इस संकट को अधिक गंभीर बनाया है। आखिरकार प्रकृति के संकेतों को समय रहते समझ लेना ही सबसे बड़ी तैयारी है।

अर्थ के लगभग समस्त क्षेत्रों में भारत की प्रगति अतुलनीय है

कुछ माह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने भारत एवं रूस की अर्थव्यवस्थाओं पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि ये अर्थव्यवस्थाएं मृतप्राय हैं और दोनो मिलकर भी अमेरिकी अथवा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकती हैं। परंतु, वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम तिमाही में भारत द्वारा सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते ही अमेरिका ने यू टर्न लेते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ की है एवं वहां के कुछ अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को चलायमान बनाए रखने में भारतीय अर्थव्यवस्था का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। वृद्धिगत आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो चीन की हिस्सेदारी के बहुत करीब पहुंच गई है। भारत में भी कुछ वर्गों को भारतीय अर्थव्यवस्था में आए इस उछाल पर आश्चर्य हो रहा है एवं वे यह विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर बिगड़े हुए हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था कैसे बनी रह सकती है। इस तरह के प्रशन्नों का उत्तर पाने के लिए हाल ही के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनों को हमें समझना होगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2026) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है, इसमें अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों का योगदान स्पष्टत: दिखाई दे रहा है। उक्त वृद्धि दर किसी एक विशेष कारण के चलते सम्भव नहीं हुई है। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत की रही है, निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत, निजी उपभोग में 6.8 प्रतिशत से बढ़कर 7.1 प्रतिशत, सकल पूंजी निर्माण में 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.9 प्रतिशत, वित्तीय क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत, व्यापार, होटेल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत, कृषि के क्षेत्र में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी 80.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 88.27 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इस प्रकार के विकास को विस्तृत आधार वाला विकास कहा जाता है। किसी भी देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का आश्य यह है कि उस देश में आर्थिक गतिविधियाँ तेजी पकड़ रही हैं। आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने से उस देश में कर संग्रहण की राशि में भी वृद्धि दृष्टिगोचर होनी चाहिए। भारत में हाल ही के समय में कर संग्रहण में भी सराहनीय सुधार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण माह अगस्त 2026 में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2 लाख करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंच गया है। आंतरिक वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचा है तो वहीं आयात वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 0.62 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसी प्रकार, आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और वित्तीय वर्ष 2025-26 वर्ष के लिए आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 7.80 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जो पिछले वर्ष 7.30 करोड़ के स्तर तक ही पहुंच सकी थी। अन्य देशों में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि दर की तुलना यदि भारत में दर्ज हुई वृद्धि दर से करते हैं तो ध्यान में आता है कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही है, सिंगापुर में 5.9 प्रतिशत, चीन में 4.3 प्रतिशत, दक्षिणी कोरीया में 3.7 प्रतिशत, अमेरिका में 2.1 प्रतिशत, यूनाइटेड किंगडम में 2.1 प्रतिशत, जर्मनी में 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में औसत वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत की रही है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि पूरे विश्व में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। और तो और, भारत ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, ऐशियन विकास बैंक) द्वारा पूर्व में दिए गए अनुमानों से भी आगे बढ़कर आर्थिक विकास दर को हासिल किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था एवं भारतीय अर्थशास्त्रियों ने 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त समस्त अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए भारत ने आर्थिक विकास किया है। भारतीय कम्पनियों द्वारा अपने व्यवसाय एवं लाभप्रदता में हासिल की गई वृद्धि दर से भी यह झलकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक तरह से अपने सुनहरे दौर से गुजर रही है। निजी गैर वित्तीय कंपनियों के परिचालन लाभ में आकर्षक 19.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। स्टॉक मार्केट में सूचिबद्ध विनिर्माण इकाईयों के परिचालन लाभ में 21.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। यात्री वाहनों की जुलाई 2026 माह में बिक्री 34.3 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ 4.58 लाख इकाईयों के स्तर को पार कर गई है। ट्रैक्टर की बिक्री भी 28.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.17 लाख इकाईयों के स्तर से ऊपर रही है। दो पहिया वाहनों की बिक्री 28.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.18 लाख इकाईयों के स्तर से ऊपर निकल गई है। डिजिटल भुगतान की संख्या में 16.6 प्रतिशत की वृद्धि एवं राशि में 18.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। जुलाई 2026 माह में ही बिजली की मांग में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। डीजल की खपत में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त समस्त आंकड़ों से यह सिद्ध होता है कि भारत में आर्थिक गतिविधियाँ अपने चरम स्तर पर पहुंच रहीं हैं और इनमे आकर्षक वृद्धि दर लगातार बनी हुई है। इसी के चलते ही भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर होते हुए दिखाई दे रही है। इस आलेख में दिए गए आकड़ों को किसी एक संस्थान ने नहीं जारी किया है बल्कि अलग अलग विभिन्न संस्थानों द्वारा इन्हें जारी किया गया है और यह भारत के विकास को एक ही दिशा में अर्थात ऊपर की ओर जाता हुआ दिखा रहे हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशक जो अभी तक भारत के पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल रहे थे उन्होंने भारत के शेयर बाजार में जुलाई 2026 माह में 210 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं अगस्त 2026 माह में 310 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है, जबकि मार्च से जून 2026 की अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से 2700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निकाल ली थी। हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि विदेश संस्थागत निवेशक भारतीय पूंजी बाजार में लौट आए हैं, परंतु इस संदर्भ में ट्रेंड तो परिवर्तित होता हुआ दिखाई दे रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के शेयर बाजार से 1.53 लाख करोड़ रुपए की राशि निकाली थी। स्ट्रेट ओफ होर्मुज लगातार कुछ माह तक बंद रहा है, तुलनात्मक रूप से तेल के बहुत कम जहाज इस मार्ग से निकल पाए हैं जिससे कच्चे तेल की आपूर्ति बहुत बड़े स्तर पर प्रभावित रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत सहित विश्व के कई देशों द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात के उत्पादों पर भारी मात्रा में आयात कर लगाए हैं। उक्त वर्णित समस्त विपरीत परिस्थितियों के बीच न केवल भारत सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो रही है बल्कि भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी आकर्षक वृद्धि दर्ज हो रही है, और निर्यात के क्षेत्र में भी भारतीय उत्पाद धूम मचाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जुलाई 2026 माह में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात 57.4 प्रतिशत से बढ़ा है, केमिकल उत्पादों का निर्यात 14.4 प्रतिशत बढ़ा है, मशीनरी एवं इक्विप्मेंट उत्पादों का निर्यात 12.1 प्रतिशत बढ़ा हैं, पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 16.1 प्रतिशत बढ़ा है, बिजली के इक्विप्मेंट का उत्पाद 28.3 प्रतिशत से बढ़ा है। विश्व व्यापार संगठन ने तो वैश्विक व्यापार के अनुमानों को 2.5 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया था, अर्थात 80 प्रतिशत की कमी, परंतु भारत के निर्यात तेजी से बढ़ रहे हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएम द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 सहित पूर्व के 9 वर्षों में भारत में 1.9 करोड़ रोजगार के अवसर प्रतिवर्ष निर्मित किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्मित रोजगार के अवसरों में मातृशक्ति की भागीदारी 41.7 प्रतिशत की रही है। भारत में प्रति व्यक्ति आय भी लगभग 2900 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर शीघ्र ही पहुंचने वाली है। विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो रही है। भारत ने 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर लिए हैं अथवा सम्पन्न करने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2027-28 में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत की अर्थ के लगभग समस्त क्षेत्रों में आकर्षक वृद्धि हम समस्त भारतीयों के लिए गर्व एवं आनंद का विषय होना चाहिए एवं इसमें और अधिक सुधार करने की दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था में हमें किसी भी प्रकार का व्यवधान खड़ा नहीं करना चाहिए, विशेष रूप से भारत के युवाओं (जेन-जी) को तो भारत की आर्थिक प्रगति में अपने योगदान को बढ़ाने के लिए गम्भीरता से विचार करना चाहिए।

-प्रहलाद सबनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते शनिवार को अनाज मंडी में उड़द बाजार तेजी के रहे। चना मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा देखा गया। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन में सुस्ती बनी रही। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार उड़द में पूछपरख से भावों में जोरदार तेजी आयी। चने में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन में सुस्ती बनी रही। उधर, किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4800-5000, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीर्ड?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3200, (200) 3500, (250) 4200,

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2680, सोया साल्वेंट 1385-1390, सोया रिफाइंड 1445-1450, कपास्या 1600, धूलिया 1610, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1700, मुम्बई पाम 1510, मुम्बई सोया 1495,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 5600-5800, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6650-6700, एवरेज 6500-6550, विशाल 6400-6525, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी पर ही रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 235000, चॉंदी (99) 234800, टंच 233200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150000,

आरबीआई ने ट्रांसयूनियन सिबिल समेत पांच कंपनियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का उल्लंघन किए जाने के मामले में पांच कंपनियों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक नेयह जानकारी दी। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, ट्रांसयूनियन सिबिल पर 26,82,800 रुपये, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 6,89,600 रुपये, इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 1,19,400 रुपये, सम्मान फिनसर्व पर 4.20 लाख रुपये और हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ट्रांसयूनियन सिबिल, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज और इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज निर्धारित अवधि के भीतर कुछ पात्र शिकायतकर्ताओं के बैंक खातों में मुआवजे की राशि जमा करने में विफल रहीं।

शुरुआती तीन दिन भारी बिकवाली, जन्माष्टमी पर मिली बढ़त शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह (अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में) भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा। शुरुआती दिनों में निवेशकों की धारणा पर वैश्विक नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में नए सिरे से उपजे संघर्ष का भारी असर पड़ा, जिससे प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, सप्ताह के अंत तक बाजार में कुछ सुधार देखा गया, जिससे गिरावट का सिलसिला थमा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट के साथ हुई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय निवेशकों को भी सहमा दिया। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर और निफ्टी 95 अंक टूटकर 24,080.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी यह दबाव

जारी रहा, हालांकि गिरावट मामूली थी, सेंसेक्स 12.99 अंक और निफ्टी 24.61 अंक फिसले। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली, जहां घरेलू जीडीपी के शानदार आंकड़ों की खुशी भू-राजनीतिक तनाव के साये में फीकी पड़ गई। अमेरिकी-ईरान संघर्ष की आशंकाओं और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के डर ने सेंसेक्स को एक समय 800 अंक से अधिक तोड़ दिया, हालांकि अंत में यह 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर और निफ्टी 141.35 अंक टूटकर 23,914.45 पर बंद हुआ। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद, गुरुवार (4 सितंबर 2026, जन्माष्टमी) को भारतीय बाजार में एक बार फिर मजबूत शुरुआत देखने को मिली। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 550 अंक से अधिक का उछाल आया, जो निवेशकों में उम्मीद की किरण जगाई। शुक्रवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा और प्रमुख सूचकांकों ने सप्ताह के मध्य में आई गिरावट के सिलसिले को समाप्त किया। विदेशी निवेश में वृद्धि और जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति ने बाजार को सहारा दिया, जिससे सेंसेक्स 363 अंक बढ़कर 76,515 पर और निफ्टी 24 अंक से अधिक बढ़कर 23,898 के नीचे बंद हुआ।

एआई की मार, भारतीय जीसीसी में पारंपरिक नौकरियों पर संकट

नई दिल्ली। एजेंसी। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालन भारत के वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में पारंपरिक नौकरियों पर भारी पड़ रहे हैं। क्वेस कॉर्प की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन नई तकनीकों से लेनदेन वित्त, खरीद, ग्राहक सहायता और सामान्य एनालिटिक्स जैसी नियमित भूमिकाओं की मांग में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि विशेषज्ञ और तकनीक-आधारित पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। 'जीसीसी 2.0ः द राइज ऑफ डिजिटल बिजनेस फंक्शन्स' रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में 2025 में प्रोक्योरमेंट रोल (खरीद से संबंधित भूमिकाएं) की मांग में सर्वाधिक 41.7 फीसदी की गिरावट आई है। इसी तरह, एनालिटिक्स भूमिकाओं में 37.9 फीसदी, ग्राहक सेवा में 34.5 फीसदी और वित्त व जोखिम प्रबंधन से जुड़े अवसरों में 32.8 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। क्वेस ने इस बदलाव का कारण स्वचालन, केंद्रीकरण और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कार्यों का पुनर्गठन बताया है। उदाहरण के लिए, लेनदेन संबंधी खरीद गतिविधियां अब तेजी से स्वचालित होकर रणनीतिक सोर्सिंग मॉडल में बदल रही हैं, वहीं ग्राहक सेवा भी स्वचालन और स्वयं सेवा विकल्पों की ओर अग्रसर है। रिपोर्ट बताती है कि जीसीसी डोमेन-आधारित इंटेलिजेंस और एआई-सक्षम एनालिटिक्स की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे सामान्य एनालिटिक्स भूमिकाओं में भी गिरावट आई है।

भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाएगा ऑस्ट्रेलिया, निजी क्षेत्र पर विशेष जोर

नई दिल्ली। एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रह निर्माण और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भागीदारी करना है। ऑस्ट्रेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में भारतीय कंपनियों के साथ तीन से पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ऑस्ट्रेड के व्यापार एवं निवेश आयुक्त नाथन डेविस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रहों के निर्माण व प्रक्षेपण सेवाओं, ट्रैकिंग और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के साथ मिलकर काम करना चाहता है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स में माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान भी एक संभावित क्षेत्र है। अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में ऑस्ट्रेलिया प्रौद्योगिकी देश भागीदार के रूप में भाग लेगा, जिसमें नौ कंपनियों और तीन विश्वविद्यालयों सहित 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सिडनी स्थित स्पेस मशीन्स और लैटकनेक्ट 60 जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर चुकी हैं, जबकि रिसर्चसैट जैसी कंपनियां भारत में भागीदार तलाश रही हैं। ऑस्ट्रेलिया का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 4.6 अरब का वार्षिक टर्नओवर और 17,000 रोजगार प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य इसे कुछ वर्षों में .12-13 अरब तक बढ़ाना है। दोनों देश भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया टेलीमेट्री ट्रैकिंग और क्रू-मॉड्यूल रिकवरी क्षमताओं में योगदान दे रहा है। भारतीय कंपनियां ऑस्ट्रेलिया की प्रक्षेपण सुविधाओं का उपयोग कर सकती हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां भारत के बढ़ते प्रक्षेपण पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठा सकती हैं।

मेष- आज का दिन कभी खुशी तो कभी थोड़ी चिंता का एहसास करा सकता है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को उदास कर सकती है, लेकिन खुद को ज्यादा परेशान न होने दें। कारोबार में नई पार्टनरशिप आपके लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है और पुरानी योजनाओं से अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, वरना बजट बिगड़ सकता है।

वृषभ- आज घर में रौनक और खुशियों का माहौल बना रहेगा। रिश्तेदारों का आना-जाना दिन को और खास बना सकता है, वहीं किसी शुभ कार्य की तैयारी घर में उत्साह भर देगी। ऑफिस में आपकी मेहनत और ईमानदारी बॉस को प्रभावित करेगी। बैंकिंग या फाइनेंस से जुड़े लोगों के सामने निवेश के अच्छे अवसर आ सकते हैं।

मिथुन- आज आपकी जुबान आपके लिए वरदान भी बन सकती है और परेशानी का कारण भी, इसलिए बोलने से पहले थोड़ा सोच लें। आपका मनमौजी रवैया परिवार वालों को परेशान कर सकता है। घर में किसी नए मेहमान के आने की खबर से खुशियां बढ़ेंगी। अचानक धन लाभ मिलने से दिन और भी शानदार हो सकता है।

कर्क- आज आपको हर कदम काफी सोच-समझकर उठाना होगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें और जल्दबाजी से बचें। संतान के साथ बिताया गया समय रिश्ते में प्यार और अपनापन बढ़ाएगा। अचानक पुराने प्यार से मुलाकात हो जाए तो भावनाएं जरूर जाग सकती हैं, लेकिन भावनाओं में बहकर कोई ऐसा कदम न उठाएं जिससे वर्तमान रिश्तों में तनाव पैदा हो। आज संयम और समझदारी ही आपको हर उलझन से सुरक्षित निकाल सकती है।

सिंह- विद्यार्थियों के लिए आज का दिन किसी अच्छी खबर के साथ मुस्कान ला सकता है। परीक्षा का परिणाम उम्मीद के मुताबिक आने की संभावना है। ऑफिस में बॉस आपके काम के साथ-साथ आपके सुझावों की भी सराहना करेंगे। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने से जीवन थोड़ा आरामदायक महसूस होगा। अपनी कमजोरियों को पहचानकर उनमें सुधार करेंगे तो सफलता की रफ्तार और तेज हो जाएगी।

कन्या- आज उन्नति और नए अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकते हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाहा मौका मिलने की उम्मीद है। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का विचार भी पूरा हो सकता है। परिवार में चल रही किसी कलह को सुलझाने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ सकती है, लेकिन आपकी समझदारी से माहौल बेहतर होगा। किसी रिश्तेदार के घर दावत या खुशी के मौके पर जाना मन को हल्का करेगा और दिन में अपनापन भर देगा।

तुला- आज आपकी मेहनत ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई महत्वपूर्ण पद या जिम्मेदारी मिलने से सम्मान बढ़ सकता है। परिवार के बड़े सदस्यों के साथ बैठकर किसी अहम फैसले पर चर्चा होगी और उनकी सलाह काफी काम आएगी। संतान की ओर से मिली अच्छी खबर मन को खुशी देगी। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय सावधानी रखें, क्योंकि जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लाभ और नए अवसरों से भरा रह सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में किसी बड़े फायदे का रास्ता खोल सकती है। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने के संकेत हैं और जरूरत के समय आर्थिक मदद भी आसानी से मिल सकती है। संतान के लिए नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है। जीवनशैली में बदलाव और कोई नई खरीदारी आपको भीतर से काफी उत्साहित करेगी। आज भविष्य की कोई महत्वपूर्ण योजना भी आकार ले सकती है।

धनु- आज भागदौड़ काफी रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर आपका ध्यान केंद्रित रहेगा। संतान के भविष्य से जुड़े किसी कोर्स या पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। माता-पिता का आशीर्वाद किसी अटके हुए काम को पूरा कराने में मदद करेगा। हालांकि, सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। ऑफिस में लापरवाही से बॉस नाराज हो सकते हैं।

मकर- आज एक साथ कई जिम्मेदारियां आपके सामने आ सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी और व्यवस्थित सोच हर काम को सही दिशा देगी। नए काम की शुरुआत में परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने पर बीती यादें फिर से ताजा हो सकती हैं।

कुंभ- आज सकारात्मक ऊर्जा आपके साथ रहेगी और मेहनत के अच्छे परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं। यात्रा या घूमने के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। अपनी जिम्मेदारियों को हल्के में न लें।

मीन- आज कुछ परिस्थितियां आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं, लेकिन समझदारी से काम लेंगे तो हर मुश्किल का रास्ता निकाल लेंगे। जीवनसाथी आपकी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए बातचीत के दौरान शब्दों का चुनाव सावधानी से करें।

शब्दजाल - 8372

न	ख	रे	बा	ज	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	चा	इ	ता	प
कि	स्से	बा	ज	बा	छ	ची	ल	रा	क	त्ते
री	ज	र	दो	पु	धो	खे	बा	ज	त	बा
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	ज	ग	व	ज
अ	द	फि	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
खा	ले	म	क	या	झां	र	जां	बा	ज	ल
ड़े	र्ज	ल्जा	ई	रे	से	क	गो	लो	श	ण
बा	बा	म	न	ब्र	बा	य	री	श	प	क
ज	दु	आ	प	व	ज	ज	ऐ	बें	हा	त
क	ब	ल्ले	बा	ज	ल	गा	य	द	प	थ

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'बाज' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

बल्लेबाज, झांसेबाज, चालबाज, जांबाज, किस्सेबाज, अखाड़ेबाज, फिकरेबाज, नखरेबाज, पत्तेबाज, धोखेबाज

शब्दजाल - 8371 का हल

श	रा	अं	धे	रा	उ	जा	ला	झ	क	चि
खा	ली	भ	रा	रिं	लै	ता	भ	शा	को	चि
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	हा	र	जी	त
प	म	दा	च	ल	क	ड़	नि	दा	र	प
व	पा	र	स्व	र्ग	न	र्क	चि	स	र	ट
ह	स	प	ए	द्दा	ह	ला	पू	झ	न	ती
ट	दू	बु	अ	डी	म	ट	ह	रा	ह	क
बा	र	वा	ला	क	चो	सौ	न	ट	आ	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दी	ने	दा	र	धा
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	म	र्द	औ	र	त	ख	ला	ह	ट

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 249 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 19.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 19.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 09.45 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.42 बजे तदनन्तर विष्टि 19.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 31'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872824
जूलियन दिन 2461289.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 23

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.34 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.45 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.00 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.16 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.21 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.07 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.11 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.51 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.49 बजे से
4.30 से 6.00		कर्क	02.02 बजे से
बजे तक		सिंह	04.18 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7316

1		2	■	3		4	■	5	■
	■	6			■	7			
8			■	9	10		■		■
	■	■	11	■		■	12		13
14	15	16		■	17			■	
■	18		■	19	■	■	20		
21	■		■	22		23	■	■	
24		■	25		■	26			■
	■	27		■	28		■	■	29
30		■	31		■	32			

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7315

उ	त्स	व	■	चि	श	ग	■	खौ	फ
स्ता	■	च	रि	त्र	■	म	स्त	■	र
द	म	न	■	ले	कि	न	■	शा	दी
■	यों	■	रे	खा	■	■	ना	गि	न
अं	दा	ज	■	■	प्या	सा	■	दें	■
गू	■	मा	चि	स	■	ज	ख्मी	■	जं
र	बी	ना	■	ल	गा	न	■	जं	ग
■	र	■	हे	मा	■	■	सी	■	ली
बे	ता	बी	■	न	या	ज	मा	ना	■
दा	■	ना	ना	■	दे	■	■	म	स्ती

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच की राह

यह उस समय की बात है जब महादेव गोविंद रानाडे बालक थे। एक दिन वह घर में अकेले थे। उनका मन नहीं लग रहा था। वह बाहर बरामदे में खड़े-खड़े सोच रहे थे कि क्या करें। तभी उन्हें ख्याल आया कि कोई ऐसा खेल खेलना चाहिए जो अकेले खेला जा सके। उन्होंने सोचा क्यों न चौपड़ ही खेल लूं। उन्होंने मकान के एक खंभे को अपना साथी बनाया। खंभे के लिए अपना दायां हाथ व अपने लिए बायां हाथ निश्चित किया। फिर उन्होंने खेलना आरंभ किया। पहले दाएं हाथ से पासा फेंका। यह था खंभे का दांव। फिर बाएं हाथ से पासा फेंका। यह दांव उनका अपना था। थोड़ी ही देर में रानाडे हार गए। रानाडे को पता नहीं था कि उनका खेल सामने सड़क पर खड़े कुछ लोग देख रहे थे। उन्होंने पूछा, 'क्यों भैया, तुम खंभे से हार गए?' इस पर रानाडे बोले, 'क्या करूं? बाएं हाथ से पासा फेंकने की आदत नहीं है। खंभे का दाहिना हाथ था, सो वह जीत गया।' जब उनसे यह पूछा गया कि उन्होंने दायां हाथ अपने लिए और बायां हाथ खंभे के लिए क्यों नहीं रखा, तो रानाडे बोले, 'हार गया तो क्या हुआ। कोई मुझे बेईमान तो नहीं कह सकता न। अपने लिए दायां हाथ रखता और बेजान खंभे के लिए बायां, तो बेईमान कहलाता। बेचारे खंभे के साथ अन्याय हो जाता। अन्याय करना तो बहुत ही बुरा होता है।' रानाडे की बात सुनकर लोग भौंचक रह गए। सच के प्रति रानाडे की यह भावना आजीवन बनी रही।

सूडोकु नवताल- 7625

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7624 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8840

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8839 का हल

वृ	क्ष	■	अ	रा	ध	ना	■	जु
■	मा	न	क	■	ड़	■	ब	र्म
अ	■	स	ड़	न	■	सु	र	■
चा	ल	■	■	त	■	ब	खा	न
न	■	आ	रा	म	दे	ह	■	न
क	म	रा	■	स्ता	■	■	भा	दों
■	री	म	■	क	ब	रा	■	ई
मौ	ज	■	रा	■	र	स	म	■
त	■	को	ह	रा	म	■	स्ता	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में शनिवार को भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कर्राहे रहे। इस अवसर पर कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति के व्यवस्थापक-सचिव विजय रामटेक्कर, सदस्य योगेश रामटेक्कर, सह सचिव श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर, खंड कार्यवाह योगेंद्र दहिकर, सांसद प्रतिनिधि राकेश रामटेक्कर, विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस, विधायक प्रतिनिधि कैलाश पुरी गोस्वामी, पूर्व छात्र आदित्य रामटेक्कर, विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी एवं प्रधानाचार्य सदरुलाल बोहने मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती, मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद वाणी वंदना हुई। शाला नायक गौरव जगने ने अतिथियों का तिलक-वंदन कर स्वागत किया। समिति की ओर से विधायक राजकुमार कर्राहे का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

गुरु बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर देता है नई दिशा-विधायक कर्राहे

मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे की प्रथम गुरु उसकी मां होती है और इसके बाद उसके जीवन में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान होता है। शिक्षक बच्चों की प्रतिभा और रुचि को पहचानकर उन्हें सही दिशा देने का कार्य करता है। प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष गुण अवश्य होता है, जिसे एक शिक्षक पहचानकर उसके माता-पिता तक पहुंचाता है और बच्चे की रुचि के अनुसार उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने शतरंज के विश्व चैंपियन डी. गुकेश का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें विश्व स्तर तक पहुंचाने में गुरु के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि गुरु एक अच्छे मार्गदर्शक की तरह होता है, जो विद्यार्थी के भविष्य को संवारने का कार्य करता है।

विधायक ने साझा की विद्यालय से जुड़ी यादें

विधायक कर्राहे ने कहा कि वे स्वयं सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्र रहे हैं और इसी विद्यालय में कक्षा नायक एवं शाला नायक का दायित्व भी निभा चुके हैं। उन्होंने अपने गुरुजनों को स्मरण करते हुए कहा कि अध्ययन के दौरान उनके शिक्षकों ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए भविष्य में लांजी क्षेत्र का विधायक बनने की बात कही थी। आज उस बात को याद करते हुए वे अपने गुरुजनों के चरणों में शत-शत नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालयों के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को शासन की ओर से पुस्तक, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं, लेकिन निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने निजी विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को भी ऐसी सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ें, यही उनकी आशा और अपेक्षा है तथा वे विद्यार्थियों और विद्यालय के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

शिक्षक दीपक की तरह स्वयं जलकर देते हैं प्रकाश-प्राचार्य

विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक, दार्शनिक एवं महापुरुष थे, जिन्होंने देश के उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया। शिक्षक उस दीपक के समान होता है, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक छोटे से बच्चे को संस्कार और शिक्षा देकर अच्छा नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो आगे चलकर अपने परिवार, समाज, विद्यालय और देश का नाम रोशन करता है। उन्होंने शिक्षकों के सम्मान और उनकी गरिमा बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षण व्यवस्था में अनावश्यक राजनीति का प्रवेश उचित नहीं है। हमें डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों और मार्गदर्शन का अनुसरण करना चाहिए।

आचार्य परिवार का किया सम्मान

शिक्षक दिवस के अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा विद्यालय के समस्त आचार्य परिवार को स्टील थर्मस एवं वाटर बॉटल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय के भैया-बहनों ने भी अपने गुरुजनों का आरती उतारकर सम्मान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को मिष्ठान वितरित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन छात्रा कुमारी भावना भोंडेकर ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्य परिवार, भैया-बहनों सहित बड़ी संख्या में उपस्थितजनों ने सहभागिता की।

पाली एकेडमी इंस्टीट्यूशन बिसोनी में जन्माष्टमी और शिक्षक दिवस की रही धूम

राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में सजे नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन, शिक्षकों के सम्मान में विद्यार्थियों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। लांजी। बिसोनी स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान पाली एकेडमी इंस्टीट्यूशन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का संयुक्त आयोजन हर्षोल्लास, भक्ति और सांस्कृतिक रंगों के साथ किया गया। नर्सरी से कक्षा दसवीं तक के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टाफ की सहभागिता रही।

राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नर्सरी एवं प्राथमिक विभाग के छोटे बच्चे रहे। राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजे बच्चों ने अपनी मासूम अदाओं, बाल-लीलाओं और मनोहारी प्रस्तुतियों से सभी का मन जीत लिया। बच्चों के आकर्षक रूप और प्रस्तुतियों ने विद्यालय परिसर में भक्तिमय वातावरण बना दिया। इस दौरान 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' जैसे भजनों से पूरा परिसर गूंज उठा।

डॉ. राधाकृष्णन को किया नमन, शिक्षकों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दूसरे चरण में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद् एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के सम्मान में गीत, भाषण एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन को जीवन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया।

ज्ञान और संस्कार ही जीवन की सच्ची पूंजी-वंदना वैद्य

इस अवसर पर विद्यालय की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होते हैं और बच्चे देश का भविष्य हैं। जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का एक साथ आयोजन ज्ञान, संस्कार और संस्कृति के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने अपने संबोधन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों और संस्कारों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों की सराहना करते हुए सभी शिक्षकों एवं स्टाफ को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

शिक्षकों और स्टाफ का रहा विशेष योगदान

कार्यक्रम विद्यालय की संचालिका के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन की तैयारियों से लेकर कार्यक्रम के संचालन एवं व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अशैक्षणिक स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों और उत्साह से विद्यालय परिसर देर तक भक्तिमय एवं उत्सवमय वातावरण में सराबोर रहा।

शिक्षक दिवस पर एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल में शिक्षकों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगांव में शनिवार, 5 सितंबर 2026 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस श्रद्धा, उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संचालक श्री ए.आर. कुशले एवं प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले ने मां सरस्वती, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने कक्षावार अपने-अपने कक्षा शिक्षकों के साथ केक काटकर उत्सव मनाया। इसके बाद विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का विद्यार्थियों द्वारा तिलक-वंदन कर पेन भेंट करते हुए सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के संचालक ए.आर. कुशले ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन, चरित्र एवं जीवन मूल्यों की शिक्षा देकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से संचालक श्री कुशले द्वारा सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शाल, श्रीफल एवं पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर शिक्षक कमलेश ठाकरे, रोहित चंदेल, शुभम मेश्राम, सुरेंद्र देवाहे, सप्नील श्रीवास, साहिद रजा खान, तुलसीदास रामावत, सिद्धार्थ नागदेवे, अमन ठाकरे सहित शिक्षिकाओं सुश्री सुनीता नखाते, हीना तेलासे, रानू दखने, भागरता ठाकरे, हेमलता बिसेन, यशोदा कलपुरे, सोनम कौशल, बबीता रोकड़े, निशा बिसेन, दीपिका आठोडे, सरिता टाण्डेकर, सुनीता ठाकरे, प्रियंका राहंगडाले, वंदना बागमारे, कल्पना टोण्डरे, देवेश्वरी चौहान, पुष्पा आसटकर, सरिता झगराहे, ज्योति ठाकरे, प्रिया पारधी, द्रोपती बाहे, आकृती ढोगे, आंचल उके, रजनी दखने, शौरित नागेश्वर, अश्विनी भागड़कर, पायल बल्लारे, किरणबाला बेदरे, मनीषा कटरे, प्रितिबाला बेदरे, सरिता बिहोने, दीपिका बोरकर, भारती मानकर, हिमानी रिन्हायत एवं रूची श्रीवास की उपस्थिति रही।

बीमारी से जूझते नन्हे बैगाओं के बीच पहुंचे विधायक कर्राहे

बच्चों के सिर पर रखा स्नेह का हाथ, परिजनों से की आत्मीय चर्चा; भोजन व मच्छरदानियों का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। वनांचल की पगडंडियों से बीमारी से जूझते हुए सिविल अस्पताल तक पहुंचे बैगा समुदाय के मासूम बच्चों के चेहरों पर भले ही बीमारी की थकान नजर आ रही थी, लेकिन शनिवार को जब उनके बीच लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे पहुंचे तो माहौल में अपनापन और संवेदना का भाव दिखाई दिया। विधायक ने अस्पताल में भर्ती बच्चों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली तथा परिजनों से आत्मीयता के साथ चर्चा करते हुए उनकी परेशानियों को जाना। आदिवासी अंचल में बीमारी के चलते इन दिनों बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए सिविल अस्पताल लांजी पहुंच रहे हैं। इसी को देखते हुए विधायक कर्राहे ने अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने एक-एक मरीज के पास जाकर उनका हालचाल पूछा और डॉक्टरों से उपचार एवं स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। खासकर अस्पताल में भर्ती बैगा समुदाय के बच्चों और उनके परिजनों से उन्होंने संवेदनशीलता के साथ बातचीत की। इस दौरान बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े ने विधायक को बताया कि लांजी क्षेत्र के वनांचल ग्रामों के साथ-साथ बिरसा विकासखंड के विभिन्न गांवों से भी मरीज उपचार के लिए सिविल अस्पताल पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य अमले द्वारा सभी मरीजों को समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है।

भूखे न रहें मरीज, इसलिए चल रही निःशुल्क भोजन व्यवस्था

अस्पताल निरीक्षण के दौरान विधायक कर्राहे ने आशा सामाजिक कल्याण संघ, बालाघाट द्वारा मरीजों और उनके परिजनों के लिए संचालित निःशुल्क भोजन व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने स्वयं अपने हाथों से अस्पताल में भर्ती मरीजों को भोजन वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवा और उपचार के साथ पौष्टिक भोजन भी बेहद जरूरी है। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं द्वारा आगे आकर की जा रही सेवा समाज के लिए प्रेरणादायी है। इसके बाद नगर के सामाजिक कार्यकर्ताओं विजय आसटकर एवं आदित्य रामटेक्कर द्वारा अस्पताल में भर्ती मरीजों को विधायक कर्राहे के हाथों मच्छरदानियों का वितरण किया गया। वनांचल क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के स्वास्थ्य को देखते हुए यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

24 बच्चों के परिवारों को सहायता राशि, अधिकांश को मिली मदद

विधायक कर्राहे ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लांजी आगमन के दौरान जिन 24 बच्चों के परिजनों के लिए सहायता राशि स्वीकृत की गई थी, उनमें से 50 प्रतिशत से अधिक हितग्राहियों को सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। शेष हितग्राहियों के खातों में राशि पहुंचाने में बैंक खाते से संबंधित कुछ तकनीकी परेशानियां सामने आई हैं। इन समस्याओं के निराकरण के लिए जिला कलेक्टर द्वारा संबंधित हितग्राहियों को कार्यालय बुलाया जा रहा है, ताकि खाते से जुड़ी दिक्कतों को दूर कर शीघ्र ही शेष राशि भी उनके खातों में पहुंचाई जा सके। बीमारी से जूझ रहे इन मासूम बच्चों और उनके परिवारों के बीच विधायक का पहुंचना न केवल जनप्रतिनिधि की संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि यह भरोसा भी देता है कि कठिन समय में वे अकेले नहीं हैं। वनांचल से अस्पताल तक पहुंचे इन परिवारों को उपचार के साथ सहारे और अपनत्व की भी जरूरत है, और इसी भावना के साथ विधायक कर्राहे ने बच्चों एवं उनके परिजनों के बीच पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाया।

बैगा पशुपालकों के पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और टीकाकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी के ग्राम पंचायत देवरबेली अंतर्गत बैगा ग्राम टेमनी में शुक्रवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग की टीम द्वारा मैदानी भ्रमण कर बैगा आदिवासी पशुपालकों के पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं टीकाकरण किया गया। यह कार्रवाई उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, बालाघाट डॉ. घनश्याम परते के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार की गई। मैदानी भ्रमण के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक उपचार एवं औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के अंतर्गत लांजी विकासखंड के बैगा हितग्राही पशुपालकों के पशुओं का भी स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। पशुधन को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पशुओं को गलघोंटू (एचएस) एवं ब्लैक क्वार्टर (बीक्यू) रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण भी किया गया। विभाग की टीम ने पशुपालकों को पशुओं की नियमित देखभाल, समय पर उपचार तथा टीकाकरण के महत्व की जानकारी भी दी। इस मैदानी भ्रमण एवं पशु चिकित्सा गतिविधि का नेतृत्व विकासखंड पशुचिकित्सा अधिकारी लांजी डॉ. प्रियांश वासनिक ने किया। उनके साथ चलित पशु चिकित्सा इकाई 1962 लांजी के पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. सुयश चौहान, पैरावेट विनय बसेना तथा ड्राइवर-कम-अटेंडेंट सहदेव बांगरे उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों से की चर्चा

भ्रमण के दौरान देवरबेली-बेलगांव क्षेत्र के जनपद सदस्य महेश चौधरी एवं बेलगांव के उपसरपंच गुणेश्वर पांचे से भी डॉ. प्रियांश वासनिक ने विशेष भेंट की। इस दौरान क्षेत्र के पशुपालकों, विशेषकर बैगा जनजाति के पशुपालकों के हित में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, पशु चिकित्सा सुविधाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में पशुपालकों को उनके गांव में ही सुलभ पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने, पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा करने तथा पशुपालकों की आय एवं आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से नियमित रूप से मैदानी भ्रमण, उपचार एवं टीकाकरण जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी में उत्साहपूर्वक मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत की आकर्षक झांकियां, नृत्य और मटकी फोड़ प्रतियोगिता में दिखाया उत्साह

पद्मेश न्यूज। लांजी। कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी स्कूल भानेगांव में 3 सितंबर 2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं बाल लीलाओं पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं। विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में भक्ति और उत्सव का रंग भर दिया। वहीं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ परमेश्वर कुथे, सचिव, एकल अभियान संच लांजी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात मां सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में पी.एस. कुथे ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, उनकी बाल लीलाओं, श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता तथा भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए उपदेशों का वर्णन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर सत्य, प्रेम, मित्रता और कर्तव्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। समापन अवसर पर संस्था संचालक महेंद्र कुथे ने विद्यार्थियों को आपसी मित्रता, प्रेम, सहयोग और सद्भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। अंत में सभी छात्र-छात्राओं को प्रसाद का वितरण किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आसमान में बादल खेतों में बीमारी का कहर धान पर तना छेदक माहू का हमला-किसान परेशान

लगातार बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, फसल पीली पड़ने के साथ गिरने लगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में इस वर्ष मानसून की मेहरबानी से किसानों के चेहरे पर खुशी लौट आई थी। पर्याप्त बारिश से धान की फसल लहलहा रही थी और अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी थी। लेकिन अब यही बारिश किसानों के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। लगातार बारिश और आसमान में छाए बादलों के कारण धान की फसल में बीमारी का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है।धान की फसल में तना छेदक और माहू का प्रकोप दिखाई देने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कई खेतों में फसल पीली पड़ने लगी है तो कहीं पौधे कमजोर होकर गिर रहे हैं। लगातार नमी और धूप की कमी से बीमारी फैलने का खतरा और बढ़ गया है। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि बारिश के कारण किसान खेतों में दवा का छिड़काव तक नहीं कर पा रहे हैं। किसानों को आशंका है कि यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो मेहनत और लागत के बावजूद फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कायदी सहित आसपास के दर्जनों गांवों में बढ़ी परेशानी

बालाघाट जिले का ग्राम कायदी कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहां अधिकांश परिवारों की आजीविका खेती पर निर्भर है। धान की फसल इस क्षेत्र के किसानों की आर्थिक स्थिति का प्रमुख आधार है। लेकिन इस समय फसल में बीमारी के प्रकोप ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कायदी के साथ ही आसपास के दर्जनों गांवों में भी किसान इसी समस्या से जूझ रहे हैं।पदमेश न्यूज़ ने क्षेत्र के किसानों से चर्चा कर फसल की मौजूदा स्थिति और उनकी परेशानियों को जाना।

कृषि विभाग से सलाह लेकर करें दवा का उपयोग-जितेंद्र नगरगड़े

ग्राम पंचायत कायदी के सरपंच प्रतिनिधि एवं कृषक जितेंद्र नगरगड़े ने बताया कि वर्तमान में धान की फसल की स्थिति चिंताजनक है। फसल में माहू और तना छेदक का प्रकोप दिखाई दे रहा है। लगातार बारिश और बादल छाए रहने के कारण खेतों में नमी बनी हुई है जिसका सीधा असर फसल पर पड़ रहा है।उन्होंने किसानों से अपील की कि बिना जानकारी के दवा का उपयोग करने के बजाय कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर बीमारी के अनुसार उचित दवा का चयन करें और मौसम साफ होने पर उसका छिड़काव करें।

अच्छी फसल पर बारिश ने फेर दिया पानी- कृषक आशाराम सुलाखे

कृषक आशाराम सुलाखे ने बताया कि कुछ समय पहले तक फसल की स्थिति काफी अच्छी थी और इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी। लेकिन लगातार बारिश के कारण फसल में बीमारी का प्रकोप बढ़ गया है। तना छेदक और माहू के कारण धान की पत्तियां प्रभावित हो रही हैं और फसल पीली पड़ने लगी है।उन्होंने बताया कि बारिश के बीच दवा का छिड़काव करना भी बेअसर साबित हो सकता है क्योंकि दवा डालने के बाद बारिश होने पर वह पानी के साथ बह जाएगी। यही वजह है कि किसान बीमारी देखते हुए भी दवा का छिड़काव नहीं कर पा रहे हैं।

एक महीने से लगातार बारिश से लाल-पीली पड़ रही धान की पत्तियां-संजय माहुले

कृषक संजय माहुले ने बताया कि इस वर्ष फसल की शुरुआत अच्छी रही और बारिश भी फसल के अनुकूल हुई। लेकिन करीब एक महीने से लगातार पानी गिरने के कारण अब धान की फसल में माहू और तना छेदक का प्रकोप बढ़ गया है।उन्होंने बताया कि बीमारी के कारण धान की पत्तियां लाल-पीली पड़ रही हैं और किसान परेशान हैं। कई किसानों ने बीमारी की रोकथाम के लिए दवाइयां खरीद भी ली हैं लेकिन बारिश के कारण उनका छिड़काव नहीं कर पा रहे हैं। किसानों के अनुसार दवा के छिड़काव के बाद कुछ घंटे तक बारिश न होना जरूरी है तभी उसका उचित असर फसल पर हो सकेगा।

फसल पीली पड़ने के साथ गिर भी रही।चिंता बढ़ी - सुखलाल बाजनघाटे

कृषक सुखलाल बाजनघाटे ने बताया कि लगातार बारिश के कारण फसल की स्थिति काफी खराब हो चुकी है। माहू और तना छेदक के प्रकोप से धान पीला पड़ता जा रहा है और कई जगह फसल गिरने लगी है।उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह आसमान में बादल छाए रहे और बारिश का दौर जारी रहा तो किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। रोपाई में पहले ही काफी खर्च हो चुका है जिसके चलते उन्होंने अभी तक बीमारी की रोकथाम के लिए दवा नहीं खरीदी है।

बारिश बनी दोहरी मार

एक ओर बारिश ने धान की फसल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया वहीं अब लगातार बारिश और बादलों ने किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। फसल में बीमारी का प्रकोप पौधों का पीला पड़ना और गिरना तथा समय पर दवा का छिड़काव नहीं कर पाना इन परिस्थितियों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।अब किसानों की नजर मौसम के साफ होने और कृषि विभाग की सलाह पर टिकी है ताकि समय रहते फसल को बीमारी के प्रकोप से बचाया जा सके और इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद को बरकरार रखा जा सके।

फेफड़ों का कैंसर अब केवल धूम्रपान करने वालों की बीमारी नहीं-विशेषज्ञ

भोपाल। एजेंसी। एम्स भोपाल में फेफड़ों के कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें बीमारी के बदलते स्वरूप, जोखिम कारकों, समय पर निदान और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर

चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम एम्स भोपाल के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग ने विकिरण चिकित्सा, शल्य ऑन्कोसर्जरी और रेडियोडायग्नोसिस विभागों के सहयोग से आयोजित किया।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, दिल्ली के वक्ष ऑन्कोसर्जरी प्रमुख डॉ. एल. एम. दारलोंग ने कहा कि फेफड़ों का कैंसर अब केवल धूम्रपान करने वाले पुरुषों तक सीमित नहीं है। महिलाओं, कम उम्र के लोगों और कभी धूम्रपान नहीं करने वालों में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन समूहों में एडेनोकार्सिनोमा अधिक देखने को मिल रहा है। डॉ. दारलोंग ने तंबाकू और धूम्रपान के साथ वायु प्रदूषण तथा पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म कणों को भी फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि फेफड़ों के कैंसर और तपेदिक के कुछ लक्षण समान हो सकते हैं, इसलिए लंबे समय तक बने रहने वाले लक्षणों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए और समय पर उचित जांच जरूरी है। व्याख्यान में सीटी-गाइडेड ट्रूकट बायोप्सी, ब्रोंकोस्कोपिक एवं थोरैकोस्कोपिक लंग बायोप्सी, टीएनएम अवस्था निर्धारण तथा मरीज की स्थिति के अनुसार शल्य चिकित्सा, विकिरण चिकित्सा और कीमोथेरेपी की भूमिका समझाई गई। वास्तविक मरीजों के मामलों पर चर्चा के माध्यम से उपचार संबंधी निर्णयों और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर और स्नातकोत्तर विद्यार्थी शामिल हुए। अंत में विशेषज्ञ के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने निदान, स्टेजिंग और उपचार से जुड़े सवाल पूछे।

राहुल गांधी देश का अपमान करना, सनातन का विरोध करना और तुष्टिकरण की राजनीति बंद कर दें, तो देश का युवा उन्हें गंभीरता से लेगा - अनुराग ठाकुर

इन्दौर। एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर एक शैक्षणिक संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल होने आज इन्दौर आए और एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा में कांग्रेस और गांधी परिवार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते राष्ट्रगीत को लेकर कांग्रेस पर बड़ा सवाल दागा। ठाकुर ने चर्चा में राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि यदि राहुल गांधी देश का अपमान करना, सनातन का विरोध करना और तुष्टिकरण की राजनीति बंद कर दें, तो देश का युवा उन्हें गंभीरता से लेना शुरू कर सकता है। उन्होंने कांग्रेस और गांधी परिवार पर संविधान और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया। साथ ही इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कांग्रेस के पुराने राजनीतिक फैसलों को लेकर भी सवाल उठाए। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के पूर्ण गायन को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा राष्ट्रगीत को सम्मान देने से जुड़े प्रावधान किए गए हैं, लेकिन कांग्रेस के पास राष्ट्रगीत के लिए 3 मिनट 10 सेकंड निकालने तक का समय नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी मिलकर भी राष्ट्रगीत के लिए 3 मिनट 10 सेकंड क्यों नहीं निकाल पाते? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यक्रमों में पूर्ण राष्ट्रगीत क्यों नहीं बजता हैं, क्यों नहीं गाया जाता है ? उन्होंने केंद्र सरकार के एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि देशभर में करोड़ों पेड़ लगाए गए और लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में हुए पौधारोपण अभियान को भी ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इंदौर लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शहर में धार्मिक पर्यटन, आईटी और औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने से यहां लगातार लोगों की आवाजाही बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाई है। विकसित भारत 2047 की बात करते है तो वहां हर राज्य एक बड़ी भूमिका होती है और मध्यप्रदेश के युवाओं ने ठाना है कि मध्यप्रदेश को विकसित मध्यप्रदेश बनाना है।

आयोग की साइट पर एरर के चलते आवेदन न कर पाने वाली छात्रा को राहत, आयोग को साइट खोलने के निर्देश

इन्दौर। एजेंसी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ ने मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा परीक्षा-2026 की प्रारंभिक परीक्षा पास कर चुकी हरियाणा के झज्जर निवासी छात्रा ज्योति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई उपरांत उसे राहत देते उसके लिए पोर्टल खोलने और विलंब शुल्क के साथ आवेदन लेने के निर्देश आयोग को दिए है। छात्रा ज्योति ने दायर याचिका में कोर्ट को बताया था कि उन्होंने राज्य सेवा परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जिसका परिणाम 22 मई 2026 को घोषित हुआ था। मुख्य परीक्षा के लिए 28 अगस्त 2026 तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन जमा करना था। तकनीकी खामी के कारण वह तय समय में फॉर्म सबमिट नहीं कर सकी। उसने इस संबंध में 30 अगस्त को एमपीपीएससी को ई-मेल भेजा था जिसमें पोर्टल पर आए एरर का स्क्रीनशॉट भी था।

शिक्षा को प्राथमिकता दिए बिना मध्यप्रदेश का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता

भोपाल। एजेंसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी आज भोपाल के नीलम पार्क में पद वृद्धि की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों एवं शिक्षकों के धरने में शामिल हुए। उन्होंने आंदोलनकारियों से संवाद किया और उनकी मांगों को सुना।

पटवारी ने वर्ग-1 शिक्षक भर्ती 2023 में पद वृद्धि, शिक्षक भर्ती 2025 वर्ग-2 एवं वर्ग-3 में पद वृद्धि तथा प्रदेश में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने आंदोलनकारियों के साथ शिक्षा बचाओ, स्कूल बचाओ—पद बढ़ाओ, पद बढ़ाओ के नारे के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। वर्ग-1 शिक्षक भर्ती 2023 में पद वृद्धि की मांग को लेकर ला ?ली बहनें भी अनशन पर बैठी हैं। आंदोलनकारियों के अनुसार 24 अगस्त 2026 से चल रहे अनिश्चितकालीन अनशन में शामिल अनशनकारियों से जीतू पटवारी ने संवाद किया तथा उन्हें खाना खिलाकर अनशन समाप्त कराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। पटवारी ने कहा कि शिक्षक दिवस के दिन शिक्षकों और शिक्षा की बदहाल स्थिति मध्यप्रदेश को शर्मसार करने वाली है। जब तक शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी जाएगी और शिक्षक को सम्मान एवं पर्याप्त संख्या में नियुक्ति नहीं मिलेगी, तब तक प्रदेश का भविष्य मजबूत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सरकार विज्ञापनों में मध्यप्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में

नंबर वन बताती है, सांदीपनि स्कूलों का प्रचार करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक है। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश में वर्ग-1, वर्ग-2, वर्ग-3 तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग में बड़ी संख्या में पद खाली हैं। लगभग 3 लाख पदों के रिक्त होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके बावजूद सरकार द्वारा पद खाली नहीं होने की बात कहना प्रदेश के युवाओं और शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार को शिक्षा विभाग के रिक्त पदों और अनुसूचित जाति के बैकलॉग पदों को तत्काल भरने के लिए ठोस निर्णय लेना चाहिए। श्री पटवारी ने कहा कि अतिथि शिक्षकों के प्रति उनका कोई विरोध नहीं है। वर्षों से प्रदेश के स्कूलों में सेवाएं दे रहे अतिथि शिक्षकों ने कठिन परिस्थितियों में बच्चों को पढ़ाने का काम किया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि बड़ी संख्या में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करते हुए उनके नियमितीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाया जाए।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शिक्षकों, शिक्षक अभ्यर्थियों और छात्रों के अधिकारों की इस लड़ाई में उनके साथ खड़ी है। सरकार को विज्ञापनों और घोषणाओं से आगे बढ़कर जमीन पर निर्णय लेने होंगे। उन्होंने कहा शिक्षक सम्मान के अधिकारी हैं, उपेक्षा के नहीं। स्कूलों को शिक्षक चाहिए, युवाओं को रोजगार चाहिए और बच्चों को बेहतर शिक्षा चाहिए। सरकार को पद वृद्धि और रिक्त पदों की भर्ती का तत्काल निर्णय लेना चाहिए। जब तक शिक्षकों और युवाओं की मांगें पूरी नहीं होतीं, कांग्रेस उनकी आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की पहल पर बस्तर संभाग में खुलेंगे 29 नवीन धान उपार्जन केंद्र

रायपुर। एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर संभाग के किसानों को बड़ी सौगात दी है। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के निर्देश और विशेष पहल पर खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी खरीफ विपणन वर्षों के लिए संभाग में 29 नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। बस्तर संभाग के दूरस्थ, वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन धान उपार्जन केंद्र खुलने से किसानों को अब समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। इससे धान परिवहन में लगने वाले समय, श्रम और खर्च की बचत होगी। साथ ही पहले से संचालित उपार्जन केंद्रों पर किसानों का दबाव कम होगा तथा धान खरीदी व्यवस्था अधिक सुगम, व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगी। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर संभाग की भौगोलिक परिस्थितियों और दूरस्थ गांवों में रहने वाले किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवीन धान उपार्जन केंद्रों की अनुमति दिलाई गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और नजदीकी क्षेत्र में धान बेचने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। किसान अपने गांव अथवा आसपास के क्षेत्र में सुविधाजनक तरीके से धान बेच सकें, इसी उद्देश्य से उपार्जन केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है। अनुमति प्राप्त 29 नवीन धान उपार्जन केंद्रों में बस्तर जिले में 11, कांकेर में 6, कोंडागांव में 6, बीजापुर में 1, सुकमा में 2, दंतेवाड़ा में 1 और नारायणपुर जिले में 2 केंद्र शामिल हैं। जिलावार नवीन धान उपार्जन केंद्र- बस्तर जिला—11 केंद्र बस्तर जिले में बाकेल समिति अंतर्गत बाकेल, चिउरगांव, बकावंड विकासखंड अंतर्गत चिउरगांव, जगदलपुर अंतर्गत काकरवाड़ा, लोहंडीगुड़ा अंतर्गत धुरागांव, बस्तर अंतर्गत बागमोहलई, बकावंड अंतर्गत सतोषा, बस्तर अंतर्गत कुड़कानार, बाकेल एवं नंदपुरा तथा बकावंड अंतर्गत सौतपुर में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की अनुमति दी गई है। कांकेर जिला— 6 केंद्र कांकेर जिले में आतुरगांव, कढ़ईखोदरा, करैगांव, अंतागढ़ विकासखंड के कारेगांव एवं नवागांव (गोडरी) तथा पखांजूर के लक्ष्मीपुर पी.वी.-73 में नवीन केंद्र खोले जाएंगे। कोंडागांव जिला—6 केंद्र कोंडागांव जिले में माकड़ी विकासखंड के इंगरा एवं भाटगांव, कोंडागांव के चलका, फरसगांव के चिंगनार, केशकाल के सालेभाट तथा बड़ेराजपुर के बड़गांव में नवीन धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर में 6 केंद्र बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत तिम्मापुर, सुकमा जिले में बड़ेसेट्टी और बुड़दी, दंतेवाड़ा जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत समलूर तथा नारायणपुर जिले में हलामीमुंजमेटा और तारागांव में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की अनुमति प्रदान की गई है।

नवीन धान उपार्जन केंद्रों में किसानों के बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए फिंगरप्रिंट और आईरिस उपकरण की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, जनरेटर, इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र और नमी मापक यंत्र सहित खरीदी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। केंद्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली, पर्याप्त प्रकाश, पेयजल और सुगम पहुंच मार्ग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। धान को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त जगह, पॉलीथिन कवर और जल निकासी की समुचित व्यवस्था रहेगी। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी नवीन केंद्रों में आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रों के लिए ऊंची एवं समतल भूमि का चयन करने तथा किसानों की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। बस्तर संभाग में 29 नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्थापना से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। किसानों को अपने नजदीकी क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर धान बेचने की सुविधा मिलेगी। इससे उपार्जन केंद्रों तक धान पहुंचाना आसान होगा और धान खरीदी की प्रक्रिया अधिक तेज एवं सुविधाजनक बनेगी। नवीन उपार्जन केंद्रों की अनुमति बस्तर संभाग में किसान हितैषी व्यवस्थाओं के विस्तार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय है।

पीएम श्री कन्या विद्यालय लांजी में श्रद्धा और उत्साह से मनाया शिक्षक दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में शिक्षक दिवस श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी.के. भीमटे ने की, जबकि सेवानिवृत्त शिक्षक एल.आर. मुरकुटे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, मां सावित्रीबाई फुले एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन-वंदन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी। छात्राओं ने प्राचार्य, मुख्य अतिथि सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का तिलक-वंदन कर सम्मान किया तथा उन्हें पारितोषिक प्रदान किए। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन, व्यक्तित्व एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि एल.आर. मुरकुटे ने छात्राओं को अनुशासन, नियमित अध्ययन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी निरंतर मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। प्राचार्य पी.के. भीमटे ने छात्राओं को पढ़ाई में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यालय की छात्राएं प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के दौरान एस.के. सोनवाने, लिनेश्वर दमाहे एवं यशोधरा रांदिवे द्वारा कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को गणित एवं सामाजिक विज्ञान विषय में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छात्रा प्रतिनिधियों एवं कक्षा 12वीं की छात्राओं द्वारा किया गया। इसके बाद छात्राओं की ओर से सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का संचालन छात्रा प्रतिनिधि पलक बरगइय्या एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक बसंत रामटेके ने संयुक्त रूप से किया।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में वैभव, पडिक्कल और तिलक पर नजरें, सिराज भी लय पाने को बेताब

नई दिल्ली। एजेंसी।

पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के बीच रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निगाहें रहेंगी। वैभव सूर्यवंशी, देवदत्त पडिक्कल और तिलक वर्मा लाल गेंद के क्रिकेट में हालिया प्रदर्शन को और बेहतर करने के इरादे से मैदान में उतरेंगे, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अपनी खोई हुई लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। देवदत्त पडिक्कल के लिए यह मुकाबला खास महत्व रखता है। साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में अवसर मिला और उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में दो शतक लगाए और सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। अब दक्षिणी क्षेत्र की ओर से खेलते हुए पडिक्कल उसी लय को दलीप ट्रॉफी के फाइनल में भी बरकरार रखना चाहेंगे। उनका मजबूत प्रदर्शन दक्षिणी क्षेत्र को 2023 के बाद फिर खिताब जीतने में मदद कर सकता है। साथ ही वह भारतीय टेस्ट टीम में

तीसरे नंबर के स्थान के लिए अपना दावा भी मजबूत करना चाहेंगे। वैभव सूर्यवंशी और तिलक वर्मा भी फाइनल में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। दोनों फिलहाल भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। भारत के टी20 उपकप्तान तिलक ने बेंगलुरु में उत्तर क्षेत्र के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक और अर्धशतक लगाकर टेस्ट टीम में चयन के लिए अपना दावा पेश किया था। उन्होंने भी स्पष्ट किया है कि टेस्ट क्रिकेट में जगह बनाना उनका लक्ष्य है। पूर्वी क्षेत्र की ओर से खेल रहे 15 वर्षीय वैभव ने मध्य क्षेत्र के खिलाफ सेमीफाइनल में 92 और 40 रन की पारियां खेलकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता का परिचय दिया। उनका प्रदर्शन बताता है कि वह परिस्थितियों के अनुसार खेल में बदलाव कर सकते हैं। फाइनल में भी बड़ी पारी खेलने से सभी प्रारूपों में उनके भविष्य की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं। मोहम्मद सिराज के लिए भी यह मुकाबला महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड के आगामी दौरे से पहले वह अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में उनका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा था। कप्तान शुभमन गिल ने भी माना था कि सिराज को अपनी लय वापस हासिल करने की जरूरत है। दक्षिणी क्षेत्र में चोटिल विदवत कावेरप्पा की जगह सिराज के खेलने की संभावना है। पूर्वी क्षेत्र की कप्तानी इशान किशन करेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से पहले वह भी दलीप ट्रॉफी फाइनल में रन बनाकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। दूसरी ओर, केएल राहुल न्यूजीलैंड दौरे की तैयारियों को मजबूत करने की कोशिश करेंगे, हालांकि मैच से 24 घंटे पहले तक वह दक्षिणी क्षेत्र की टीम से नहीं जुड़ पाए थे। पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाजी आक्रमण में मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार और अनुकूल रॉय जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं। शमी के लिए यह मैच विशेष होगा, क्योंकि यह उनका 100वां प्रथम श्रेणी मुकाबला होगा। भारतीय टीम में वापसी की कोशिश कर रहे शमी इस अवसर पर प्रभावी प्रदर्शन करके अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था।

गौतम गंभीर के फेवरेट खिलाड़ी टीम में लौटे, एस बद्रीनाथ ने साधा निशाना

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले पूर्व क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी की भारतीय टीम में वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। बद्रीनाथ ने तंज कसते हुए कहा कि कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ी फिर से टीम इंडिया में आ गए हैं। वाशिंगटन सुंदर पिछले पांच टी20 मुकाबलों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं और बल्लेबाजी में भी खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। दूसरी ओर, नीतीश कुमार रेड्डी ने अब तक केवल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम तीन विकेट हैं। बद्रीनाथ का मानना है कि खासतौर पर सुंदर को टीम प्रबंधन का लगातार समर्थन मिल रहा है और उन्हें इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

अपने यूट्यूब चैनल पर बद्रीनाथ ने कहा कि कोच के पसंदीदा खिलाड़ी वापस आ गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में सुंदर को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और उन्हें इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। सुंदर को एक समय रविचंद्रन अश्विन के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन अब तक के

प्रदर्शन के आधार पर वह इस भूमिका में अपेक्षाओं के मुताबिक सफल नहीं रहे हैं। नीतीश कुमार रेड्डी को लेकर भी बद्रीनाथ ने अपनी राय स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि वह नीतीश को बहुत उच्च स्तर का खिलाड़ी नहीं मानते और इसकी वजह उनकी गेंदबाजी है। उनके मुताबिक नीतीश को मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर देखा जाना चाहिए, गेंदबाज के रूप में नहीं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी दोनों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। हालांकि, दोनों का अंतिम रूप से मैदान पर उतरना फिटनेस मंजूरी पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट के अनुसार उन्हें मैच से पहले सिमुलेशन टेस्ट से भी गुजरना होगा।

बद्रीनाथ ने जहां सुंदर और नीतीश की वापसी को लेकर गंभीर पर तंज कसा, वहीं जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी को उन्होंने सकारात्मक संकेत बताया। उन्होंने संभावना जताई कि बुमराह ने खुद टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से अफगानिस्तान के खिलाफ तीनों टी20 मैच खेलने की इच्छा जाहिर की हो सकती है। बद्रीनाथ के मुताबिक बुमराह ने हाल के समय में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए संभव है कि उन्होंने ही इस सीरीज में खेलने के लिए टीम प्रबंधन से संपर्क किया हो।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर जगाई क्रिकेट में दिलचस्पी, क्रिस श्रीकांत बोले- टेस्ट क्रिकेट का गौरव लौटाएंगे

नई दिल्ली। महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बना ली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया भी कह चुके हैं कि बोर्ड की नजर इस युवा प्रतिभा पर रहेगी और उसे सचिन तेंदुलकर जैसा खिलाड़ी बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर क्रिस श्रीकांत ने वैभव की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि यह युवा बल्लेबाज एक बार फिर क्रिकेट को दिलचस्प बना रहा है। उन्होंने बताया कि वैभव का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि उनकी पत्नी भी उसके कारण क्रिकेट मैच देख रही हैं। वैभव के लिए 2026 अब तक शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल की। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में दो अर्धशतक लगाए और दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में 92 तथा 40 रन की पारियां खेलकर

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अब उनकी नजर एशियन गेम्स और अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज पर है।

अपने यूट्यूब चैनल पर क्रिस श्रीकांत ने कहा कि वैभव को लगातार प्रोत्साहित करने की जरूरत है और उन्हें किसी भी स्थिति में हतोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक यदि वैभव को सही तरीके से तैयार किया गया तो वह बहुत बड़े सुपरस्टार बन सकते हैं। श्रीकांत ने कहा कि वैभव टेस्ट क्रिकेट का गौरव वापस दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दलीप ट्रॉफी को लोगों ने वैभव की वजह से देखा और उनकी पत्नी भी सिर्फ इसी युवा खिलाड़ी को देखने के लिए मैच देख रही थीं। दलीप ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में वैभव केवल आठ रन बना पाए थे, लेकिन सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने शानदार वापसी की। पहली पारी में 92 रन बनाने के साथ उन्होंने दूसरी पारी में भी 40 रन की उपयोगी पारी खेली।

और भी भारतीय खिलाड़ियों को इस सूचि में देखना चाहती हूं-स्मृति मंधाना

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह चाहती है कि और भी भारतीय महिला खिलाड़ी इस सूची में नजर आए। हांगकांग के खिलाफ भारत की 137 रन की जीत के दौरान मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 अंतरराष्ट्रीय रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही वह तीनों प्रारूपों को मिलाकर अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उनके नाम अब कुल 10,880 अंतरराष्ट्रीय रन हैं। मंधाना ने भारतीय महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में भी अहम भूमिका निभाई है। तीनों प्रारूपों में उनकी प्रभावी बल्लेबाजी ने दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की ओर खींचा है और युवा लड़कियों में क्रिकेट के प्रति रुचि बढ़ाने में मदद की है। मंधाना ने कहा कि उन्होंने कभी रिकॉर्ड और आंकड़ों को लक्ष्य बनाकर क्रिकेट नहीं खेला। उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण भारत के लिए मैच जीतना रहा है।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में मंधाना ने कहा कि अगर उनकी वजह से 10 प्रतिशत लड़कियां भी बल्ला और गेंद उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो यह उनके लिए ऐसी उपलब्धि होगी जिस पर उन्हें हमेशा गर्व और खुशी होगी। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड और बनाए गए रनों से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी अपने पीछे कैसी विरासत छोड़कर जाता है। 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन के आंकड़े को पार करने और मिताली राज से आगे निकलने पर मंधाना ने कहा कि वह मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हैं। मिताली उनके लिए ही नहीं, बल्कि हर भारतीय महिला क्रिकेटर के लिए आदर्श रही हैं। उन्होंने कहा कि कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह 10,000 रन तक पहुंचेंगी और मिताली से आगे निकल जाएंगी।

मंधाना ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भारतीय टीम के तीन-चार और खिलाड़ी 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वालों की सूची में शामिल हों। उन्होंने कहा कि यदि शीर्ष पांच खिलाड़ियों में तीन या चार भारतीय हों तो वह इसे अपने करियर की बड़ी उपलब्धि और भारतीय महिला क्रिकेट की सफलता के रूप में देखना चाहेंगी। अपने खेल में सुधार की संभावनाओं पर मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में कोई बल्लेबाज या गेंदबाज कभी पूरी तरह संपूर्ण नहीं होता। अगर किसी खिलाड़ी को लगता है कि उसने सब कुछ हासिल कर लिया है, तो क्रिकेट उसे उसकी कमियां दिखा देता है। इसलिए लगातार सीखना और अपने खेल में सुधार करना जरूरी है।

प्रभसिमरन की तूफानी बल्लेबाजी से जालंधर वारियर्स की जीत

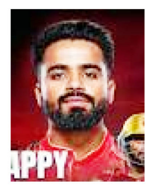

नई दिल्ली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में जालंधर वारियर्स के स्टार बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह का बल्ला लगातार आग उगल रहा है। टूर्नामेंट के 11वें मुकाबले में उन्होंने लुधियाना लायंस के खिलाफ महज 39 गेंदों में 90 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस दौरान प्रभसिमरन ने 7 चौके और 6 छक्के जमाए। प्रभसिमरन ने लगातार तीसरे मैच में 50 से अधिक रन बनाते हुए अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखा। मौजूदा सीजन में वह अब तक दो शतक और दो अर्धशतक लगा चुके हैं। उन्होंने पहले मैच में फाजिल्का फाल्कन्स के खिलाफ 42 गेंदों में 76 रन बनाए थे। इसके बाद अमृतसर सूरमा के विरुद्ध 47 गेंदों में 125 रनों की तूफानी पारी खेली। भटिंडा रॉयल्स के खिलाफ भी उन्होंने 110 रन ठोके थे। लुधियाना लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 167 रन बनाए। टीम की ओर से माधव सिंह पठानिया ने 72 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। हालांकि अन्य बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वारियर्स ने प्रभसिमरन की धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर 15.5 ओवर में ही 3 विकेट खोकर 173 रन बना लिए और मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया। आर्यन यादव ने 32 और गौरव मार्कन ने 23 रन का योगदान दिया। लुधियाना की ओर से कप्तान अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए।

हर सीरीज में रोहित शर्मा के संन्यास पर सवाल क्यों? अब फैसला बल्ले को करने दें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर हर सीरीज के दौरान चर्चा शुरू होना उचित नहीं माना जा सकता। किसी खिलाड़ी के कुछ मैचों के प्रदर्शन या उम्र को आधार बनाकर बार-बार उसके संन्यास का सवाल उठाना उसके साथ नाइंसाफी हो सकती है। रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन और भारतीय क्रिकेट में लंबे योगदान के दम पर यह अधिकार हासिल किया है कि उन्हें बिना अनावश्यक दबाव के अपना क्रिकेट खेलने का मौका मिले। जब भी रोहित शर्मा बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं, सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में उनके संन्यास को लेकर बहस शुरू हो जाती है। यह सिलसिला अब एक तरह से नियमित चर्चा बनता जा रहा है। हालांकि, किसी खिलाड़ी के भविष्य का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह कितने साल का हो चुका है या किसी एक मुकाबले में उसका प्रदर्शन कैसा रहा। क्रिकेट में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं और हर खिलाड़ी को खराब दौर से उबरने का अवसर मिलना चाहिए।

रोहित अगर लगातार कई मैचों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, तब निश्चित रूप से उनके भविष्य और टीम में भूमिका पर चर्चा की जा सकती है। लेकिन हर सीरीज के साथ संन्यास का सवाल खड़ा करना उनकी उपलब्धियों और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को नजरअंदाज करने जैसा होगा। उन्हें भी दूसरे खिलाड़ियों की तरह प्रदर्शन के आधार पर आंका जाना चाहिए। रोहित शर्मा ने भारतीय टीम के लिए लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में टीम ने कई अहम मुकाबले खेले और उन्होंने बल्लेबाज के तौर पर भी कई यादगार पारियां खेली हैं। ऐसे में उनके भविष्य का फैसला बाहरी चर्चाओं या सोशल मीडिया की हलचल से नहीं, बल्कि मैदान पर उनका प्रदर्शन देखकर होना चाहिए।

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की अस्थिर नीतियों पर साधा निशाना

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की अस्थिर रणनीतियों और नेतृत्व पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज व पाकिस्तान के पूर्व मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने कड़ा प्रहार किया है। इंग्लैंड दौरे पर लगातार दो टेस्ट हारने के बाद मचे घमासान के बीच गिलेस्पी ने चयन समिति के अध्यक्ष आकिब जावेद को आत्म-चिंतन करने की सलाह दी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बीच में ही पाकिस्तान बोर्ड ने कई चौंकाने वाले फैसले लिए। लीड्स और लॉर्ड्स में मिली करारी हार के बाद मुख्य कोच सरफराज अहमद और तेज गेंदबाजी कोच उमर गुल को अचानक हटा दिया गया। साथ ही, टीम प्रबंधन ने सात खिलाड़ियों को बीच दौरे से ही स्वदेश वापस भेज दिया, जिससे क्रिकेट जगत हैरान है। वर्ष 2024 में आठ महीने तक पाकिस्तान के कोच रहे गिलेस्पी, जिनके मार्गदर्शन में टीम ने इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट श्रृंखला हराई थी, ने इस

घटनाक्रम पर दुख और नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी मैदान पर भयभीत दिख रहे हैं। गिलेस्पी ने सलमान अली आगा का उदाहरण दिया, जो पहले टेस्ट में कप्तान थे, दूसरे में बाहर और तीसरे से पहले घर वापस भेज दिए गए। उन्होंने इस व्यवस्था पर सवाल उठाया।

गिलेस्पी ने इस बिखराव का सीधा जिम्मेदार चयन समिति के प्रमुख आकिब जावेद को ठहराया, आरोप लगाया कि टीम के पास कोई स्पष्ट चयन रणनीति नहीं है। आकिब जावेद ने हाल ही में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन का ठीकरा गिलेस्पी और पूर्व व्हाइट-बॉल कोच गैरी कर्स्टन पर फोड़ा था। इस पर पलटवार करते हुए गिलेस्पी ने कहा कि आकिब पिछले दो सालों से चयन समिति के अध्यक्ष हैं, जबकि वे और कर्स्टन अब टीम का हिस्सा नहीं हैं।

37 की उम्र में फिर टीम इंडिया का दरवाजा खटखटा रहे भुवनेश्वर कुमार

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भले ही 37 साल की उम्र के करीब पहुंच चुके हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार अब भी बरकरार है। आईपीएल में प्रभावी प्रदर्शन के बाद अब यूपी टी-20 लीग में भी वह अपनी स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। तीन सितंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में मेरठ मावेरिक्स के खिलाफ क्वालीफायर-1 में उन्होंने महज 10 रन देकर चार विकेट हासिल किए और लखनऊ फाल्कन्स को 47 रन से जीत दिलाकर फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ फाल्कन्स ने 19.4 ओवर में 145 रन बनाए। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज हिमांशु सिंह ने सर्वाधिक 61 रन की पारी खेली। मेरठ की ओर से जीशान अंसारी ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। 146 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ मावेरिक्स की शुरुआत बेहद खराब रही और भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी ने उसकी कमर तोड़ दी। भुवनेश्वर ने अपने चार ओवर के स्पेल में 24 गेंदों में 18 डॉट गेंदें फेंकीं और सिर्फ 10 रन खर्च किए। उन्होंने अक्षय दुबे को चार रन, रितुराज शर्मा को बिना खाता खोले, दिव्यांश राजपूत को एक रन और दिव्यांश जोशी को छह रन के निजी स्कोर पर आउट किया। उनके शुरुआती झटकों के कारण मेरठ का स्कोर एक समय सात विकेट पर 36 रन हो गया था। कप्तान रिंकू सिंह ने 34 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। इस जीत के साथ लखनऊ फाल्कन्स यूपी टी-20 लीग के चार साल के इतिहास में पहली बार फाइनल में पहुंची है।

भारत-जापान के बीच होगा ऐतिहासिक टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच क्रिकेट इतिहास का एक नया अध्याय लिखे जाने जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार, 4 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के कार्यक्रम की घोषणा की। दोनों देशों की पुरुष क्रिकेट टीमें 22 सितंबर 2026 को जापान के तोचिगी प्रांत स्थित सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। बीसीसीआई और जापान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को खेल के माध्यम से और मजबूत करने के उद्देश्य से यह विशेष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित किया जा रहा है।

एसटी 20 लीग के पांचवें सत्र में में खेलेंगे मार्श, कुरेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जॉर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा। वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं। उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और ऑस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं। कैपिटल्स के पास पहले से ही डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी और भी जबरदस्त दिख रही है।

यूएस ओपन में उलटफेर और रोमांचक भिड़ंत

नई दिल्ली । न्यूयॉर्क में चल रहे यूएस ओपन 2026 में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां कुछ बड़े उलटफेर हुए और कई शीर्ष खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो ने सातवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। अपनी पहली मुलाकात में मुचोवा को हराने के बाद, इस शानदार जीत के साथ नवारो ने चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली है। एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी टेलर टाउनसेंड ने भी अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार दूसरे साल चौथे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने 15वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर को एक रोमांचक मुकाबले में 6-2, 6-7(3), 6-3 से हराया। लगभग ढाई घंटे चले इस मैच में टाउनसेंड ने पहला सेट आसानी से जीता, लेकिन श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींचा। हालांकि, टाउनसेंड ने अंततः नियंत्रण हासिल किया और जीत दर्ज की। चौथे दौर में उनका सामना दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका से होगा। अन्य मुकाबलों में, छठी वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को भी अमेरिकी खिलाड़ी एन ली से कड़ी टक्कर मिली। नोस्कोवा ने पहला सेट 6-2 से जीता और दूसरे में 3-0 से आगे थीं, लेकिन ली ने वापसी करते हुए सेट टाईब्रेक में जीता। हालांकि, नोस्कोवा ने निर्णायक सेट में अपनी पकड़ मजबूत की और 6-2, 6-7(6), 6-2 से मैच अपने नाम किया। तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने भी एक मुश्किल शुरुआत के बाद वापसी की। लेयला फर्नांडीज के खिलाफ एक सेट से पिछड़ने के बाद, पेगुला ने 1-6, 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। इस जीत से दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट खत्म करने की उनकी उम्मीदें अभी भी जीवित हैं, हालांकि इसके लिए उन्हें अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना होगा। उनका अगला मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा।

भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से रौंदकर जूनियर एशिया कप में किया शानदार आगाज

मोकी । मौजूदा चैंपियन भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब के बचाव का शानदार आगाज करते हुए शनिवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 14-0 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव ने शानदार प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 12 गोल दागे। प्रभदीप सबसे सफल रहे और उन्होंने पांच गोल करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया। कप्तान अनमोल ने चार, जबकि अजीत यादव ने तीन गोल किए। हरपाल और आशु मौर्य ने एक-एक गोल किया। भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। भारतीय खिलाड़ी लगातार इंडोनेशिया के सर्कल में प्रवेश करते रहे और गोल के मौके बनाते रहे। पांचवें मिनट में प्रभदीप ने गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तीन मिनट बाद हरपाल ने बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय आक्रमण की गति और लगातार हो रहे मूवमेंट के सामने इंडोनेशियाई रक्षापंक्ति पूरी तरह दबाव में नजर आई। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिलने पर अनमोल ने उसे गोल में बदल दिया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में लगातार गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को मध्यांतर तक 6-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी इंडोनेशिया को राहत नहीं मिली। अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपने खाते में दो और गोल जोड़े।

परसवाड़ा में बाघ की दहशत से ग्रामीणों में आक्रोश

तहसील मुख्यालय से महज 2 किमी दूर लिंगा-पोंडी के बीच दिखा बाघ, सिलगी कन्हार टोला में दो गायों का किया शिकार, क्षेत्र में करीब 10 बाघ होने का ग्रामीणों का दावा

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। परसवाड़ा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार सामने आ रही बाघ की मौजूदगी की घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है।शनिवार सुबह परसवाड़ा तहसील मुख्यालय से महज करीब दो किलोमीटर दूर ग्राम लिंगा-पोंडी के बीच बाघ घूमता हुआ नजर आने की सूचना सामने आई। वहीं सिलगी कन्हार टोला में सुबह दो गायों का शिकार किए जाने की जानकारी से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। आपको बताएं कि यह कोई पहला मामला नहीं है जब परसवाड़ा से लगे आसपास गांवो के रिहायशी इलाकों में बाघ की मौजूदगी देखी गई हो,बल्कि इसके पूर्व भी समय-समय पर इन क्षेत्रों में बाघ को विचरण करते हुए देखा गया है लेकिन अब तक विभाग द्वारा बाघों का सफल रेस्क्यू कर नहीं किया गया है जिसको लेकर ग्रामीण खौफजदा है। जिनका विभागीय कर्मचारियों के खिलाफ लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है।वही वे रोजाना डर के साए में जीने के लिए मजबूर है।

कन्हार टोला क्षेत्र में दिखे दो बाघ, क्षेत्र में करीब 10 बाघो की मौजूदगी की कही जा रही बात

उधर ग्रामीणों के अनुसार कन्हार टोला क्षेत्र में दो बाघों की मौजूदगी बताई जा रही है, जबकि आसपास के जंगल और ग्रामीण इलाकों को मिलाकर करीब 10 बाघों के होने का अनुमान ग्रामीणों द्वारा जताया जा रहा है। हालांकि वन विभाग की ओर से बाघों की संख्या को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सेरपार में दो बैलों पर हमला, एक का मिला था शव

आपको बताए कि परसवाड़ा क्षेत्र में वन्यप्राणी की गतिविधियों का यह सिलसिला नया नहीं है। कुछ दिन पहले सेरपार और खरपड़िया के बीच शक्ति घाट के समीप दो बैलों पर जंगली जानवर ने हमला किया था। इनमें से एक बैल का शव बरामद हुआ था, जबकि दूसरे की तलाश की जा रही थी।यह मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई थी। ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में कई दिनों से बाघ की मौजूदगी की सूचना मिल रही थी, इसके बावजूद समय रहते निगरानी और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए।

भोरवाही के खेत में भी देखा गया था बाघ

ग्रामीणों के अनुसार कुछ दिन पूर्व परसवाड़ा के समीप ग्राम भोरवाही के खेत में भी बाघ दिखाई दिया था। इसके बाद से आसपास के गांवों में बाघ की मौजूदगी को लेकर दहशत बनी हुई है। दो दिन पहले सेरपार के नाले में भी बाघ के पदचिह्न देखे जाने की बात सामने आई थी।

अब लिंगा-पोंडी के बीच दिखा बाघ

लगातार अलग अलग ग्रामीणों क्षेत्रों में बाघो की मौजदगी देखने मिल रही है इसी बीच शनिवार को अब लिंगा-पोंडी के बीच बाघ दिखाई देने और सिलगी कन्हार टोला में दो गायों के शिकार की घटना ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है।

आज मवेशी, कल इंसान का नंबर न आ जाए.. ?

लगातार हो रही घटनाओं से नाराज ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से लगे क्षेत्रों में लोगों का खेतों और अन्य कामों के लिए रोजाना आना-जाना होता है। ऐसे में आबादी के नजदीक बाघ की मौजूदगी गंभीर खतरा बन सकती है।ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि यदि वन विभाग को पहले से बाघ की मौजूदगी की जानकारी थी तो निगरानी क्यों नहीं बढ़ाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि आज बाघ मवेशियों का शिकार कर रहा है, कल कहीं इंसान इसकी चपेट में न आ जाए।

वन विभाग ने लगाए सीसीटीवी कैमरे

सेरपार क्षेत्र में बैल के शिकार की घटना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया था। हालांकि विभाग ने यह पुष्टि नहीं की थी कि मवेशियों पर हमला बाघ ने किया है या तेंदुए ने। मौके पर मिले साक्ष्यों और खरोंच के निशानों के आधार पर वन्यप्राणी की पहचान को लेकर संशय बना हुआ था।उधर वन विभाग द्वारा घटनास्थल और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से वन्यप्राणी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि क्षेत्र में सक्रिय वन्यप्राणी बाघ है या तेंदुआ।

लगातार बढ़ रही वन्यप्राणी की गतिविधियां

परसवाड़ा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से बाघ की मौजूदगी, पदचिह्न मिलने और मवेशियों पर हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अब तहसील मुख्यालय के करीब बाघ दिखाई देने और कन्हार टोला में दो गायों के शिकार की सूचना ने ग्रामीणों की चिंता को और बढ़ा दिया है।ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में तत्काल प्रभावी निगरानी बढ़ाई जाए, रात के समय गश्त कराई जाए और आबादी से सटे इलाकों में वन्यप्राणी की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। केवल घटना के बाद मौके पर पहुंचने के बजाय विभाग को पहले से सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि किसी बड़ी जनहानि को रोका जा सके।

एमएलबी में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस सम्मान समारोह

पदमेश न्यूज।बालाघाट। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालाघाट में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा की सुंदर झलक देखने को मिली।कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात छात्राओं ने विद्यालय के समस्त शिक्षकों का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं स्व-निर्मित उपहार भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार जैन ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने छात्राओं को संबोधित

करते हुए कहा कि, "शिक्षक ही वह प्रकाश है जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर जीवन को सफलता की राह दिखाता है। शिक्षक केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाता है। उन्होंने सभी छात्राओं से आह्वान किया कि वे सदैव अपने शिक्षकों एवं वरिष्ठजनों का सम्मान करें, क्योंकि यही हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है।कार्यक्रम में छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उनके शिक्षकों ने उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन दिया है। छात्राओं द्वारा शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कविताएं भी प्रस्तुत की गईं।इस गरिमामय अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती प्रिया बक्शी, श्रीमती तनुजा ठाकुर, श्रीमती नीता मिश्रा, श्रीमती प्रतिमा दुबे ,श्रीमती मीना परासर सहित समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बैहर में ब्लीचिंग पाउडर वितरण व्यवस्था पर उठे सवाल

बारिश के मौसम में जरूरतमंद वार्डों तक नहीं पहुंचा ब्लीचिंग पाउडर, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

पदमेश न्यूज। बैहर। बारिश के मौसम में कुओं के पानी का उपयोग करने वाले परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा हर वर्ष चिन्हित घरों में ब्लीचिंग पाउडर का वितरण किया जाता है। लेकिन इस वर्ष अब तक किसी भी वार्ड में ब्लीचिंग पाउडर का वितरण नहीं किए जाने से नगर परिषद की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।बताया जाता है कि नगर परिषद द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान ऐसे घरों को चिन्हित किया जाता है। जहां कुएं का पानी पीने के लिए उपयोग किया जाता है और आसपास गंदगी या दूषित वातावरण की स्थिति रहती है। इन परिवारों को वार्ड स्तर पर ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराया जाता है ताकि कुएं के पानी को उपचारित कर पीने योग्य बनाया जा सके। आमतौर पर पार्षदों के माध्यम से यह सामग्री नागरिकों के घरों तक पहुंचाई जाती है।इस वर्ष बारिश का दौर लंबे समय से जारी है। कृषि कार्य का समय भी लगभग समाप्त हो चुका है और लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में सूर्य के दर्शन तक नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे मौसम में कई घरों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसी मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने की बात सामने आ रही है। इसके बावजूद ब्लीचिंग पाउडर का वितरण नहीं होने से नागरिकों में चिंता बढ़ रही है।

जरूरतमंदों को इंतजार-पहुंच वालों को सुविधा

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस वर्ष किसी भी वार्ड में ब्लीचिंग पाउडर का नियमित वितरण नहीं किया गया है। उनका कहना है कि जिन लोगों की नगर परिषद में पहुंच है वे स्वयं जाकर ब्लीचिंग पाउडर प्राप्त कर उसका उपयोग कर रहे हैं जबकि सामान्य नागरिक अब भी इसके वितरण की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर भी सवाल

ब्लीचिंग पाउडर का वितरण पेयजल की स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य माना जाता है। ऐसे में नगर परिषद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय पर वितरण व्यवस्था सुनिश्चित नहीं किए जाने को लेकर नागरिक सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की आशंका को देखते हुए नगर परिषद को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए।

नगर परिषद की नींद कब खुलेगी ?

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल सभी वार्डों में जरूरतमंद परिवारों को ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराए और कुओं तथा पेयजल स्रोतों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे। अब देखना यह है कि जनहित से जुड़े इस मामले में नगर परिषद कब तक कदम उठाती है और जरूरतमंद परिवारों तक ब्लीचिंग पाउडर कब पहुंचता है।

लांजी में आस्था और उल्लास के साथ मनाया जन्माष्टमी पर्व

'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंजा नगर-भक्ति में डूबे श्रद्धालु, शोभायात्रा के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन

पदमेश न्यूज। लांजी। नगर सहित पूरे क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी पर्व आस्था, श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। घरों एवं मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा रात्रि जागरण कर भगवान के जन्मोत्सव का आनंद मनाया गया। 4 सितंबर की रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर मंदिरों और घरों में विशेष पूजा-अर्चना एवं अभिषेक किया गया। मध्यरात्रि में जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का समय हुआ, श्रद्धालुओं ने शंख-घंटियों की ध्वनि और 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष के साथ भगवान का स्वागत किया। भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान को झूला झुलाकर आरती की और प्रसादी का वितरण किया।

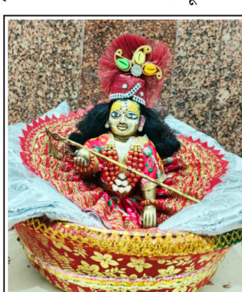

राम मंदिरों में सजा आकर्षक झूला

नगर के पुराने राम मंदिर एवं नए राम मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के लिए आकर्षक झूले सजाए गए। मंदिरों में विशेष विद्युत सजावट एवं धार्मिक वातावरण के बीच जन्मोत्सव मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान प्रसादी का वितरण भी किया गया।

भजन-कीर्तन से देर रात तक भक्तिमय रहा माहौल

जन्माष्टमी की रात नगर के विभिन्न स्थानों पर भजन मंडलियों द्वारा भजन-कीर्तन की प्रस्तुतियां दी गईं। श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन रहे। जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और बाल स्वरूप की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक पर्व में सहभागिता की।

डीजे की धुन पर निकली शोभायात्रा, गणेशी तालाब में हुआ विसर्जन

जन्माष्टमी के दूसरे दिन 5 सितंबर की संध्या को भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का बाजे-गाजे के साथ विसर्जन किया गया। नगर में डीजे और धमाल के साथ श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली। भक्ति गीतों और जयकारों के बीच शोभायात्रा के गणेशी तालाब पहुंचने पर सार्वजनिक रूप से आरती-पूजन किया गया। इसके बाद विधि-विधान से भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का विसर्जन कर श्रद्धालुओं ने सभी के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की एवं प्रसादी का वितरण किया। इसी प्रकार लांजी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में भी जन्माष्टमी पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। दूसरे दिन देर शाम तक तालाबों, नदियों एवं नहरों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला चलता रहा। पूरे क्षेत्र में श्रीकृष्ण भक्ति और धार्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा में तीन स्तरीय जांच, अभ्यर्थी 90 मिनट पहले पहुंचें

पीएम श्री जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 7 से 12 सितंबर तक होगी परीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का आयोजन 07 से 12 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। बालाघाट में परीक्षा का केंद्र पीएम श्री जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट निर्धारित किया गया है। परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से 90 मिनट पहले पहुंचना होगा। परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर परीक्षा केंद्र पर तीन स्तरीय नवीन जांच प्रक्रिया लागू की गई है। आयोग द्वारा अनुबंधित एजेंसी SPA के माध्यम से सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एचएचएमडी के माध्यम से तलाशी एवं VOIP की व्यवस्था की गई है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य होगा।

परीक्षा कक्ष में केवल अनुमत सामग्री ही ले जाएं

अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष में ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने के लिए निर्धारित स्याही का पेन तथा पानी की पारदर्शी बॉटल साथ ला सकते हैं। आवश्यकता होने पर स्वयं का फोटोग्राफ भी लाया जा सकता है। अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दवाइयां लाने की अनुमति रहेगी। दिव्यांग परीक्षार्थी अपने लिए आवश्यक सामग्री साथ ला सकेंगे।

इन वस्तुओं पर रहेगा पूरी तरह प्रतिबंध

परीक्षा कक्ष में स्टेशनरी संबंधी सामग्री जैसे पेंसिल, रबर (इरेजर), व्हाइटनर, स्केल, बैग एवं पठन सामग्री लाना प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस, हैडफोन, डिजिटल घड़ी, स्मार्ट घड़ी, एनालॉग घड़ी सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अथवा संचार उपकरण के रूप में उपयोग किए जा सकने वाले अन्य उपकरण परीक्षा कक्ष में नहीं ले जाए जा सकेंगे।

एसेसरीज और अन्य सामान भी नहीं ले जा सकेंगे

अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष में बालों को बांधने वाले क्लचर/बक्कल, हाथ के बैंड, मैटेलिक बैंड, चमड़े के बैंड, कमर में पहनने वाली बेल्ट, कफलींक, धूप का चश्मा, पर्स/वॉलेट एवं टोपी लेकर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।इसके अलावा चाबी, लाइटर/माचिस बॉक्स, किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, शार्पनर, ब्लेड एवं अन्य कीमती सामान भी परीक्षा केंद्र के परीक्षा कक्ष में प्रतिबंधित रहेंगे। जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश भी निषिद्ध रहेगा।

अभ्यर्थी इन बातों का रखें विशेष ध्यान

प्रशासन ने अभ्यर्थियों से कहा है कि वे परीक्षा के प्रत्येक दिन सुबह 8:30 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचें, ताकि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, तलाशी सहित अन्य प्रवेश प्रक्रियाएं समय पर पूरी की जा सकें। अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर केवल अनुमत सामग्री लेकर ही आएं और प्रतिबंधित वस्तुओं को साथ लाने से बचें। परीक्षा केंद्र पर लागू सुरक्षा एवं जांच व्यवस्था के कारण अंतिम समय में पहुंचने पर प्रवेश प्रक्रिया में असुविधा हो सकती है। इसलिए अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे परीक्षा केंद्र और परीक्षा समय की पूर्व जानकारी सुनिश्चित कर समय से पहले पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया में सहयोग करें।

केशव विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरस्वती विद्यालय परिसर में केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के सम्मान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धन्नालाल मंडेले , पंकजसिंह , संदीप रूसिया,दिलीप रूसिया,प्रदीप तिवारी,शौर्य रूसिया,तिलक पारधी,श्रीमती चेतना देवरस ,शिवदयाल बोपचे,राम रूसिया, अजीत जैन ,मुकेश अग्रवाल,राजेश सिंघई , श्रीरंग देवरस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के समर्पण, परिश्रम एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करना था। शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर विद्यालय के १०० प्रतिशत परीक्षा परिणाम में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं को विशेष रूप से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कक्षा १०वीं एवं १२वीं हिंदी विषय में १०० प्रतिशत परिणाम के लिए श्रीमती लिखेश्वरी ठाकरे, कक्षा १२वीं जीवविज्ञान के लिए श्रीमती राखी ठाकरे, गणित के लिए , संतोष रायकर अंग्रेजी के लिए,प्रदीप शर्मा कक्षा १०वीं सामाजिक विज्ञान के लिए सुश्री जागृति बोपचे तथा संस्कृत विषय में १०० प्रतिशत परिणाम के लिए श्रीमती सोनल पटले को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एवं समिति के सदस्यों ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता की भावना को प्रकट किया।

एकीकृत शा.मा. शाला भालवा में मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। हट्टा। किरनापुर विकासखण्ड अंतर्गत एकी शासकीय माध्यमिक शाला भालवा में म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में दिनांक 27 अगस्त 2026 को एक राखी एक संकल्प रक्षा सूत्र- एक राखी एक रिश्ता, एक पेड़ एक राखी की संकल्पना के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया जिसके अंतर्गत राखी निर्माण प्रतियोगिता गीत एवं भाषण आयोजित किया गया जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानपाठक द्वारा छात्रों को विशेषतः लड़कों को लड़कियों का सम्मान करना और राखी की गरिमा को सदैव मनमस्तिष्क में रखते हुये देश की समस्त लड़कियों को असुरक्षा व असहजता का आभास ना हो ऐसा कार्य करने की का संदेश दिया। इसी प्रकार दिनांक 03 सितंबर 2026 को कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया जिसमें छात्र छात्रों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा धारण कर कार्यक्रम को उत्साही व आनंदमयी बना दिया विद्यालय की कक्षा 8वी की छात्रा कावेरी चिखेव ने कृष्ण व छात्रा मोहिनी पांचे ने राधा की वेशभूषा धारण कर पर्व को जीवंत रूप प्रदान कर दिया। अन्य छात्रों- कीर्ति कक्षा 8 वी खुशी पांचे, रहीम (6वी) आशना (6 वी) जाह्नवी गुरवेले (4th) परी पांचे (6वी) ममता(7 वी) आस्था (7 वी) मिताली (7 वी) नव्या (7 वी) दिव्या(8 वी) अलकेश्वरी (6 वी) धवल गायकवाड (6 वी) सत्यम पांचे (6वी) आयुष मात्रे 5 वी ने भी राधा व कृष्ण की वेशभूषा धारण किया और प्रेम और स्नेह को सादर प्रस्तुत किया। शाला के शिक्षक प्रेमलाल खरे द्वारा कृषि व्यवस्था जीवन के आधार पर अपने विचार प्रकट किये एवं बलराम जयंती के अवसर पर छात्रों को पुरुषार्थ पूर्ण जीवन जीने एवं कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में अपना तन मन धन से योगदान करने की अपील की।दिनांक 03 सितंबर 2026 को विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ग्राम पंचायत भालवा की सरपंच श्रीमती अलकेश्वरी गहांगडाले मुख्य रूप से उपस्थित रही और अपने उद्बोधन में छात्र छात्राओं द्वारा धारण की गई वेशभूषा की प्रशंसा की । कार्यक्रम को समग्र रूप से संचालित करने शिक्षक प्रेमलाल खरे व मनिष कुमार श्रीवास्तव माध्यमिक शिक्षक और लता वासनिक व लक्ष्मी गहांगडाले का प्रयास सराहनीय रहा।

नन्हे बच्चों की मौतों का जिम्मेदार क्या केवल स्वास्थ्य महकमा है ?

उमेश बागरेचा

बैहर विधानसमा क्षेत्र में आदिवासियों के नन्हे मुन्ने बच्चों की असामयिक मौतो ने बालाघाट जिले की महिमा को एक बार फिर बदसूरत कर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है। इंसानी के जीवन का कोई मोल नहीं रह गया है। शासन व्यवस्था ने नागरिकों को कीड़े मकोड़ों की तरह मरने के लिये किस्मत के भरोसे छोड़ दिया है। अघोषित 30 बच्चों की मौतों का आखिर जिम्मेदार कौन है? क्या सिर्फ जैसा बताया जा रहा स्वास्थ्य विभाग जिम्मेदार है? ऐसा मानकर क्या हम सच्चाई से मुहं मोड़ रहे हैं? आखिर बैहर के सघन वन क्षेत्र में जहां आदिवासी समाज निवास कर रहा है वहां विकास की गंगा अभी तक क्यों नहीं पहुंची है जबकि बैहर क्षेत्र में गंगा का पानी (नोटो की बरसात) समुद्र की तरह (अरबों की राशि) गहराई तक पहुंची है। विकास के नाम पर वर्षों-वर्षों से बैहर क्षेत्र में बरस रही अरबों की राशि आखिर कहां खर्च की गई है? पिछड़ा क्षेत्र के नाम पर, नक्सल प्रभावित इलाका होने के नाम पर विकास हेतु वर्षो से हर वर्ष अरबों की राशि केन्द्र एवं राज्य सरकारों से वहाँ पहुंचती रही है, बावजूद इसके विकास का अभी तक छोटा सा स्त्रोत(झरना) भी नहीं फूटा है। धरातल में जब विकास अंकुरित हुआ दिखाई ही नही दे रहा है तो इसका सीधा जवाब यही है कि वर्षो से आ रही केन्द्र और राज्य सरकारों से इस क्षेत्र के विकास के लिए प्राप्त राशि का समस्त प्रशासन में बैठे हुक्मरानो में बंदरबाट ही किया होगा? और क्या इस बंदरबाट से क्षेत्र में राज करने वाले सत्ताधीशों ने भी लाभ नही उठाया होगा? निश्चित ही उठाया होगा। क्योंकि जो भी राशि विकास के लिये आती है वह उस मद में कितनी खर्च हो रही या नहीं हो रही है, उस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की नजर में रहती है। तो क्या इन जनप्रतिनिधियों की संवेदना क्षेत्र की आबादी के प्रति थी? तो फिर विकास के लिये आई राशि बिना विकास किये कहा चली गयी? यदि उस क्षेत्र का विकास हुआ होता, बेहतर चिकित्सा सुविधाएं, बेहतर शिक्षा, बेहतर आवागमन के साधन, बेहतर रोजगार होते तो ऐसे में इन आदिवासियों के बच्चों की आसामायिक मौते नहीं होती। विडम्बना तो यह है राजनैतिक तौर पर यह क्षेत्र आदिवासियों के लिये ही आरक्षित है। यहां से चुनकर आदिवासी विधायक, पंच, सरपंच,जनपद सदस्य,जिला पंचायत सदस्य के रुप में जनता द्वारा चुने जाते है, तो फिर क्या इस क्षेत्र के पिछड़े होने का दोष इन जनप्रतिनिधियों को भी नहीं दिया जाना चाहिये? आखिर जब ये जनप्रतिनिधि इस क्षेत्र से नेतृत्व करने का भार उठाते हैं तो इस क्षेत्र की जनता की सेवा का, उनके विकास की जिम्मेदारी क्या इनकी नहीं बनती है। क्यों नहीं इन्होने अब तक इस क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात, रोजगार इत्यादि सेवाओं को इन क्षेत्रो में नही पहुंचाया? इन सभी को अलग से पदों की योग्यता के अनुसार विकास के लिये प्रतिवर्ष शासन से लाखों करोड़ो की राशि भी आवंटित होती है। स्वास्थ्य विभाग को जिम्मेदार ठहराकर सवाल जवाब किया जा रहा, तो स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ क्या क्षेत्र के वर्तमान और बीते वर्षो के निवृतमान जनप्रतिनिधियो से भी सवाल जवाब नही होना चाहिए थे? इस क्षेत्र की जनता जनार्दन को समझना होगा और अपने क्षेत्र के विकास के लिए सरकारी तंत्र के साथ-साथ जनप्रतिनिधियो को भी लपेटे में लेना होगा।

बैगा बच्चों की मौत के मुद्दे पर वायरल हुआ कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक से बातचीत का वीडियो

प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के फोन आने लगे, उईके बोले- सिर्फ बच्चों की मौत को लेकर ली गई थी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र में आदिवासी मासूम बच्चों की मौत के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज के युवा वर्ग द्वारा चलाए गए अनिश्चितकालीन आंदोलन के बीच अब एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी ललित उईके और कुछ युवा साथी कॉकरेच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके से मोबाईल पर बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद इसे लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वायरल वीडियो में अभिजीत दीपके और ललित उईके के बीच बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के मामले को लेकर बातचीत होती नजर आ रही है। बातचीत के दौरान बच्चों की मौत, उन्हें दी गई सहायता राशि और आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की बात सामने आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं, हालांकि वीडियो किसने बनाया और किस उद्देश्य से बाद में वायरल किया, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं है। इस संबंध में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी ललित उईके ने बताया कि जब वे अन्य युवाओं के साथ धरने पर बैठे थे, उसी दौरान उनके किसी साथी द्वारा उनके मोबाइल पर अभिजीत दीपके के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल की गई थी। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान अभिजीत दीपके उनसे मुख्य रूप से बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के मामले की जानकारी ले रहे थे।

उईके के अनुसार बातचीत का उद्देश्य बच्चों के मामले की जानकारी लेना ही था। ललित उईके ने कहा कि जिस प्रकार यह वीडियो कुछ दिनों बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, वह उनके लिए भी समझ से परे है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वीडियो उनके द्वारा नहीं बनाया गया था और न ही उन्होंने इसे अपने किसी सोशल मीडिया अकाउंट से वायरल किया है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई थी कि अभिजीत दीपके बालाघाट आएंगे या यहां किसी कार्यक्रम में शामिल होंगे। उईके ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अभिजीत दीपके को स्वयं फोन नहीं किया था। उनके अनुसार अभिजीत से हुई बातचीत कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से हुई थी और अभिजीत का मोबाइल नंबर भी उनके पास नहीं है। उन्होंने कहा कि वीडियो के वायरल होने के बाद जिस तरह से इस बातचीत को अलग-अलग तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है, उससे वे स्वयं भी हैरान हैं।

दो लाख रुपये के मुआवजे पर हुई चर्चा

वायरल वीडियो में बातचीत के दौरान मृत आदिवासी बच्चों के परिजनों को दी जा रही सहायता राशि का मुद्दा भी सामने आता दिखाई दे रहा है। इसमें ललित उईके द्वारा कथित तौर पर कहा जा रहा है कि बच्चों के परिजनों को केवल दो लाख रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है। इसी दौरान उन्होंने नेताओं और मंत्रियों के बच्चों द्वारा महंगे आईफोन और मोबाइल फोन खरीदे जाने का उदाहरण देते हुए सहायता राशि की पर्याप्तता पर सवाल उठाया। उईके ने बातचीत में यह सवाल उठाया कि यदि नेताओं और मंत्रियों के बच्चे दो-दो लाख रुपये के आईफोन और मोबाइल खरीद सकते हैं, तो आदिवासी परिवारों के बच्चों की मौत के बाद उनके परिजनों को इतनी कम सहायता राशि क्यों दी जा रही है। हालांकि वायरल वीडियो में कही गई बातों का संदर्भ और पूरी बातचीत सामने आने के बाद ही उसके आशय को लेकर स्पष्ट स्थिति बन सकेगी।

वीडियो वायरल होते ही बढ़ी पूछताछ

ललित उईके ने बताया कि वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें जिला प्रशासन सहित पुलिस और अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों की ओर से लगातार फोन आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभिजीत दीपके से हुई बातचीत और उनके बालाघाट आगमन को लेकर भी उनसे जानकारी ली जा रही है। उईके के अनुसार एजेंसियां यह जानने का प्रयास कर रही हैं कि अभिजीत से उनकी बातचीत किस संदर्भ में हुई थी। उईके ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को भी स्पष्ट रूप से बताया है कि बातचीत केवल बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के मामले को लेकर जानकारी लेने तक सीमित थी। उनके अनुसार न तो अभिजीत के बालाघाट आने को लेकर कोई चर्चा हुई थी और न ही उन्होंने उन्हें यहां बुलाने के लिए कोई फोन किया था। अब वीडियो वायरल होने के बाद इस मामले ने आंदोलन से अलग एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

बच्चों को डांटने की बात पर वृद्धा और युवक के बीच मारपीट

पद्मेश न्यूज। मलाजखंड। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में बच्चों को डांट-फटकार लगाने की बात को लेकर एक वृद्धा और युवक के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच मारपीट हो गई। घटना में दोनों लोग चोटिल हुए। दोनों ने एक-दूसरे पर अश्लील गाली गलौज करने मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मलाजखंड पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दोनो चोटिल दुरपत बाई पति प्यारेलाल श्रीवास 60 वर्ष विकास पिता संपत्त सुरेश्वर 21 वर्ष मोहगांव निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहगांव निवासी दुरपत बाई श्रीवास घरेलू काम करती हैं, जबकि विकास पिता संपत्त सुरेश्वर डॉक्टर सुधन्वा कॉलेज मलाजखंड में बीए प्रथम वर्ष का छात्र है और घरेलू काम भी करता है।बताया गया कि 4 सितंबर को दोपहर करीब 2.30 बजे दुरपत बाई राजू गुप्ता की किराना दुकान पर काम करने के बाद अपने घर पहुंचीं। उस समय उनके नाती वंश और नातिन परी रो रहे थे। पूछने पर बच्चों ने बताया कि मोहल्ले के बच्चों के साथ खेलते समय उनके साथ मारपीट की गई है। इस पर दुरपत बाई बच्चों को समझाने के लिए गांव के बेल तालाब की ओर गईं।जहां बच्चे खेल रहे थे।इसी दौरान विकास अपनी बुआ शांतिबाई सारवे के घर के पड़ोस में बैठा था। दुरपत बाई बच्चों को डांट फटकार लगाते हुए समझा रही थीं। आरोप है कि विकास वहां आया और बच्चों को डांटने का कारण पूछते हुए दुरपत बाई से अश्लील गाली गलौज करने लगा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।दुरपत बाई ने आरोप लगाया कि विकास ने उनके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट की जिससे वह फेंसिंग तार में गिर गईं। इस दौरान उनके दाहिने हाथ की कलाई व कोहनी, बाएं हाथ की बीच वाली अंगुली तथा गर्दन में चोट आई।वहीं विकास ने दुरपत बाई पर गाली-गलौज करते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट करने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जान से खत्म करने की धमकी देने की बात भी पुलिस को बताई है। घटना में दोनों चोटिल होने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराने मलाजखंड थाने पहुंचे।पुलिस ने दोनों का उपचार एवं मुलाहिजा कराया। इसके बाद दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर अश्लील गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा दोनों मामलों की जांच की जा रही है।

ससुर,दामाद मोटरसाइकिल सहित नाले में गिरे, ससुर की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बीच बूढ़ी के समीप शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से ससुर-दामाद मोटरसाइकिल समेत पुल के नीचे पानी से भरे नाले में जा गिर गये। हादसे में ससुर के सिर में गंभीर चोट आने से जिला अस्पताल में मौत हो गई।जबकि दामाद को मामूली चोटें आई हैं।मृतक रामदास पिता श्यामलाल पांचे 65 वर्ष ग्राम रट्टा पायली थाना किरनापुर निवासी है। जबकि उसका दामाद दिलीप बाहे 40 वर्ष ग्राम कटंगी, किरनापुर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामदास पांचे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था ।5 सितंबर को रामदास पांचे अपने दामाद दिलीप बाहे के साथ किसी काम से हट्टा आए थे। दोनों ने हट्टा में अपना काम पूरा किया और दोनों ससुर दामाद मोटरसाइकिल से वापस रट्टापायली के लिए रवाना हुए। मोटरसाइकिल रामदास पांचे चला रहे थे।शाम करीब 4:30 बजे दोनों ग्राम बीच बूढ़ी के समीप पुल से गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और ससुर-दामाद मोटरसाइकिल सहित पुल के नीचे पानी से भरे नाले में जा गिरे। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल दोनों को नाले से बाहर निकाला। रामदास पांचे के सिर में गंभीर चोट लगी थी। घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल रामदास पांचे को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।वहीं हादसे में दिलीप बाहे को मामूली चोटें आईं। जो मोके से वह अपने गांव रट्टापायली चले गए। पुलिस ने मृतक रामदास पांचे के शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया है। शव का पोस्टमार्टम 6 सितंबर को किया जाएगा।

खेती-किसानी से परिवार का करते थे भरण-पोषण

मृतक रामदास पांचे खेती-किसानी का काम करते थे। उनके परिवार में चार बेटे और दो बेटियां हैं। सभी बच्चों की शादी हो चुकी है। हादसे में रामदास की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

कंचनपुर के पास पिकअप और बाइक की सीधी भिड़ंत, रेलवे गेटकीपर गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी कटंगी मार्ग स्थित ग्राम कंचनपुर के समीप एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार शासकीय कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना शनिवार सुबह उस वक्त हुई जब वारासिवनी से कटंगी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन और बाइक की आमने सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित देवेंद्र पटले ४२ वर्ष निवासी गुडरु चांगोंटोला लामता रेलवे विभाग में गेटकीपर के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में वे ग्राम पंचायत शेरपार स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर तैनात हैं और वारासिवनी के वार्ड नंबर ६ रामदेव परिसर के पास किराए के मकान में रहते हैं। शनिवार सुबह वे शेरपार रेलवे क्रॉसिंग पर अपनी रात्रिकालीन ड्यूटी नाइट शिफ्ट समाप्त कर मोटरसाइकिल से वारासिवनी स्थित अपने निवास लौट रहे थे तभी कंचनपुर के पास पिकअप वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। नागरिकों की सूचना पर पहुंची १०८ एंबुलेंस की सहायता से घायल देवेंद्र पटले को तत्काल वारासिवनी शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट रिफर कर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट